रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शुक्रवार | 10 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक : 10 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

मणिपुर के 500 युवाओं को दिल्ली में कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा: मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली: मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बुधवार को कहा कि राज्य के लगभग 500 युवाओं को एयरलाइन में केबिन क्रू के पद पर नौकरी के लिए दिल्ली में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) को प्राथमिकता दी जाएगी।यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण का वित्तपोषण पर्यटन मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 17 स्टार्टअप्स ने पहले ही लगभग 432 आंतरिक रूप से विस्थापितों को रोजगार दिया है।सिंह ने कहा कि सरकार जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में हर संभव सहायता दे रही है। उन्होंने कहा, बिष्णुपुर जिले के फुबाला इलाके में सरकार ने प्रीफेब्रिकेटिड मकानों का निर्माण किया है।

नीतीश कैबिनेट का विस्तार तय,

बीजेपी ने कन्फर्म कर दिया; दिलीप जायसवाल ने प्लान भी बताया

बिहार बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि नीतीश कैबिनेट का विस्तार होना तय है। खरमास के बाद इस मुद्दे पर चर्चा शुरू की जाएगी।

एजेंसी

पटना: बिहार में नीतीश कैबिनेट का विस्तार होना तय है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इसकी पुष्टि कर दी है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और नीतीश सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार होने वाला है। खरमास के बाद मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा भी होगी। चर्चा होने के बाद तय होगा कि कब मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। सब कुछ तय होने के बाद सूचना सार्वजनिक की जाएगी।

बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि सभी राजनीतिक दलों की चिंता होती है कि मंत्रिमंडल में सभी वर्ग को जगह दिला सके। उन्होंने कहा कि कहा कि 15 जनवरी से जिलों में एनडीए के सभी पांच दलों के कार्यकताओं का संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। इसमें बीजेपी, जेडीयू, लोजपा, हम और आरएलएम पांचों दलों के जिलाध्यक्ष, वहां के सांसद, विधायक, प्रभारी मंत्री सहित कार्यकर्ता शामिल होंगे। संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में सात हजार से 10 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे। सम्मेलन के माध्यम से एनडीए की चट्टानी एकता दिखेगी।बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा का चुनाव होने वाला है। इससे पहले नए चेहरे को नीतीश कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बीजेपी से चार और जेडीयू से दो नए मंत्री बनाए जा सकते हैं। राज्य में अभी 30 मंत्री है। मंत्रिपरिषद के अधिकतम सदस्यों की संख्या 36 है। यानी कि अभी 6 और मंत्री बनाने की गुंजाइश है। वहीं, दिलीप जायसवाल के बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद उनका मंत्री पद जाने के कयास हैं।

दही-चूड़ा के बाद चमकेगी 6 नेताओं की किस्मत; नीतीश कैबिनेट के विस्तार में भाजपा से कितने मंत्री?

एजेंसी

पटना: आम तौर पर मकर संक्रांति के बाद बिहार में कुछ नई राजनीतिक चीजें होती हैं। लेकिन इस दही-चूड़ा के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किसी राजनीतिक खेल की संभावनाओं को और कम करते हुए अपने कैबिनेट का विस्तार कर सकते हैं। अक्टूबर-नवंबर में निर्धारित विधानसभा चुनाव 2025 से पहले पटना के राजनीतिक गलियारों में मंत्रिमंडल विस्तार की आहट से हलचल तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से चार नेताओं को मंत्री का पद मिल सकता है, जबकि जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के दो और नेता मंत्री बन सकते हैं। 28 जनवरी को 12 महीने पूरा करने जा रही नीतीश कुमार की नौवीं सरकार में इस समय 30 मंत्री हैं। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक 6 मंत्री और बनाए जा सकते हैं।सूत्रों का कहना है कि दूसरे कैबिनेट विस्तार में नीतीश कुमार पटना, सारण और तिरहुत प्रमंडल के नेताओं को मंत्री बना सकते हैं। इन इलाकों से मंत्री बनाकर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश होगी। विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में जातीय समीकरण भी दुरुस्त किया जाएगा। नीतीश सरकार में भाजपा के 15, जेडीयू के 13, हम के 1 और 1 निर्दलीय मंत्री हैं। 6 और मंत्री बन सकते हैं लेकिन यह पूरी तरह नीतीश पर निर्भर है कि वो किस दल से कितने या किसे मंत्री बनाएंगे। 10 मौजूदा मंत्रियों के पास एक से अधिक विभाग की जिम्मेदारी है।चर्चा है कि नीतीश कुमार भाजपा की तरफ से संभावित मंत्रियों की लिस्ट का इंतजार कर रहे हैं जो खरमास के बाद उन्हें मिल सकती है। एक व्यक्ति, एक पद सिद्धांत के तहत प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल राजस्व और भूमि सुधार मंत्री के पद से इस्तीफा देकर संगठन का काम देखेंगे। भाजपा का सांगठनिक चुनाव चल रहा है। 18 जनवरी को जायसवाल प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के लिए पर्चा भरेंगे और 19 को पटना में राज्य परिषद की बैठक में उनका औपचारिक निर्वाचन होगा।

व्यंगकार एवं पत्रकार खुर्शीद परवेज सिद्दीकी का 79 वर्ष में निधन,

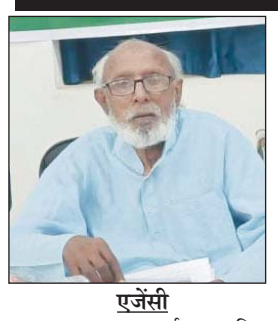

सहाफत की दुनिया में मासूसी

एजेंसी

झारखण्ड,पटना: उर्दू पत्रकारिता के गौरवशाली युग के एक महानायक और साहसिक पत्रकार खुर्शीद परवेज सिद्दीकी का 9 जनवरी को रांची के एक अस्पताल में निधन हो गया. वे 79 वर्ष के थे. उनके निधन की खबर ने उर्दू पत्रकारिता जगत को शोक में डाल दिया. उनके अंतिम संस्कार का आयोजन रांची में किया जाएगा.

खुर्शीद परवेज सिद्दीकी का जन्म 2 दिसंबर 1945 को बिहार के बाढ़ में हुआ था. एक सामान्य परिवार में जन्मे खुर्शीद ने जीवनभर अपनी कलम को सच्चाई, न्याय और निर्भीकता के लिए समर्पित रखा. उन्होंने अपने करियर की शुरूआत उर्दू पत्रकारिता से की और जल्दी ही अपने बेबाक लेखन और निर्भीक शैली के लिए प्रसिद्ध हो गए.खुर्शीद परवेज सिद्दीकी अपने संपादकीय लेखन के लिए जाने जाते थे. उनके लेखों में निर्भीकता और साहस की झलक स्पष्ट दिखाई देती थी. उनके संपादकीयों में सामाजिक मुद्दों, राजनीतिक अन्याय और शोषण के खिलाफ उनकी तीव्र आलोचना देखने को मिलती थी. उन्होंने कभी भी पत्रकारिता को व्यवसाय के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे इबादत समझकर निभाया.

उनके लेखन की शैली ऐसी थी कि पाठक उनके विचारों के साथ गहराई से जुड़ जाते थे. उन्होंने अपने लेखों में न केवल मुद्दों को उजागर किया, बल्कि समाधान के दृष्टिकोण से भी लिखा. उनकी लेखनी न केवल सटीक थी, बल्कि व्यंग्य और हास्य से भी परिपूर्ण थी.

स्तंभ शजारत की लोकप्रियता

खुर्शीद परवेज सिद्दीकी का स्तंभ "शजरत" अपने आप में उर्दू पत्रकारिता की एक धरोहर है. इसमें उन्होंने विभिन्न विषयों पर गहन अध्ययन और विचारों को प्रस्तुत किया. उनके व्यंग्य और हास्य से भरे लेख पाठकों को न केवल सोचने पर मजबूर करते थे, बल्कि उन्हें प्रभावित भी करते थे.

निर्भीकता और सत्य का प्रतीक

खुर्शीद परवेज सिद्दीकी का जीवन और लेखनी इस बात का प्रतीक है कि सत्य के लिए खड़ा होना ही

NDA से नहीं टूटेगी एक भी पार्टी, बिहार चुनाव में जीतेंगे 225 सीटें, अटकलों के बीच चिराग पासवान का दावा

एजेंसी

पटना: केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने गुरुवार को कहा कि बिहार में एनडीए के सभी घटक एक साल से भी कम समय में होने वाले विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगे। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद द्वारा मुख्यमंत्री को शुभकामना देने के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। मीडिया से बातचीत में चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए टूटकर विपक्षी गठबंधन में शामिल नहीं होगा, ऐसा नहीं होने वाला है। एक बात तो तय है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव बिहार के पांचों घटक दल मिलकर लड़ेंगे।

चिराग पासवान ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की मजबूत सरकार बनने जा रही है। हम 225 से ज्यादा सीटें जीतकर बिहार में सरकार बनाएंगे। बिहार में एनडीए में मुख्यमंत्री की जेडीयू, बीजेपी, एलजेपी (आरवी), केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। इसे राजनीतिक हलकों के साथ-साथ मीडिया के एक वर्ग में, भाजपा के सबसे शक्तिशाली नेताओं में से एक कुमार के लिए एक संकेत के रूप में देखा गया।

भविष्य युद्ध में नहीं बुद्ध में है, प्रवासी भारतीय सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ओडिशा में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन किया. कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने इस अवसर के महत्व पर भी प्रकाश डाला, और बताया कि कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ मेला शुरू हो जाएगा। उन्होंने देश भर में व्याप्त खुशी के माहौल पर जोर देते हुए मकर संक्रांति और माघ बिहू के आगामी त्योहारों का भी उल्लेख किया। अपने संबोधन में प्रधान मंत्री ने वैश्विक व्यापार और आध्यात्मिकता में इसके महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए, ओडिशा की गहन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की भी

प्रशंसा की। पीएम मोदी ने ओडिशा के प्राचीन समुद्री संबंधों पर भी टिप्पणी की, जहां व्यापारी बाली, सुमात्रा और जावा जैसे सुदूर क्षेत्रों की यात्रा करते थे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान करने के लिए बाली यात्रा की परंपरा अभी भी मनाई जाती है। ओडिशा के आध्यात्मिक सार का जिक्र करते हुए उन्होंने शांति के प्रतीक धौली के बारे में बात की, जहां सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद अहिंसा को अपनाया था। एक ऐसे युग में जब साम्राज्य हथियारों के बल पर बनाए जाते थे, सम्राट अशोक ने यहां ओडिशा में शांति का मार्ग चुना। यह वह विरासत है जो आज भारत को युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध की शिक्षाओं में निहित भविष्य की वकालत करने के लिए प्रेरित करती है।

दिल्ली चुनाव में होगी राहुल गांधी की एंट्री, 13 जनवरी को कर सकते हैं चुनावी रैली को संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली के मतदाता राहुल और प्रियंका आश्चर्यचकित हैं क्योंकि वे अभी तक राष्ट्रीय राजधानी के चुनावी परिदृश्य में दिखाई नहीं दिए हैं, जहां 5 फरवरी को मतदान होना है। जैसे-जैसे राजनीतिक माहौल गर्म होता जा रहा है, आम आदमी पार्टी ऐसा लगता है कि जब चुनावी बिगुल बजने की बात आई तो उसने बढ़त ले ली है और विधानसभा की सभी 70 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं, अब खबर है कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 13 जनवरी को दिल्ली में

एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पहले ही मैदान में उतर चुके हैं और मतदाताओं से जुड़ रहे हैं और उन्हें दोबारा चुने जाने पर चांद देने का वादा कर रहे हैं। भाजपा ने अपनी ओर से पीएम मोदी के रूप में अपना भाग्यशाली आकर्षण उजागर किया है, जो पहले ही एक रैली कर चुके हैं और दिल्ली के लोगों के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये की कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की घोषणा भी कर चुके हैं। इसके बीच, कांग्रेस अभी भी अपने दृष्टिकोण में पीछे दिख रही है क्योंकि 'परिवार' अभी तक सामने नहीं आया है, जबकि पार्टी ने शुरूआती मतदाता संपर्क का काम डीके शिवकुमार, केसी वेणुगोपाल और अशोक गहलोत जैसे नेताओं पर छोड़ दिया है, ऐसा लगता है।

केजरीवाल ने खेला जाट कार्ड, प्रवेश वर्मा ने किया पलटवार, बोले- आज तक किसी गांव में नहीं गए, अब उन्हें...

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ने कभी किसी गांव का दौरा नहीं किया और दिल्ली के किसी भी ग्रामीण को अपने 'शीश महल' में प्रवेश नहीं करने दिया। आप सरकार पर और हमला करते हुए वर्मा ने दावा किया कि केजरीवाल ने जाट आरक्षण का मुद्दा इसलिए उठाया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि ग्रामीण दिल्ली उनके खिलाफ

मतदान करने जा रही है।प्रवेश वर्मा ने कहा कि ये वही अरविंद केजरीवाल हैं जो कहते थे कि दिल्ली के गांवों में लोगों से बदबू आती है। यह वही अरविंद केजरीवाल हैं जिन्होंने दिल्ली के एक भी गांव के लोगों को अपने 'शीश महल' में घुसने नहीं दिया। यह वही अरविंद केजरीवाल हैं जो आज तक किसी भी मुद्दे पर किसी गांव में नहीं गए। नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से आप सुप्रीमो केजरीवाल के खिलाफ मैदान में उतारे गए वर्मा ने विधानसभा चुनाव जीतने का भरोसा जतायाभाजपा नेता ने कहा कि आज, उन्हें लगा कि पूरी ग्रामीण दिल्ली आप के खिलाफ मतदान कर रही है झ ग्रामीण दिल्ली में सिर्फ जाट ही नहीं बल्कि गुज्जर, यादव, त्यागी और राजपूत भी शामिल हैं, वे सभी एक सुर में कह रहे हैं कि उन्हें अरविंद केजरीवाल सरकार को उखाड़ फेंकना है।

प्रवेश वर्मा के चुनाव लड़ने पर लगे रोक, खुलेआम बांट रहे पैसे, CEC से मुलाकात के बाद बोले केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली: आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी सीईसी राजीव कुमार से मुलाकात की। इसके बाद केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में 15 दिसंबर से 7 जनवरी तक 22 दिनों में वोट रद्द कराने के लिए 5500 आवेदन आए हैं। उन्होंने दावा किया कि ये एप्लीकेशन फर्जी हैं। जब अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लिया और जिन लोगों के नाम पर वोट रद्द करने के लिए आवेदन दिये गये थे, उन्हें बुलाया गया तो उन्होंने बताया कि उनके नाम पर फर्जी आवेदन दिये गये हैं। केजरीवाल ने कहा कि बड़ा घोटाला चल रहा है। पिछले पंद्रह दिन में नए वोट के लिए 13 हजार आवेदन आए हैं। दूसरे राज्यों से लोगों को लाकर फर्जी वोट बनाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा जॉब कैंप लगा रहे हैं, खुलेआम पैसे बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये चीजें चुनाव आयोग के नियमों और विनियमों के तहत भ्रष्ट आचरण के अंतर्गत आती हैं। प्रवेश वर्मा को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए और उनके घर पर छापा मारकर पता लगाया जाना चाहिए कि उनके घर पर कितना पैसा है।इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मुख्यनिर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को पत्र लिखकर नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित हेरफेर

वाम दलों ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में ठोकी ताल,

'बीजेपी हटाओ, दिल्ली बचाओ' का दिया नारा, छह सीटों पर उतारेंगे उम्मीदवार

एजेंसी

नई दिल्ली: 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले वामपंथी एकता के प्रदर्शन में, कम्युनिस्ट पार्टियों ने छह विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की तैयारी करते हुए एक-दूसरे को समर्थन देने का फैसला किया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) दो सीटों करावल नगर और बदरपुर पर चुनाव लड़ेगी। सीपीआई (एम) पोलित ब्यूरो सदस्य बृंदा करात ने गुरुवार को "बीजेपी हटाओ, दिल्ली बचाओ" का नारा देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली के लोगों के अधिकारों को बुलडोज कर रही है और उन्हें रोकना जरूरी है। बृंदा करात ने कहा कि तीन वामपंथी दल - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), सीपीआई और सीपीआई (मार्क्सवादी-लेनिनवादी)- दो-दो, कुल छह (विधानसभा) सीटों

पर चुनाव लड़ रहे हैं। सीपीआई (एम) करावल नगर और बदरपुर (विधानसभा क्षेत्र) में चुनाव लड़ रही है। बाकी सीटों के लिए हमने नारा दिया है: 'बीजेपी हटाओ, दिल्ली बचाओ'। उन्होंने आगे भाजपा पर दिल्ली सरकार को "स्वायत्तता" से वंचित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों ने दिल्ली सरकार की स्वायत्तता को खत्म कर दिया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अनिवार्य कर दिया था।उन्होंने कहा कि मैंने आपको बताया है कि यह दिल्ली में भाजपा को हराने के बारे में है। हमारा ध्यान उन्हें हराना है। जहां लेफ्ट चुनाव नहीं लड़ रहा है, वहां हम अपने विश्लेषण के आधार पर फैसला करेंगे कि किसे समर्थन देना है। समझ ये है कि बीजेपी सबसे खतरनाक और जहरीली ताकत है। उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में हर कीमत पर हराया जाना चाहिए, जहां उनकी नीतियों ने दिल्ली सरकार की स्वायत्तता को खत्म कर दिया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अनिवार्य किया था। भाजपा दिल्ली की जनता के अधिकारों के खिलाफ बुलडोजर की तरह काम कर रही है और उसे रोकना जरूरी है। जैसा कि आम आदमी पार्टी को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारत ब्लॉक पार्टियों के बीच अधिक समर्थन मिल रहा है, आप सांसद संजय सिंह ने अपनी पार्टी को "दिल्ली में एकमात्र पार्टी करार दिया है।

समाज के उत्थान के लिए सदैव समर्पित रहे श्रद्धेय रामसुंदर दास

भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया रामसुंदर दास की प्रतिमा का अनावरण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- राजनीतिक प्रेरणा के प्रतीक हैं रामसुंदर दास : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष
- डॉ. दिलीप जायसवाल का सोनपुर में जोरदार स्वागत, कार्यकर्ताओं ने जताया स्नेह
- श्रद्धेय रामसुंदर दास जी का स्वतंत्रता संग्राम से लेकर मुख्यमंत्री बनने तक का प्रेरणादायक सफर :डॉ दिलीप जायसवाल
- डॉ. दिलीप जायसवाल : श्रद्धेय रामसुंदर दास के आदर्शों पर चलने की जरूरत
- भूतपूर्व मुख्यमंत्री रामसुंदर दास की जन्म जयंती सह प्रतिमा अनावरण समारोह में शामिल हुए भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल
- पूर्व मुख्यमंत्री रामसुंदर दास

बिहार के राजनीतिक सूरमाओं में एक, जिन्होंने प्रदेश का नाम रौशन किया : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 9 जनवरी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज सोनपुर स्थित खरीका में बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री रामसुंदर दास की जन्म जयंती सह प्रतिमा अनावरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री रामसुंदर दास समाज के उत्थान के लिए सदैव समर्पित रहे।

भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा, " बिहार की धरती की पहचान राजनीतिक सूरमाओं के लिए ही जानी जाती है। इन सूरमाओं में कई नाम हैं, इन्हीं नामों में एक नाम स्वर्गीय रामसुंदर दास का है। उन्होंने देश में बिहार का नाम रोशन किया। रामसुंदर दास ऐसे नेताओं में शामिल हैं जिनकी आवाज बिहार विधानसभा से लेकर लोकसभा तक गूंजती रही।

उन्होंने कहा कि रामसुंदर दास ने जन्म से ही चुनौतियों का सामना किया लेकिन अपनी प्रतिभा और मेहनत के जरिए वे बिहार के मुख्यमंत्री पद तक पहुंच गए। किशोरावस्था में ही उनका दिल चाहता था कि देश को अंग्रेजी हुकूमत से आजादी मिले और दिमाग देश को आजादी दिलाने की प्लानिंग में लगा रहता था। जब इन्हें मौका मिला तो वे देश को स्वतंत्र कराने के लिए भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़ गए। नतीजा यह हुआ कि कॉलेज से इन्हें बोरिया बिस्तर समेटना पड़ा और देश सेवा को चुनना पड़ा। उन्होंने लोगों से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।इस अवसर पर मंत्री मंगल पांडेय, पूर्व मंत्री महाचंद्र प्रसाद सिंह, कार्यक्रम आयोजक उपेंद्र सिंह, विधायक जनक सिंह, मंटू सिंह, डॉ. सी एन गुप्ता तथा जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

इससे पूर्व सोनपुर जाने के क्रम में बजरंग चौक पर जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।इसके उपरांत प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल का विधायक सी एन गुप्ता, पूर्व मंत्री महाचंद्र प्रसाद सिंह, जनक सिंह के द्वारा स्नेहिल स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष का रविदास चौक पर विधायक मंटू सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि यह मेरे कार्यकर्ता साथियों का सच्चा स्नेह है, जो कि सौभाग्यवश मुझे निरंतर प्राप्त हो रहा है। मैं आप सबका बहुत सम्मान करता हूँ।

एसएसबी के द्वारा पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। सोनबरसा प्रखंड क्षेत्र के पुरन्दाहा राजबाड़ा पश्चिम पंचायत स्थित बसतपुर गांव में गुरुवार को नरकटिया बीओपी के द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन एसएसबी क्षेत्रिय मुख्यालय मुजफ्फरपुर के डॉ एस एन सिंह कमांडेंट पशु चिकित्सा की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें 180 भैंस, बकडी, बैल, गाय की जांच कर मुक्त में दवा दी गई और किसानों को डाक्टर एस एन सिंह ने बताया कि सर्दी के मौसम में खासकर दुधारू पशुओं पर ध्यान देने की ज्यादा जरूरत है उन्होंने कहा कि बुखार , खांसी, फंगल, कन्फेशन , कीड़े सहित अन्य बिमारी का उपचार बताया गया। मौके पर बीओपी कमांडर उप निरीक्षक एम विश्वाजीत सिंह

मुख्य आरक्षी शमशेर सिंह, आरक्षी रवि यादव, कुणाल कुमार,राम नारायण साह, किसान पंचेलाल राय, प्रदीप राय, चन्द्रेश्वर राय, गंगाराम राय, राजेन्द्र राय,हरि राय,सतन राय रघुवीर राय सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे

शहीद किशोर कुणाल वॉलीबॉल टूनार्मेंट का द्वितीय कमान अधिकारी पाण्डेय व बीडीओ सत्येंद्र ने किया शुभारंभ

ताजपुरसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । 51वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल सीतामढ़ी कक्रद्वारा कमांडेंट संजीव कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में सामाजिक चेतना अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत शहीद किशोर कुणाल वॉलीबॉल टूनार्मेंट आयोजन का शुभारम्भ बाहरी सीमा चौकी सोनबरसा के कार्यक्षेत्र में द्वितीय कमान अधिकारी आशीष कुमार पाण्डेय, सोनबरसा बीडीओ सत्येंद्र यादव द्वारा फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर शहीद किशोर कुणाल के तैलीय चित्र माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया।

दो दिवसीय टूनार्मेंट में सशस्त्र सीमा बल 20 बटालियन सीतामढ़ी, 48 बटालियन जयनगर, 51 बटालियन सीतामढ़ी-कक्र 71 बटालियन मोतिहारी, 10 बटालियन सशस्त्र प्रहरी नेपाल तथा राजकीय उच्च विद्यालय इन्दरवा की वॉलीबॉल टीम ने हिस्सा लिया। जिसमें सशस्त्र सीमा बल 71 बटालियन मोतिहारी, 48 बटालियन जयनगर की टीम विजय रही। विजेता टीमों के बीच सेमी फाइनल एवं फाइनल वॉलीबॉल मैच का आयोजन सोनबरसा समवाय के कार्यक्षेत्र में 10 जनवरी को किया जायेगा।

निरीक्षक सामान्य रमेश ग्वाला, समवाय प्रभारी सोनबरसा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य एवं खिलाडियों को कार्यक्रम में सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया एवं बताया कि शहीद किशोर कुणाल स्मृति वॉलीबॉल टूनार्मेंट का आयोजन सहायक कमांडेंट किशोर कुणाल की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है, जो 26 जुलाई 2010 को 15 वीं बटालियन बोंगाईगांव आसाम में उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर हमला के दौरान शहीद हो गए। इस वॉलीबॉल टूनार्मेंट का आयोजन शहीद को श्रद्धांजलि एवं सम्मान के उपलक्ष्य में किया गया है। कार्यक्रम के दौरान उप कमांडेंट संदीप कड़वासरा, प्रखंड पदाधिकारी सोनबरसा सत्येंद्र कुमार यादव, निरीक्षक नेपाल प्रहरी दिलाराम फूलजेल, सहायक उप निरीक्षक सोनबरसा थाना अनु भारती, मीडिया बंधु एवं अन्य कार्मिक सहित जनसमूह उपस्थित रहे।

वृद्ध जनों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी बेगुसराय ' ब्रजभूषण देव उर्फ नन्दू बाबू एवं बलराम बाबू उलाव बेगुसराय एक सामाजिक सरोकार का उदाहरण पेश करते हुए 250 कंबल वृद्ध जनों के बीच वितरण किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन का नेतृत्व भोला कुमार द्वारा किया गया, जिनके मार्गदर्शन में यह आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप प्रमुख प्रतिनिधि एवं पैक्स अध्यक्ष बलराम सिंह, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सरोजिनी भारती, स्थानीय मुखिया जीवों देवी, उप मुखिया अजीत कुमार, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि भूषण कुमार, सुनील साहनी, भूपेंद्र कुमार, रंजीत शर्मा, संजय वर्मा सहित अन्य स्थानीय गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे ।यह कंबल वितरण कार्यक्रम विशेष रूप से ठंड से प्रभावित वृद्ध जनों के लिए आयोजित किया गया, ताकि उन्हें सर्दी से राहत मिल सके। कार्यक्रम में 250 कंबल वितरित किए गए, जो उन वृद्ध व्यक्तियों को प्रदान किए गए, जो शीतलहर से जूझ रहे थे और जिन्हें ठंड से बचने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं थे ।मुख्य अतिथि बलराम सिंह ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा, "समाज में हर व्यक्ति का सम्मान किया जाना चाहिए, विशेष रूप से हमारे वृद्ध जनों का। यह कार्यक्रम उनके सम्मान और कल्याण के लिए आयोजित किया गया है। समाज के सशक्त लोगों को ऐसे कार्यों में भाग लेना चाहिए, जिससे उनके जरूरतमंद साथियों की मदद हो सके।" सरोजिनी भारती ने भी अपने संदेश में समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि भाजपा महिला मोर्चा ऐसे कार्यक्रमों में हमेशा अग्रणी रहेगा ।स्थानीय मुखिया जीवों देवी और उप मुखिया अजीत कुमार ने भी इस पहल की सराहना की और सभी उपस्थित जनों को इस सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की प्रेरणा दी ।इस कार्यक्रम के आयोजन से यह संदेश भी गया कि स्थानीय स्तर पर किए गए ऐसे प्रयासों से गरीब और जरूरतमंदों के जीवन में फर्क आ सकता है। इस तरह के सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को एकजुट किया जा सकता है और उन्हें सर्दी-गर्मी से राहत प्रदान की जा सकती है।

सरकारी विद्यालयों में खाना की गुणवत्ता को लेकर एसडीओ ने की जांच-पड़ताल

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत और प्रखंड क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में एनजीओ के तरफ से दी जा रही मध्याह्न भोजन योजना की जांच-पड़ताल को मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने विभिन्न सरकारी विद्यालयों का निरीक्षण किया वहीं प्रधानाध्यापक से मध्याह्न भोजन योजना के तहत दी जा रही खाने की जानकारी ली। मौके पर बंदोबस्त पदाधिकारी संजय कुमार, बीडीओ पंकज कुमार, सीओ सुमंत कुमार,प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी डॉ वीणा कुमारी मौजूद रहें। एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने बताया कि जिले से मिले निर्देश के आलोक में मशरक नगर पंचायत और प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में प्रधानाध्यापक से छात्र छात्राओं के लिए एनजीओ के द्वारा उपलब्ध कराई जा रही मध्याह्न भोजन योजना की गुणवत्ता की जांच पड़ताल की। कन्या मध्य विद्यालय में प्रधानाध्यापक नरेंद्र सिंह से मध्यान्ह भोजन योजना की पंजी की मांग कर जांच पड़ताल की वहीं चखना पंजी उपलब्ध नहीं करानें पर प्रधानाध्यापक को चेतावनी दी। वहीं उन्होंने प्रधानाध्यापक से कहां कि बच्चों को दी जा रही भोजन की निगरानी आपकी जिम्मेदारी है प्रतिदिन खाना आने पर उसे आप खुद चख कर ही बच्चों को उपलब्ध कराएंगे और यदि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी आती है तो उसकी जानकारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को जरूर देंगे। आपकों बता दें कि मशरक में सरकारी विद्यालयों में एनजीओ के तरफ से खाना उपलब्ध कराया जाता है जिसमें भोजन की क्वालिटी रद्दी और सप्ताह में अंडा उपलब्ध नहीं करानें की बराबर शिकायत का मामला सामने आता है।

नीतीश कुमार के शासनकाल में महिला सशक्तिकरण को मिल रहा काफी बल:सरिता

पार्टी संगठन को वार्ड स्तर तक पहूचाने का लिया संकल्प

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी: बिहार प्रदेश जनता यू तकनीकी एवं श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव जिले के बथनाहा गांव निवासी सरिता कुमारी ने जनता दल यू प्रदेश कार्यालय पटना में बिहार प्रदेश जनता दल यू तकनीकी एवं श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामचरित्र प्रसाद को शॉल उठाकर सम्मानित की। वही नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ-साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की ।प्रदेश महासचिव ने अपने प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष से पार्टी के हित में काम करने के लिए मार्गदर्शन मांगी। जहां प्रदेश अध्यक्ष ने उन्हें पार्टी संगठन को मजबूत करने को कहा ।वही बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचने को लेकर आम जनों के बीच जाकर जागरूकता फैलाने को भी कहा ।वहीं प्रदेश महासचिव सचिव श्रीमती कुमारी ने संगठन को गांव-गांव ही नहीं वार्ड

स्तर तक पहुंचने का संकल्प लिया। साथ ही कहा कि बिहार के मुखिया विकास पुरुष नीतीश कुमार के शासनकाल में महिला सशक्तिकरण को काफी बल मिला है। हम अपनी सरकार की उपलब्धि को जन-जन तक पहुंचाएंगे ।मौके पर वैशाली जिला महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मोनिका सिंह समेत पार्टी के कई प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गढ़पुरा में गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

गढ़पुरा, बेगुसराय ' प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गढ़पुरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में गुरुवार को गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसवपूर्व स्वास्थ्य जांच शिविर और स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 204 गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच की गई ।शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी नीतू कुमारी और एएनएम ज्योत्स्ना कुमारी द्वारा गर्भवती महिलाओं की ऊंचाई, वजन, ब्लड प्रेशर जैसी स्क्रीनिंग की गई। वहीं, लैब टेक्नीशियन रविंद्र कुमार और पीएमडब्ल्यू विनय कुमार ने हेमोग्लोबिन, यूरिन प्रोटीन, डायबिटीज, एचआईवी जैसी जांच की ।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन चौधरी ने गर्भवती महिलाओं को आयरन और प्रोटीन से भरपूर आहार लेने की सलाह दी। उन्होंने नोनी के साग, रागी, दूध, मछली, कलेजी जैसे खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करने की बात की ।स्वास्थ्य परामर्श देते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पूजा कुमारी ने खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। डॉ. अमरेश ने महिलाओं को प्रत्येक माह नियमित जांच कराने की आवश्यकता बताई और सुरक्षित जच्चा-बच्चा के लिए यह जांच आवश्यक है ।शिविर में 12 एनीमिक गर्भवती महिलाओं और 4 जटिल गर्भवती महिलाओं की पहचान की गई। इन महिलाओं को विशेष चिकित्सा निगरानी रखने और खानपान पर ध्यान देने की सलाह दी गई। इसके अलावा, महिलाओं को आयरन की गोली, सीरप और कैल्शियम की गोली वितरित की गई ।अस्थायी गर्भ निरोधक साधनों के तहत कंडोम, अंतरा, छाया का वितरण एएनएम अंजू कुमारी और रीमा कुमारी द्वारा किया गया ।स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार ने बताया कि शिविर में महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है और बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं अपनी प्रसवपूर्व जांच कराने आई हैं। इस पहल से महिलाओं का स्वास्थ्य सुधारने में मदद मिल रही है।

मैरवा की पांच खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्कूली हैंडबॉल चैंपियनशिप हेतु बिहार टीम में

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा। स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा तेलंगाना में 10 जनवरी से 14 जनवरी 2025 तक आयोजित 68वीं राष्ट्रीय स्कूली हैंडबॉल प्रतियोगिता हेतु गठित बिहार टीम में मैरवा प्रखंड स्थित रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी की 6 खिलाड़ियों का चयन बिहार टीम में किया गया है ।इस बात की जानकारी देते हुए रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी के संस्थापक सह मुख्य कोच संजय पाठक ने बताया कि इन खिलाड़ियों का चयन अक्टूबर 2024 में दरभंगा में आयोजित बिहार राज्य अंतर जिला स्कूली हैंडबॉल चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। विदित हो कि सिवान जिले की टीम ने इस प्रतियोगिता में चैंपियन ट्रॉफी पर कब्जा किया था ।चयनित सभी खिलाड़ी रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी की आवासीय प्रशिक्षु खिलाड़ी हैं। इन चयनित खिलाड़ियों में अंजली कुमारी उत्क्रमित उच्च विद्यालय विलासपुर,रूबी कुमारी, निशा कुमारी, ज्योति कुमारी, अंशु कुमारी और सिमरन कुमारी राजेंद्र कुष्ठ सेवा आश्रम बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मैरवा की छात्रा हैं ।इन सभी खिलाड़ियों के चयन पर हैंडबॉल एसोसिएशन आफ सिवान की महासचिव सलमा खातून, कोषाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, अध्यक्ष रवि शंकर पांडेय ,संरक्षक रविशंकर मिश्रा ,आई एम ए सिवान के अध्यक्ष डॉ शशि भूषण सिंहा ,सचिव डॉ शरद चौधरी, डॉ राम इकबाल प्रसाद गुप्ता, डॉ रामजी चौधरी ,डॉ संगीता चौधरी, डॉ रिता सिंहा ,डॉ अशोक कुमार, डॉ अनिल कुमार, डॉ आरती रानी पांडेय ,डॉ विनय पांडेय , डॉ सत्य प्रकाश,डॉ एम जे अकबर, डॉ राजन कल्याण सिंह, डॉ आर एन ओझा, आर एल बी एस ए फाउंडेशन के निदेशक राजीव लोचन मिश्रा सहित कई अन्य खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

मधुबनी माडल सदर अस्पताल में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व सुशील कुमार मोदी जी की जयंती सेवा सप्ताह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी माडल सदर अस्पताल में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व सुशील कुमार मोदी जी की जयंती सेवा सप्ताह पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत लगभग 200 सौ मरीजों के बीच फल (सेव केला ब्रेड पैकेट में) वितरण किया गया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य और मेयर अरुण कुमार राय ने कहा कि स्व सुशील मोदी हम सभी के प्रेरणा स्त्रोत है और उन्होंने संगठन को मजबूत करने में अपना भरपूर योगदान दिया है। जिला महामंत्री देवेंद्र कुमार यादव एवं प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि 5 जनवरी को पटना में आयोजित जंयती समारोह में भाजपा ने पूरे बिहार में सेवा पखवाड़ा सप्ताह कार्यक्रम मना रहीं हैं। संयोजक पवन साह और जिला मिडिया प्रभारी मनोज कुमार मुन्ना ने कहा भाजपा वृक्षारोपण फल वितरण सहित अन्य कार्यक्रम के साथ संगोष्ठी भी करेगी।

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 10 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :10 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

शादाब सरवर अपने बहन और मामी तथा दोस्तों के साथ पहुंचे हजरत बाबा मुराद शाह जी के दरबार,

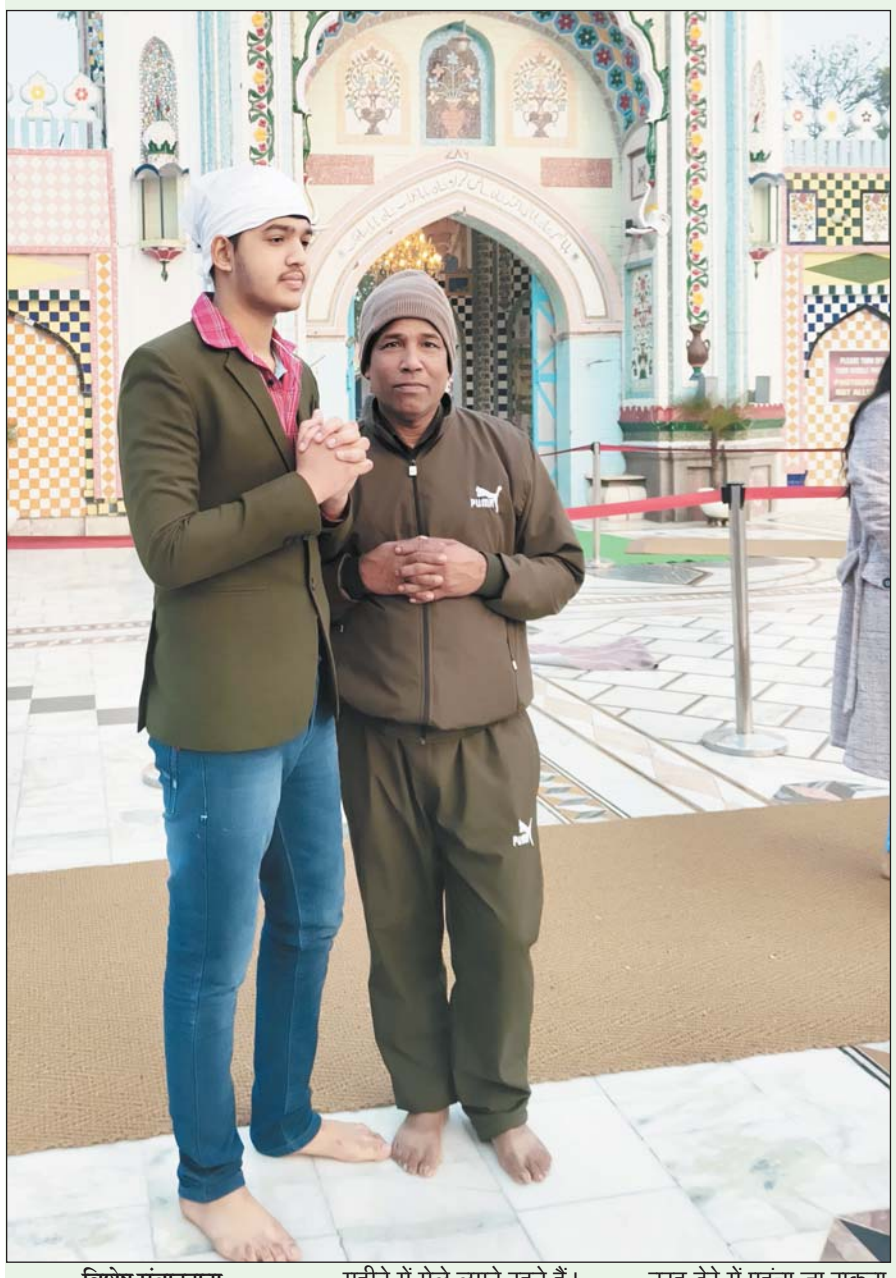

हजरत बाबा मुराद शाह जी की जीवनी , नकोदर पीर की कहानी,

हजरत बाबा शेर शाह जी हजरत बाबा मुराद शाह जी हजरत बाबा लाडी शाह जी,

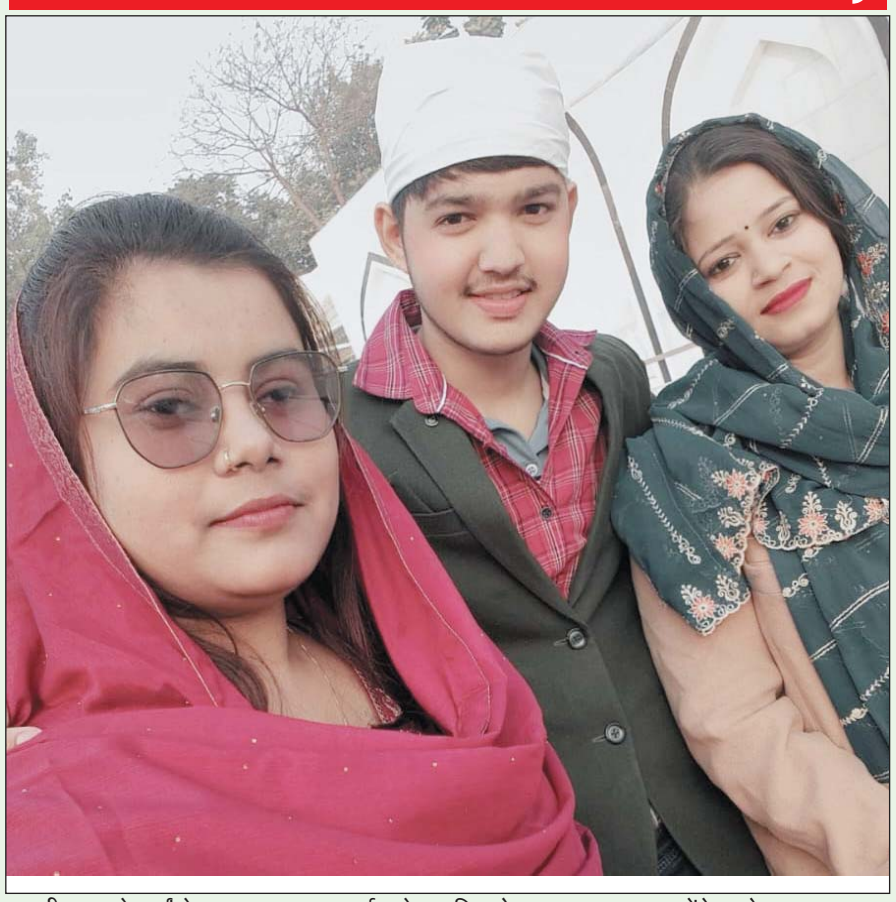

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- हजरत बाबा शेर शाह जीं हजरत बाबा मुराद शाह जीं हजरत बाबा लाडी शाह जी,
- डेरा हजरत बाबा मुराद शाह नकोदर
- नकोदर में डेरा बाबा मुराद शाह जी की दरगाह एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बन गया है। पंजाब के गायक गुरदास मान के इस डेरे के मौजूदा गद्दीनशीन साई हैं। इस डेरे की देखभाल करना और हर साल यहां मेला करवाना उनकी एक बड़ी जिम्मेदारी है। देश की आजादी से पहले से ही पंजाब में सूफी सम्प्रदाय का काफी जोर रहा है।
- लगभग हर पंजाबी गायक किसी न किसी दरगाह या पीर की मजार पर जुड़ा हुआ है। ये गायक यहां कव्वालियां या सेमी रिलीजियस सांग गाते रहते हैं। इस जगहों पर उनको अपने फन का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है और कुछ आय भी हो जाती है। लोग यहां पर हर वीरवार को जुड़ते हैं और यह दिन उनके लिए अपने फन का मुजाहिरा करने का अच्छा मौका होता है। आपको हर खेत व हर एक किलोमीटर के दायरे में पीर की मजार जरूर मिल जाएगी और वहां हर साल जेठ-हाड़ के महीने में मेले लगते रहते हैं। सूफी इस्लाम का नर्म रुख होने के कारण गैर मुसलमानों यानि कि ज्यादातर हिन्दुओं के लिए आर्कषण का केन्द्र रहा है। सूफी पीरों फकीरों के प्रति उनकी विशेष तौर पर श्रद्धा रही है। कई युवक- युवतियां व नए जोड़े यहां आपको सेवा करते नजर जाएंगे। हर साल बाबा मुराद शाह में लगने वाले मेले में लोगों की भीड़ को देखकर पता चल जाता है कि लोगों में कितनी श्रद्धा है। डेरे बाबा मुराद शाह में संगमरमर का सुंदर काम- दरगाह में कारिगरों के द्वारा किया गया संगमरमर का सुंदर का देखते ही बनता है। सफेद पत्थर पर की गई मीनाकारी लाजवाब है। इसमें बने सुंदर फूल इसकी शोभा को और भी बढ़ावा देते हैं। वातावरण में अगरबत्तियों व धूफ की सुंगध वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।
- कैसे पहुंचे डेरे में- यह डेरा अमृतसर से लगभग 105 किलोमीटर की दूरी पर है। अमृतसर से जालंधर को ट्रेन से फिर वहां से बस के द्वारा आसनी से डेरे में पहुंचा जा सकता है। जालंधर से यह दूरी महज 24 किलोमीटर है यहां लोग हर वीरवार को आते-जाते रहते हैं। लुधियाना से भी यगभग इसी तरह डेरे में पहुंचा जा सकता है। एक दम शांत इलाके में बना डेरा लोगों को मन की शांति देता है।
- नकोदर पीर की कहानी
- सूफी डेरा बाबा मुराद शाह एक सूफि याना दरबार है। यह दरबार नकोदर, जालंधर जिला, पंजाब, भारत में स्थित है। नकोदर में इस इस डेरे पर बाबा मुराद शाह बाबा शेरे शाह का चेला बन गए थे। उस समय यहां बहुत कम आबादी थी। मुराद शाह केवल 24 साल की उम्र में फकीर बन गए थे और पक्के तौर पर 28 वर्ष में पक्की तरह से फकीर बनकर अपने गुरु के साथ डेरे में ही रहने लग गए थे ।
- उस समय यह एक पिछड़ा हुआ क्षेत्र था और यहां आबादी भी बहुत कम थी। बाबा शेरे शाह एकांत में वास करते थे वे चाहते थे कि कोई यहां उनके पास आकर उनकी इबादत में खलल न डाले। वह अक्सर सूफी फकीर वारिस शाह द्वारा लिखी गई किताब ₹हीर₹ पढ़ते थे।
- साईं गुलाम शाह को प्यार से लाडी शाह के नाम से भी बुलाते हैं। कुछ समय बाद बाबा मुराद शाह जी ने इस दुनिया से कूच कर दिया। इसके बाद साईं लाडी शाह जी को गद्दी दे दी गई। लोगों की मदद से साईं ने इस दरबार की देखभाल काम करना जारी रखा और दरबार का निर्माण जारी रखा। यहां हर साल मेला लगाया जाता है। आसपास व देश-विदेश से लाखों लोग यहां हाजिरी भरने के लिए आते हैं।
- इसी दौरान पंजाब के मशहूर गायक यहां आए और लाडी शाह के भक्त बन गए।इसके बाद उनका यहां डेरे में आना-जाना बढ़ गया। लाडी शाह के दरबार में वह अपनी कला का प्रदर्शन करते थे। इस प्रकार यहां लोगों का भीड़ बढ़ती गई। गुरदास मान को उनका साथ इतना भाया कि वह सदा के लिए उनके चेले बन गए। लाडी शाह गुरदास मान जी से बहुत ही स्नेह करते थे।
- आज भी गुरदास मान जब भी अपने गुरु की बात सुनाते हैं तो वह भावुक हो जाते हैं। कई बार तो अपने गुरु की बात करते-करते उनकी आंखों में आंसु भी आ जाते हैं।
- साईं लाडी शाह जी के परलोग गमन के बाद गुरुदास मान अब साई लाडी शाह जी और बाबा मुराद शाह जी की याद में मेले का आयोजन करते हैं। सूफी वाद को इस्लाम का साफ्ट रुप माना जाता है। लाखों हिन्दू इस्लाम के इस साफ्ट साईड से प्रभावित होकर इस्लाम की ओर आकर्षित हुए हैं। ज्यादातर हिन्दू सूफीवाद से प्रभावित होकर अघोषित तौर पर इस्लाम को अपना चुके हैं।
- बाबा मुराद शाह की जीवनी (नकोदर पीर की कहानी)
- पाकिस्तान से एक सूफी फकीर शेरे शाह पंजाब के नकोदर शहर में आ गया। नकोदर में एक विरान जगह को उसे चुना और वहां रहने लग गया। वह एंकात में रहता और अपनी साधना में व्यस्त रहता। वह नहीं चाहता था कि कोई उसे परेशान करे। यहां रहकर विराने में बाबा शेरे शाह अपनी इबादत में व्यस्त रहता। धीरे-धीरे लोगों को इसके बारे में पता चलने लगा और वे यहां माथा टेकने आने लगे।
- दूसरी तरफ एक अच्छे घराने से ताल्लुक रखने वाला युवक विद्यासागर आद्यात्मिकता की खोज में था। उसे एक मुस्लिम युवती से प्यार हो गया।
- इस युवती ने इस युवक के आगे शर्त रखी कि वह मुसलमान हो जाए तो वह उसके साथ शादी कर सकती है। इसके बाद यह युवक घूमते-घूमते बाबा शेरे शाह के पास पहुंचा। शेरे शाह ने कहा कि वह मुसलमान बनना चाहता है इसलिए वह उसे मुसलमान बना देंगे। उसे वह अपना चेला बना लेंगे। इस प्रकार विद्यासागर ने अपना धर्मपरिवर्तन कर लिया और शेरे शाह के चेले बन गए। शेरे शाह ने उनका नाम मुराद शाह रख दिया। कुछ समय बाद मुराद शाह बाबा शेरे शाह के पास आकर ही रहने लगे। शेरे शाह उनकी हर बार परीक्षा लेते रहते और वह हर बार परीक्षा में पास हो जाते। इस प्रकार समय बीतता रहा। अब मुराद शाह की ख्याति जोर पकड़ने लगी। शेरे शाह ने बाबा मुराद शाह को अपनी गद्दी सौंप दी। अब बाबा मुराद शाह डेरे में पक्के तौर पर रहने लगे और लोगों का भला करने लगे। मुराद शाह को वारिश शाह की रचना हीर बहुत पसंद थी और वह हमेशा इसे पढ़ते रहते थे।
- एक बार की बात है कि एक औरत जिसके लड़के को फांसी होने वाली थी,जेल में रोटी देने जा रही थी। बाबा मुराद शाह ने उससे पूछा कि माता तेरा बेटा तो बरी हो गया है तू किसे रोटी देने जा रही है। औरत को उ?की बात पर भरोसा नहीं हुआ। लेकिन जब वह जेल पहुंची तो वहां उसका बेटा सचमुच बरी हो गया था। वहीं भगुपंडित को उन्होंने सफल होने का आशीर्वाद भी दिया तो वह दुनिया भर में फेमस हो गया। आज उनके भक्त दुनिया भर में मौजूद हैं। बाबा मुराद शाह जी ने 24 साल की उम्र में फकीरी शुरू की थी तथा 28 साल की उम्र में दुनिया से चले गए थे। इसके बाद लाडी शाह जी गद्दी में बैठे और अब गुरदास मान को यह दर्जा मिला है। वह आजकल दरगाह का कामकाज सम्भालते हैं और और हर साल यहां मेला भी करवाते हैं जहां लाखों लोग आते हैं और सेवा करते हैं।
- बाबा के मृत्यु के बारे में कोई पुष्ट जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसा कहा जाता है कि उनकी मत्यु हार्ट अटैक से हुई। लेकिन वहीं कोई कहता कि उनकी मृत्यु गम्भीर रहस्यमयी बीमारी से हुई है। उनके भक्त यह भी कहते हैं कि लाडी शाह ने अपनी मृत्यु के बारे में पहले ही बता दिया था और उसी दिन वे दुनिया को अलविदा कह गए। लाडी शाह जी चेन स्मोकर थे इसलिए इससे उनके फैफड़ों व जिगर पर काफी कुप्रभाव पड़ा था। यह भी कारण हो सकता है कि उनकी मत्यु हुई हो। भक्त यह भी कहते हैं कि बाबा जी के शरीर पर बाबा लाडी शाह नकोदर घाव का निशान था जिसकारण उनकी मृत्यु हुई। आज भी लाडी शाह की मृत्यु एक रहस्य का कारण बनी हुई है किसी को भी नहीं पता कि उनकी मृत्यु का वास्तिवक कारण क्या था
- कैसे पहुंचे डेरे में-
- आप रेलगाड़ी द्वारा जालंधर रेलवे स्टेशन पर पहुंच जाएं। यहां से आटो 10 या 15 रुपए में बस स्टैंड तक जाते हैं। आप आटो लें और बस स्टैंड पहुंच जाएं । वहां से आप नकोदर के लिए बस ले सकते हैं। जालंधर से नकोदर की दूरी 14 किलोमीटर है। नकोदर पहुंच कर आप बाबा मुराद शाह के लिए आटो या रिक्शा ले सकते हैं। यदि आप सीधा बस से आ रहे हैं तो आप सीधी बस नकोदर वाली ले सकते हैं। या जालंधर बस अड्डे से नकोदर की अगली बस ले सकते हैं। बाहर से आने वाले लोगों के लिए डेरे में चाय पानी व भोजन आदि की भी सुविधा होती है। वीरवार को डेरे में बहुत रश होता है।

समाज के हित तथा सेवा कार्यों के लिए माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन को मिला सम्मान

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर सच्चा कार्य वहीं हैं, जो समाज के हित को सर्वोपरि बना सके।इसलिए कहा जाता हैं कि समाज सेवा का मतलब तलवार की धार पर चलने का कार्य और यह कायरों का काम नहीं। जिंदगी में संघर्ष जरूरी हैं।इसी कड़ी में बिहार के पटना में माँ लीलावती फाउंडेशन के ओर से टीम रक्तदान महाकुम्भ के संयोजन में रक्तदान महाकुम्भ-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर के समाजसेवी एवं सामाजिक एवं रक्तदान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में रहे संस्थाओं को सम्मान से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर मधुबनी जिले के जयनगर की अग्रणी सामाजिक संस्थान माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन को उनके अतिविशिष्ट सेवा एवं उत्कृष्ट कार्य हेतु सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।बता दें कि पिछले लगभग पाँच वर्षों से जयनगर रेलवे स्टेशन परिसर एवं इसके सामने पुराना नगर पंचायत परिसर में शाम को सात बजे लंगर लगा कर रोज लगभग एक से दो सौ लोगों को भर पेट पौष्टिक भोजन संस्था के सदस्यों के द्वारा श्रमदान कर करवाया जाता है। वहीं, माँ अन्नपूर्णा रक्त रक्षक के द्वारा अभी तक दो दर्जन से ज्यादा रक्तदान शिविर लगाया जा चूका है,

जिस माध्यम से लगभग 800यूनिट रक्त का संग्रहण किया जा चूका है। इस कारण से अभी तक 700 से अधिक मरीजों की जान रक्त की आपूर्ति कर की जा चुकी है।वहीं, माँ अन्नपूर्णा महिला मंच के तत्वाधान में लगभग 600 महिलाओं एवं लड़कियों को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उनको जीवन में जीवनयापन हेतु आत्मनिर्भर बनाने का सफल प्रयास किया जा चूका है। और ये सब अब भी अनवरत जारी है, जिसके सूत्रधार समाजसेवी भाई अमित कुमार राउत है।इसके अलावा इनके मुख्य संस्था माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति के द्वारा विभिन्न समयों पर कई सामाजिक कार्य करती रहती है। बाढ़ के समय राहत कार्य कर लोगों के बीच राहत सामग्रियों का वितरण, तो ठंड में गर्म कपड़े, शॉल, कम्बल का वितरण, तो कभी निःशुल्क मेडिकल कैम्प लगा कर निःशुल्क परामर्श के साथ दवा वितरण, तो निःशुल्क बीपी एवं ब्लड सुगर जांच शिविर, तो कभी चिन्हित कर नगद मदद करना तो कभी अन्यान्य इन्हीं विशेष सेवाओं के कारण इनके टीम को सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।इस मौके पर संस्था के मनीष गुप्ता, अजय सिंह, सुजीत सिंह, दीपक साहनी एवं अन्य मौजूद रहे।इनको मिथिला परंपरा अनुसार पाग और दोपट्टा से सम्मानित किया गया, साथ ही इसके अलावा मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर संस्था के मुख्य संयोजक अमित कुमार राउत ने कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. राकेश रंजन का आभार जताया ओर कहा कि ऐसे सम्मान ने उनका मनोबल बढ़ता है।इसलिए जो लोग समाज सेवा में अपना मूल्यवान समय दे रहें हैं, उन लोगों को तन,मन और धन से सहयोग देकर समाज के अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाएं।

पत्रकार महासंघ द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन समारोह-सह-मकर संक्रांति पर्व मनाया गया, पत्रकारों के टीम द्वारा कुम्भ यात्रा की योजना बनी..

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी; जिला के जयनगर में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के मधुबनी जिला इकाई द्वारा संगठन के नए प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद यादव का अभिनंदन किया गया। अभिनंदन समारोह का आयोजन जयनगर के इन्टर महिला कॉलेज के सभागार में हुआ जहाँ माला पहनाकर जिला अध्यक्ष नारायण यादव ने प्रदेश अध्यक्ष को बधाई दी। सभी सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते हुए 2025 में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा। संगठन के रजत जयंती वर्ष पर राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारियों को बुलाने पर सहमति बनी। जिला कोषाध्यक्ष संजय कुमार पंडित ने पिछले वर्ष 2024 में आयोजित कार्यक्रमों का लेखा-जोखा रखते हुए आगामी योजनाओं का प्रस्ताव रखा। जिला महासचिव मनीष सिंह यादव ने बैठक में हुए निर्णयों पर सहमति जताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद यादव और संचालन सुरेश कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साहित्यकार नारायण यादव ने पत्रकारों पर हो रहे हमले और चौथे स्तम्भ की सुरक्षा पर बल दिये। सचिन कुमार कसेरा ने गीत के अंदाज में पत्रकारों की स्थिति को बताया। राहुल शर्मा ने संगठन की आवश्यकता पर बल दिये। पिंकी झा ने दुष्ट प्रवृत्ति के तत्वों की आलोचना की। गोविंद जोशी ने नकारात्मक लोगों के हतोत्साहन से दूर रहने की सलाह दी।

भारतीय मानक ब्यूरो के 78वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज पटना में गुणवत्ता सम्मेलन का किया गया आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

पटना:- भारतीय मानक ब्?यूरो, पटना शाखा कार्यालय, पटना द्वारा गुरुवार(-09/01/2025) को पटना में भारतीय मानक ब्?यूरो के 78वें स्?थापना दिवस के अवसर पर गुणवत्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्?य अतिथि के रूप में शामिल हुए विजय कुमार सिन्?हा, उप-मुख्यमंत्री, बिहार ने सभी आगंतुकों को संबोधित किया। उन्?होंने सभी उद्योगपतियों से आह्वान किया कि अपने उत्?पादों को विश्व स्तर का बनाने के लिए एवं उपभोक्ताओं को मानक के अनुसार उत्?पाद उपलब्?ध कराने के लिए प्रयास करें। उन्होंने आम जन के जागरूकता हेतू मानकों के प्रचार प्रसार के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग में लाने का सुझाव दिया। उनके द्वारा पांच संकल्?प, पांच सामाजिक वरदान एवं पांच सामाजिक सम्?मान के लिए सभी उपस्थित आगंतुकों को संकल्पित कराया गया। इसके साथ ही मुख्?य अतिथि द्वारा मानकों के माध्?यम से विज्ञान सीखने के दृष्टिकोण से तैयार पुस्तक का विमोचन भी किया गया।अतिथियों का स्?वागत करते हुए सुमन कुमार गुप्?ता, प्रमुख, भारतीय मानक ब्?यूरो, पटना शाखा कार्यालय ने कहा कि मानक उत्?पाद की गुणवत्?ता का आधार है जो उपभोक्ताओं में यह विश्वास दिलाता है कि हमारे द्वारा उपभोग की जाने वाली उत्?पाद एवं सेवा? उपयुक्?त गुणवत्ता की हैं।व्?यापार एवं उद्योग लगाने एवं उत्तम गुणवत्ता की उत्पाद के प्रदर्शन और मानव जीवन में गुणवत्ता संबंधी समस्?याओं के समाधान की दिशा में मानक सतत हमारे जीवन में हमारी तमाम अपेक्षाओं को पूरा करता है।

लोजपा (रा) सांसद अरुण भारती बने क्षेत्रीय प्रत्यक्ष कर सलाहकार समिति के सदस्य

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 9/1/2025लोजपा (रा) जमुई सांसद सह मुख्य सचेतक लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) श्री अरुण भारती जी को संसदीय- कार्य मंत्रालय ने क्षेत्रीय प्रत्यक्ष कर सलाहकार समिति के सदस्य नामित किया।संसदीय- कार्य मंत्रालय के सचिव अनिल कुमार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। इस समिति के सदस्य बनाए जाने पर माननीय सांसद अरुण भारती जी अब बिहार के करदाताओं को हो रही परेशानी और उनकी सुविधाओं के बारे में ना सिर्फ वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग से जानकारी ले सकेंगे बल्कि उसे निर्देशित भी करेंगे।इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

जन शिकायत को लेकर अंचल कार्यालय में उमड़ी भीड़

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जगह के लोगों ने जन शिकायत मामले को लेकर अंचल कार्यालय में गुरुवार को पहुंचे वही सबसे अधिक मामले भारतमाला के तहत किया जा रहे सिक्स लेन के निर्माण में रैयतों कि जमीन चली गई, परंतु उन्हें अबतक मुआवजा नहीं मिल पाया है। जिसके कारण रैयत को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही कल्याणपुर के चंदन कुमार, रामपुरा गांव के मनोज कुमार, रामभद्रपुर के सुरेश कुमार आदि विभिन्न जगहों के कई लोग अपनी समस्या को लेकर अंचल कार्यालय पहुंचे। जन समस्या को लेकर काफी लोग पहुंच गये। वही अंचल अधिकारी शशि रंजन ने बताया कि लोगों के द्वारा दिए गये शिकायती आवेदन के जांच के उपरांत आगे की कार्रवाई कि जा रही है।

रीगा प्रखंड के रेवासी में सीतामढ़ी शिवहर में नई रेल लाइन के पथ रेखांकन का डीएम रिची पाण्डेय ने किया निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी । डीएम रिची पाण्डेय के द्वारा रीगा प्रखंड के रेवासी में सीतामढ़ी शिवहर नई रेल लाइन के पथ रेखांकन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला भू अर्जन पदाधिकारी विकास कुमार द्वारा बताया गया कि सीतामढ़ी शिवहर नई रेल लाइन कुल 13 ग्रामों में 209 एकड़ भूमि अर्जित की जा रही है। इस हेतु लगभग 50 करोड़ रुपए का मुआवजा वितरण कर दिया गया है। जिला भुअर्जन कार्यालय से किसानों को नोटिस भेजने का कार्य शुरू है। इस रेल लाइन में ग्राम रेवासी एवं ग्राम परशुरामपुर में रेलवे स्टेशन का निर्माण होना है। सीतामढ़ी शिवहर नई रेल लाइन की लंबाई कुल 17 किलोमीटर है जिसे 2027 तक कार्य पूर्ण करने का निर्देश है। जिसे लेकर जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया की रेलवे लाइन के मुआवजा वितरण में तेजी लाएं।साथ ही अंचल अधिकारी रीगा एवं परसौनी को भू स्वामित्व प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु निर्देशित किया गया। नए रेलवे लाइन निर्माण के बाद रेलवे से यातायात के अलावे रोजगार व व्यापार के अवसर भी बढ़ जाएंगे। काफी संख्या में विभिन्न जगहों से ट्रेनें सीतामढ़ी होकर गुजरेगी। माल गाड़ी की भी संख्या बढ़ जाएगी। ट्रांसपोर्टेशन चार्ज भी सड़क मार्ग से कम रेल मार्ग का होता है। ऐसे में यहां के व्यापारियों को बाहर से माल मांगाना और अधिक असान हो जाएगा। जिससे व्यापार को अत्यधिक बढ़ावा मिलेगा। साथ ही पर्यटन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति होगी।जिले में व्यापार बढ़ेंगे और रोजगार का भी अवसर काफी बढ़ जाएगा।उक्त निरीक्षण में जिला भू अर्जन पदाधिकारी विकास कुमार अपर समाहर्ता आपदा जिला बृज किशोर पाण्डे, जिला जन संपर्क पदाधिकारी कमल सिंह उपस्थित थे।

एनडीए में किसी प्रकार का टूट हो या किसी तरीके से एनडीए का कोई भी घटक दल टूट कर विपक्षी गठबंधन के तरफ जाए यह नहीं होने वाला है:चिराग पासवान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी ने पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जो लोग ये प्रयास कर रहे हैं और जो भी यह सपना देख रहे हैं कि एनडीए में किसी प्रकार का टूट हो या किसी तरीके से एनडीए का कोई भी घटक दल टूट कर विपक्षी गठबंधन के तरफ जाए यह नहीं होने वाला है। एक बात तय है आगामी बिहार विधानसभा चुनाव एनडीए के पांचो घटक दल एक साथ पूरी मजबूती से ना सिर्फ हम लोग चुनाव लड़ेंगे, बल्कि एनडीए का एक मजबूत सरकार बिहार विधानसभा चुनाव के बाद बनने जा रही है। 225 से भी ज्यादा सीटें जीतकर हम लोग बिहार में सरकार बनाएंगे।
आगे श्री चिराग ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल बीपीएससी छात्रों पर हुए लाठी चार्ज को लेकर कहा कि मैं लाठी चार्ज का कतई पक्षधर नहीं हूं। छात्रों की बातों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए, उनकी हर उचित मांग को पूरा किया जाना चाहिए। उन पर लाठी चलाना कहीं से भी उचित नहीं है। हमेशा बातचीत का दरवाजा खुला रहना चाहिए, इस बात का मैं भी पक्षधर हूं। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

सामाजिक व धार्मिक व्यक्तित्व के धनी अर्जुन बाबू का निधन, शोक की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने वाले प्रखंड अंतर्गत मऊ धनेशपुर दक्षिण पंचायत निवासी समाजसेवी 74 वर्षीय अर्जुन प्रसाद सिंह का निधन बुधवार की देर शाम हृदयाघात से हो गया। श्री सिंह फिलवक्त पुरानी दुर्गा पूजा समिति मऊ के सचिव पद को सुशोभित कर रहे थे। सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में जीवन पर्यन्त तत्पर रहने वाले अर्जुन बाबू की पहचान क्षेत्र में एक समृद्ध किसान के रूप में भी थी। पुरानी दुर्गा मंदिर मऊ के सम्यक विकास और नव निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। वें अपने पिछे दो पुत्र बच्चा सिंह व अभिमन्यु कुमार सिंह, दो पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। श्री सिंह के निधन की खबर सुनते ही उनके पैतृक आवास पर सैकड़ों की संख्या में सामाजिक, राजनीतिक व धर्म परायण लोगों की भीड़ उनके पार्थिव शरीर का दर्शन करने के लिए उमड़ पड़ी। मौके पर जदयू प्रदेश सचिव धीरेन्द्र कुमार सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह टुनटुन, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित जायसवाल, सहित पैक्स अध्यक्ष प्रकाश कुमार सिंह पिंटू, सरपंच चतुर्भुज प्रसाद सिंह, पूर्व सरपंच रामदयाल झा, अनिल कुमार सिंह, पूर्व मुखिया अरुण कुमार झा, मऊ धनेशपुर उत्तर पैक्स अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, विमल प्रसाद सिंह, गोविंद कुमार मिश्र, पत्रकार पदमाकर सिंह लाला, सुरेंद्र कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, कुंदन सिंह, अमरनाथ सिंह मुन्ना, मुरारी सिंह, नवीन सिंह, सुबोध सिंह, रामाधार झा, राजकुमार पाण्डेय, छोटे भाई राजस्व कर्मी अवधेश कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, भतीजा मऊ धनेशपुर दक्षिण पैक्स अध्यक्ष रामबिहारी सिंह पप्पू आदि लोगों ने उन्हें विराट व्यक्तित्व का धनी पुरूष बताते हुए उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर अंतिम दर्शन किया। वहीं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पवित्र गंगा नदी के सिमरिया घाट पर पंचतत्व में विलीन हुए श्री सिंह को ज्येष्ठ पुत्र बच्चा सिंह ने मुखाग्नि दी।

आगामी 13 जनवरी को मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर अधिकारियों का दौड़ा

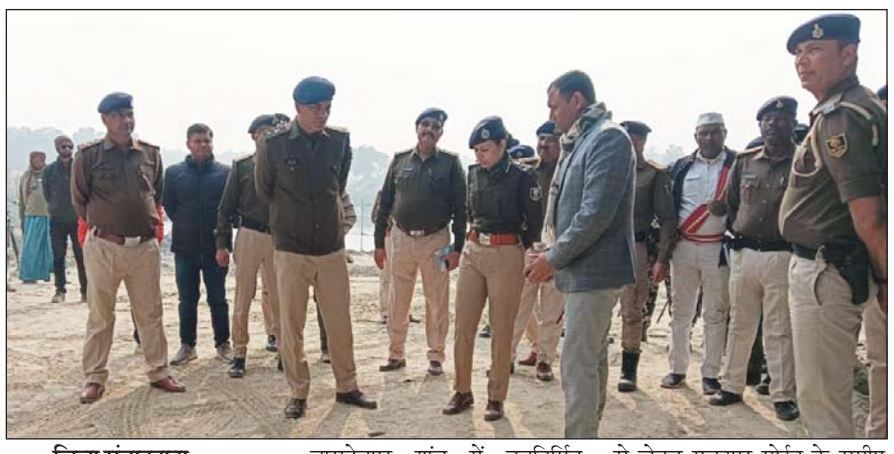

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के वासुदेवपुर व मुक्तापुर मोईन का गुरुवार को जायजा लेने पहुंचे मिथिला प्रक्षेत्र के डीआईजी डाक्टर स्वप्ना गौतम मेश्राम व पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा ने जिला के वरीय पुलिस पदाधिकारी के साथ पहुंचकर वासुदेवपुर गांव में नवनिर्मित सिक्सलेन पर बन रहे हैलिपैड का निरीक्षण किया जहां अगामी 13 जनवरी को मुख्यमंत्री नितीश कुमार के आगमन को लेकर सड़क सुरक्षा के लेकर विशेष रूप से विधि - व्यवस्था को लेकर मौके पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार से जानकारी लेते हुए चुस्त दुरुस्त व्यवस्था को लेकर विशेष रूप से हैलीपेड के समीप से लेकर मुक्तापुर मोईन के समीप बेरीकेटिंग करने व यातायात व्यवस्था के लेकर विशेष जानकारी लेते हुए पदाधिकारी को कई निर्देश दिए। वही मौके पर उपस्थित डीएसपी टू विजय महतो, ट्रैफिक डीएसपी कुमार आशीष राज, लाइन डीएसपी सुनील कुमार सिंह थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, अपर थानाध्यक्ष दीपक झा सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

स्थानीय निकाय के शिक्षकों को स्नातक ग्रेड में प्रोन्नति दिलाने को लेकर संघ प्रतिबद्ध : शशि रंजन सुमन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी: प्रारम्भिक शिक्षक कल्याण संघ की ओर से गुरूवार को मध्य विद्यालय बनगॉव बाजार में एक बैठक आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष शत्रुघन कुमार सिंह ने की।बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष शशि रंजन सुमन ने कहा की स्थानीय निकाय के अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों को स्नातक ग्रेड में प्रोन्नति दिलाने को लेकर संघ प्रतिबद्ध है। उपस्थित सभी शिक्षकों से इसके लिए संघर्ष हेतु तैयार रहने की अपील की। उन्होंने कहा की की बिहार पंचायत प्रांरम्भिक विद्यालय सेवा (नियुक्ति, प्रोन्नति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवा शर्त)नियमावली 2020 के तहत स्नातक योग्यताधारी स्थानीय निकाय के शिक्षकों को जिनकी सेवा प्रशिक्षित शिक्षक के रूप में आठ वर्ष पूरी हो चुकी है उन्हें स्नातक ग्रेड में तथा वैसे शिक्षक जिनकी 12 वर्षो की सेवा संतोषजनक हो चुकी है उन्हें अपने ही ग्रेड में प्रोन्नति देनी है। ऐसे में पिछले 18वर्षो से सेवा दे रहे शिक्षकों को सरकार प्रोन्नति से वंचित कर घोर अन्याय कर रही है। बैठक को एजाज अहमद, मो तनवीर अहमद, जय प्रकाश कुमार, अबुल हयात, उदय राय,मो जमशेद आलम,अनिल कुमार शर्मा,मो नूर आलम, मो अब्दुल्लाह, राज कुमार, अवधेश कुमार, सुजीत कुमार सिंह, अब्दुल खालिक,जीतेन्द्र कुमार सिंह, विपिन छत्रधारी, पंकज कुमार, नरेंद्र कुमार पंडित, उमेश बैठा, विकास अंशु, विकास राजीव कुमार, मुकेश कुमार रेखा कुमारी, सुनीता कुमारी, सुलेखा कुमारी,कुमारी लक्ष्मी, माधुरी कुमारी,रंजना कुमारी, कौशल कुमारी सहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी एवं 1- 8 वर्ग तक सभी सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूल 14 जनवरी तक बंद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने भीषण ठंड को देखते हुए जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में वर्ग 1 से 8 वीं तक की कक्षाओं को अगले 14 जनवरी (मंगलवार) तक बंद करने का आदेशदिया। पूर्व में 09 जनवरी तक बंद था जिसे बढ़ाकर 14 जनवरी कर दिया गया है। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र भी बंद रखने का निर्देश दिया गया है । बताया जाता है कि इधर करीब एक सप्ताह से ठंड का प्रकोप बढ़ा हुआ है, अत्यधिक ठंड एवं कनकनी के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों के सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण डीएम ने स्कूल बंद करने का आदेश जारी किया है। ज्ञात हो कि सरकारी स्कूल वाले डीएम के आदेश का पालन करते हैं परंतु गैर सरकारी स्कूल वाले डीएम के आदेश का उल्लंघन करते नजर आ रहे हैं। कोचिंग संस्थान वाले को कोई भय नहीं।

बनियापुर विधायक जाएंगे जदयू में, ज़िले में प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बनियापुर से राजद के विधायक केदारनाथ सिंह जदयू में शामिल होंगे उन्होंने उक्त बातों की जानकारी प्रेस के सवालों के जबाब में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वे महाराजगंज लोकसभा से पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के छोटे भाई हैं। जहां उनके बड़े भाई रहेंगे वे उनके साथ ही हैं कभी भी वे परिवार से अलग नहीं रह सकते। आपकों बता दें कि बीते महीनों पहले ही पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के पुत्र छपरा के पूर्व विधायक रणधीर सिंह दल बल के साथ पटना में जदयू कार्यालय परिसर में जदयू की सदस्यता ग्रहण किए थें। वहीं केदारनाथ सिंह बनियापुर से राजद के विधायक हैं। विधायक केदारनाथ सिंह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सारण को बहुत कुछ दिया है वे भी हमेशा विकास के साथ हैं। उन्होंने कहा कि जहां उनका परिवार रहेगा वे उसी जदयू पार्टी में रहेंगे।

मदरसा गुलशन-ए-मदीना में गरीब बच्चों के बीच गर्म कपड़े वितरण किया गया

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: मदरसा गुलशन-ए-मदीना, नूरी मोहल्ला, भनभीड़वा टोला, वार्ड नंबर 13 में ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के बैनर तले एक सामाजिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर युवा समाजसेवी मो. निराले साफी ने मदरसे के बच्चों के बीच ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों का वितरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज बिहार के महासचिव मो. शमशाद अंसारी ने की। उन्होंने इस कार्य को समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया और सभी से गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।इस नेक कार्य में डॉ. सरफराज अहमद, शमीम अशरफ अंसारी, शब्बीर अहमद, शफीक मंसूरी, मो. फरमान, मो. मुस्लिम मंसूरी, और मो. असल नदफ ने भी अपना सहयोग दिया।यह पहल न केवल समाज में भाईचारे और मानवता को बढ़ावा देती है, बल्कि जरूरतमंद बच्चों की मदद कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी देती है।

सशस्त्र सीमा बल 48वीं वाहिनी द्वारा वाहिनी मुख्यालय में संदिक्षा परिवार मेला का आयोजन किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

सशस्त्र सीमा बल 48वीं वाहिनी द्वारा वाहिनी मुख्यालय में संदिक्षा परिवार मेला का आयोजन किया गया। 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर द्वारा गोविंद सिंह भंडारी, कमांडेंट 48वीं वाहिनी के निदेर्शानुसार वाहिनी मुख्यालय जयनगर में संदिक्षा परिवार मेला का उद्घाटन जानकी बेलवाल (संदीक्षा उपाध्यक्ष)एवं शिल्पी ओझा (संदीक्षा सचिव) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।संदिक्षा परिवार के इस मेले का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजना और सभी को एक साथ जोड़ने का अवसर प्रदान करना है । यह मेला न केवल बच्चों और युवाओं के लिए एक आनंद का स्रोत रहा, बल्कि सैन्य परिवारों को भी एक साथ समय बिताने और अपनी परंपराओं को समझने का माध्यम रहा ।

एमएसपी की कानूनी गारंटी किसानों को दे केन्द्र सरकार : महावीर पोद्दार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। अखिल भारतीय किसान महासभा समस्तीपुर जिला कमिटी के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक भाकपा माले जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष महावीर पोद्दार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।
बैठक में किसानों के सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी करने, किसानों का कर्ज माफ करने, स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने, सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने, कृषि मंडियों की पुनर्बहाली करने, सर्वे में व्याप्त धांधली पर रोक लगाने, खाद्य सुरक्षा की गारंटी, बाढ़ सुखाड़ का स्थाई निदान करने सहित अन्य मांगों को लेकर राज्य व्यापी आन्दोलन के तहत 17 जनवरी 2024 को समस्तीपुर जिला समाहर्ता के समक्ष विराट महाजुटान धरना देने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला सचिव ललन कुमार, सुनील कुमार राय, सैयदुल जफर अंसारी, विरेन्द्र सिंह, मो अलाउद्दीन आदि मौजूद थे।

हम विधानसभा में साथ बैठते हैं, एक जैसा सोचें

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने दी श्रद्धांजलि, बेटे और भाई ने मिलकर दी मुखाग्नि

योगी यूपी-उत्तराखंड की 56 महिला विधायकों से बोले, जो नहीं सुधरता उसे नेचर सुधारता है

लखनऊ। 'यूपी विधानसभा पिछले 3 सालों में नए-नए प्रयोग के बारे में जानी जा रही है। हमारी ई-विधानसभा पेपरलेस है। ई-प्रणाली लागू करने में हम देश में नंबर वन हैं। हम विधानसभा में एक साथ बैठते हैं। तब हम समाज के बारे में सोचते हैं। जो सुधरता नहीं, उसे प्रकृति सुधार देती है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुधार की ओर है। लोकतंत्र में हमने कभी अपनी बात को दूसरों पर नहीं थोपा।' यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कानपुर में कही। योगी यहां कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के कार्यक्रम में यूपी-उत्तराखंड की 56 महिला विधायकों संबोधित कर रहे थे। योगी ने महिलाओं से कहा- आज हम 1 करोड़ 91 लाख बच्चों को जूते-मोजे और पूरी ड्रेस दे रहे हैं। एक जनप्रतिनिधि के रूप में शिक्षकों से बात कर सकते हैं। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत अच्छे स्कूल बनाए गए। जनसहभागिता से ये काम किया गया। स्वावलंबी गांव की तरफ हम बढ़ रहे हैं। महिला विधायकों ने कहा- इस कार्यक्रम से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। डिसीजन लेने की क्षमता में और अधिक विस्तार होगा। कार्यक्रम में झांसी से पहुंची रमा आरती निरंजन ने कहा- पहले हम लोग घूंघट में रहते थे, किसी भी सरकार ने ध्यान नहीं दिया। अब सब कॉमन हुआ है। सदन में बोलने का मौका दिया गया। उस दिन लगा कि हम सशक्त हो रहे हैं। कार्यक्रम में यूपी की 48 और उत्तराखंड की 8 महिला विधायक शामिल हुईं। समापन सत्र में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि राजनीति का पहला नियम जो सीखा है कि उनकी काबिलियत के आधार पर परिचय दूं। सामाजिक चुनौतियों पर महिला विधायकों को अध्ययन करना जरूरी है। स्मृति ईरानी ने कहा कि महिला विधायकों ने यूपी सदन में 1832 सवाल पूछे हैं। जबकि 726 सूचनाएं मांगी हैं। क्या महिला जनप्रतिनिधि इसलिए जानी जाती कि वो झगड़ा अच्छा करती हैं या वो इसलिए जानी जाएं कि जब वो किसी मुद्दे पर सदन में बोले कि हर कोई सुनकर जाए। मैं आज कानपुर मेयर प्रमिला पांडे को शाटगन पांडेय कहती हूं। समाज में मर्यादित होकर समाज में स्थान पाना बड़ी बात होती है। महिला जनप्रतिनिधि से निवेदन है कि वो हमेशा महिलाओं का सम्मान बनाए रखें। मैंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को हराया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पहुंच गईं हैं। शाम 5 बजे कार्यक्रम समाप्त होगा। कार्यक्रम में यूपी की 48 महिला विधायक और उत्तराखंड की आठ महिला विधायक शामिल हैं। पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर बेबी रानी मौर्य ने कहा- प्राचीन काल से ही महिलाएं समाज और देश का नेतृत्व कर रही हैं। इस कार्यक्रम से महिलाओं में

आत्मविश्वास का और अधिक विकास होगा। उनकी क्षमता बढ़ेगी। डिसीजन मेकिंग और पालिसी मेकिंग में हमारा कितना योगदान रहेगा, यह जानना जरूरी है। झांसी से आई रमा आरती निरंजन ने कहा- महिला को सशक्त करने का काम इस कार्यक्रम के जरिये किया गया। जिस दिन से सदन में बोलने का मौका दिया गया है। उस दिन से लगा कि अहम सशक्त हो रही हैं। गांव में महिलाएं प्रधान बनकर समाज को नई दिशा दे रही हैं। महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। चुनावी में मंडल अध्यक्ष में बराबरी मिली। अभी तक सरकारों ने ध्यान नहीं दिया। हम लोग घूंघट में रहते थे, अब कामन हुआ रहा है। अपना 100 फीसदी दिया है। सीएम योगी ने कहा- आप सब यहां एकत्र हुए हैं। दुनिया अंदर जो लोग अपने आपको प्रगतिशील कहते हैं उन देशो में महिला सदस्यों की सदस्यता काम है, यूपी में 15 और उत्तराखंड में 10 फीसदी है। महिलाओं को पहली बार जमीन में अधिकार दिया। गांव में ग्रामीणों के पास जमीन का प्रमाण नहीं होता था, अब घरौंनी के माध्यम से प्रमाण पत्र दिया जाता है। महिला के नाम पर जमीन का अधिकार होता ही है। रसोई गैस का कनेक्शन दिया। हर घर में शौचालय बनवाया। आयुष्मान कार्ड दिया, नारी शक्ति अधिनियम बिल पारित हुआ। एक तिहाई विधानसभा सभा में नेतृत्व 2029 तक होने जा रहा है। महिला ग्राम प्रधान, ब्लॉक में भी प्रतिनिधि बढ़ा। विधायिका में तब बढ़ेगा जब वह स्वयं निर्णय लेकर आगे आएंगी। स्पेस साइंस में आगे बढ़ रही है। इससे पहले मंच पर उत्तराखंड की महिला विधायकों ने मुख्यमंत्री को मोमेंटो सौंपा। शाहजहांपुर की तिलहर विस से विधायक सलोना कुशवाहा ने कहा-हम लोगों की दूसरी ऐसी बैठक है। साल 2022 में भी कार्यक्रम हुआ था। ऐसा किसी भी देश में कभी नहीं हुआ कि एक मंच पर महिलाओं को बुलाया गया हो और उन्हें अपनी बात रखने का मौका मिला हो। इसमें उप्र और उत्तराखंड की लोग शामिल हुए हैं। इससे महिलाओं में अच्छा संदेश जाएगा। बेटियों को उत्साह मिलेगा। कानपुर से कल्याणपुर क्षेत्र की विधायक नीलिमा कटियार ने कहा, इस कार्यक्रम के कई दूरदर्शी मायने हैं। इससे महिलाओं की गुणवत्ता और दृष्टिकोण में सुधार होगा। विधायी परंपरा के तहत कैसे सुधार हो, यहां आई हुई महिलाओं ने समझा। उन लोगों में विचार विनिमय हो रहा है, जोकि उपयोगी होगा। अपना दल विधायक सरोज कुरील ने कहा-ये हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। महिला और पुरुष एक साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रहे हैं।हमारा देश आगे बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम से महिलाओं में आत्मविश्वस बढ़ेगा। उनकी प्रतिनिधत्व की क्षमता का विकास होगा। पहले उत्तर प्रदेश उत्तराखंड एक था। पहले देश कि संविधान सभाई में 15 महिला सदस्य थीं। जिसमे 4 यूपी की थीं। कार्यकाल तब महत्त्व होगा, जब आप मिले समय में क्या किया अपने प्रतिनिधित्व दे रहे गईं। उत्तराखंड में जन्मभूमि रही, हमने उत्तर प्रदेश में काम किया। सीएम ने आगे कहा कि एक गांव आज 5 से 7 लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रहा है। स्वावलंबी गांव की तरफ हम बढ़ रहे हैं। विधायक रहते हुए आप समाज के लिए क्या कर रहे हैं, इससे ज्यादा याद किए जाएंगे। एक विधायक 5 से 6 लाख आबादी का नेतृत्व कर रहा है। ये सौभाग्य लाखों में किसी एक को मिलता है। कहा-मैं उत्तर प्रदेश में काम कर रहा हूं और उत्तराखंड मेरी जन्मभूमि रही है। योगी ने कहा- विधानसभा चुनाव के दौरान एक स्कूल बच्ची जा रही थी। मैंने बच्ची से बात की। मैंने उससे पूछा कि जूते क्यों नहीं पहने। बच्ची ने बताया कि भाई और मैं प्राइवेट स्कूल में पढ़ती हूं। उसी दिन बेसिक शिक्षा विभाग के साथ बैठक बुलाई। आज हम 1 करोड़ 91 लाख बच्चों को जूते मोजे और पूरी ड्रेस दे रहे हैं। एक जनप्रतिनिधि के रूप में शिक्षकों से बात कर सकते हैं। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत स्कूल अच्छे बनाए गए। जनसहभागिता से ये काम किया गया। सीएम योगी ने कहा-जो अपने को प्रगतिशील देश कहते हैं वहां 10 फीसदी है। लेकिन यूपी में 14 फीसदी है। उत्तराखंड में 10 से ऊपर है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कर इसमें सुधार किया गया है। लोकतंत्र हमारे रग रग में बसा हुआ है। भारत की परंपरा ने कभी बात को किसी पर थोपा नहीं है। सभी को स्वतंत्रता दी गई है। लोकतंत्र बाद में आया लेकिन गणतंत्र 600 ईसा पूर्व से है। देश में जब 1952 में पहली बार चुनाव हुआ तो महिला को भी वोट देने का अधिकार दिया गया। इंग्लैंड में भारत के बाद अधिकार दिया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड की विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आपके कार्य करने का तरीका बेहद अच्छा है। आज भी महिला पर अत्याचार हो रहा। कहीं रेप, मर्डर, महिला हिंसा जैसे अपराध महिलाओं के साथ हो रहा। महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र करने के बहुत प्रयास हो रहे, लेकिन नहीं हो पा रहा।

नगरपालिका कुशीनगर द्वारा 200 सफाई मित्रों में बंटा कम्बल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर की अध्यक्ष श्रीमती किरन जायसवाल और नगर की अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला द्वारा कड़ाके की पड रही ठंड को देखते हुए नगर में कार्यरत 200 सफाई मित्रों को कम्बल बितरित किया गया। बुधवार को नपाप कुशीनगर के कार्यालय में आयोजित कम्बल वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपाप अध्यक्ष श्रीमती किरन जायसवाल ने कहा कि नगर को स्वच्छ और सुन्दर रखने में निकाय के सफाई मित्रों का सराहनीय योगदान है। ठंड से बचाव को लेकर इंतजाम किए गए हैं। नगर और वार्डों में अलाव की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम का संचालन सफाई प्रभारी श्रवण कुमार तिवारी ने किया। महिला सफाई मित्र ममता, रिंकी देवी, कंचन, इंद्रावती देवी, अनिता पाल, पुरुष सफाई मित्र उपेन्द्र, अकबर, प्रमोद दीपक आदि सहित दो सौ को कम्बल दिया गया। इस दौरान प्रभारी लिपिक राजेश श्रीवास्तव सहित नपाप कर्मी मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष और प्रान्तीय परिषद चुनाव के लिए नामांकन कल

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक चुनाव के चार चरण पूरे हो चुके हैं। पार्टी अब अगले चरण में जिलाध्यक्ष और प्रान्तीय परिषद के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के कुशीनगर जिलाध्यक्ष और प्रान्तीय परिषद चुनाव का नामांकन 10 जनवरी 2025 दिन शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:00 से अपराह्न 01:00 बजे तक रविन्द्र नगर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में में सम्पन्न होगा। यह जानकारी जिला चुनाव अधिकारी डॉ रंजन शर्मा के हवाले से जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने दी। उन्होंने बताया कि पार्टी द्वारा तय आहर्ता पूरी करने वाले इच्छुक कार्यकर्ता पार्टी के जिला कार्यालय में नामांकन कर सकते हैं।

रेड हिल्स ग्रुप के सीएमडी आलमगीर अंसारी के सुपुत्र शाहिल ने शिव मंदिर को दिया दान

रेड हिल्स ग्रुप के सीएमडी आलमगीर अंसारी का धार्मिक व सेवा में अतुलनीय योगदान

कुशीनगर। रेड हिल्स ग्रुप के सीएमडी आलमगीर अंसारी ने नपा कुशीनगर के बाबा साहब आप्टेनगर पकवाइनार में बने शिव मंदिर में इक्यावन हजार का दान देकर अपनी अद्भुत उदारता और धार्मिक अनुष्ठान की भावना प्रदर्शित की है। मन्दिर कमेटी को यह दान सीएमडी श्री अनुसारी के सुपुत्र शाहिल अन्सारी ने प्रदान किया। दानवीर श्री आलमगीर के द्वारा धार्मिक रूप से किये गए कार्य की मन्दिर कमेटी ने सराहना की है। सीएमडी आलमगीर शुरू से ही सामाजिक एकता, न्याय और

भाईचारे को लेकर लोगों के बीच जागरूकता के कार्य को करते आ रहे हैं। समाज सेवा, हिन्दू धर्म, मुस्लिम धर्म के स्थलों के लिए वह दिल खोलकर सहयोग करते है। उनका यह कार्य समाज के लि प्रेरणा का स्त्रोत है। आम अवाम ं इनके नेकी के किस्से आम है। लोगों का कहना है कि उनका यह निःस्वार्थ योगदान केवल एक आर्थिक सहयोग नहीं है, बल्कि समाज में एक प्रेरणा का स्त्रोत है। उनकी यह पहल केवल धार्मिक ही नहीं अपितु जरूरतमंदों की मदद करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। ऐसे महान व्यक्तित्व का होना हमारे समाज के लिए गर्व की बात है। मन्दिर कमेटी आलमगीर अंसारी को दिल से धन्यवाद दिया और कहा कि आपका यह नेक कार्य हमेशा कमेटी परिवार को प्रेरित करता रहेगा।

16 साल बाद झांसी में जिंदा मिला शख्स

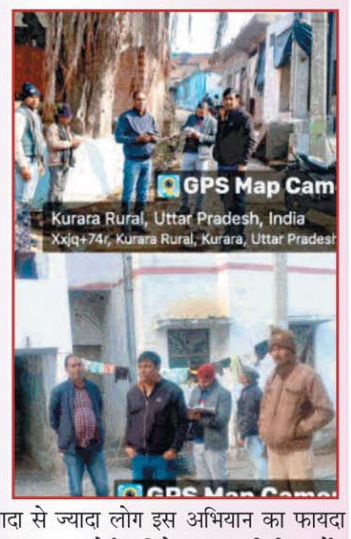

झांसी। बिहार में 16 साल पहले एक युवक अचानक लापता हो गया। चाचा समेत 5 लोगों पर किडनैप के बाद मर्डर का आरोप लगा। सभी जेल गएझ्अब कुछ दिन बाद उनको कोर्ट से सजा मिल सकती थी। मगर, 16 साल बाद इस केस में अचानक ऐसा मोड़ आया कि बिहार से लेकर यूपी तक हलचल मच गई। जिसका किडनैप और मर्डर हुआ था, वो शख्स यूपी के झांसी में जिंदा मिला। सूचना पर बिहार पुलिस के साथ वो बेगुनाह लोग भी आए, जो जेल काट चुके थे। बिहार पुलिस उस शख्स को अपने साथ ले गई। अब मामले की नए सिरे से जांच शुरू हो गई है। ये

कहानी बिहार के रोहताश जिले के देवरिया गांव की है। यहां के नथुनी पाल (50) पुत्र रामचंद्र खेती किसानी करता था। पिता के बाद मां गंगीदेवी की मौत हो चुकी थी। शादी के 4 साल तक बच्चे नहीं हुए तो पत्नी उसे छोड़कर किसी और के साथ रहने लगी थी। ऐसे में नथुनी पाल अकेला पड़ गया। उसका अपने चाचा रतिपाल के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। 2008 में अचानक एक दिन नथु पाल लापता हो गया। उसे काप ढूंढ़ा गया, मगर कोई सुराग न लगा। ऐसे में नथुनी के मा औरंगाबाद निवासी बाबूलाल अकोड़ीगोला थाने में नथुनी व अपहरण करके हत्या करने औ लाश को खुर्दबुर्द करने का के दर्ज करा दिया। इसमें सगे चा रतिपाल, उनके 4 बेटे विमले पाल, भगवान पाल, सतेंद्र पाल औ जितेंद्र पाल नामजद हुए। पांचों प अपहरण करके हत्या करने औ लाश को छुपाने का आरोप थ पुलिस ने सभी को गिरफ्तार क लिया। लाश बरामद के लिए जगह खुदाई कराई गई। कई मही के बाद पुलिस को नथुनी पाल की लाश नहीं मिली। ऐसे में अपहरण के आरोप में सभी के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया गया। कोई 1 साल जेल में रहा, तो किसी ने 11 महीने और 6 से 7 महीने जेल काटी। अब कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। कुछ ही दिन में फैसला होने वाला था और आरोपियों को सजा भी हो सकती थी। इस केस में बिहार पुलिस सबकुछ भुला चुकी थी। बस कोर्ट में तारीखें लग रही थी। जो आरोपी पकड़े गए, वे खुद को बेगुनाह बता रहे थे। अचानक 6 जनवरी 2025 को झांसी के बरुआसागर थाना अध्यक्ष शिवजीत सिंह राजावत को गश्त के दौरान धवारा भरोल गांव में एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया।

संवैधानिक मूल्यों को लेकर भाजपा चलाएगी 'संविधान गौरव अभियान

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी संविधान का जश्न मनाने और इसके मूल्यों तथा संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस साल गणतंत्र दिवस के पहले करीब पखवाड़ा भर ह्यसंविधान गौरव अभियान चलाएगी। जिसकी तैयारी के लिए बुधवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनपद के 8 मण्डलों में मण्डल कार्यशाला आयोजित किया गया जिसमें पार्टी के नेताओं ने अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने पर चर्चा किया गया। इसी क्रम में पडरौना विधानसभा के कठकुइंया मण्डल का सम्मेलन सेमरा हर्दो चौराहे पर आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि संविधान निमार्ता डा. भीमराव आंबेडकर ने देश की आजादी के बाद जिस भारत का सपना देखा, उस सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूरा कर रही है।

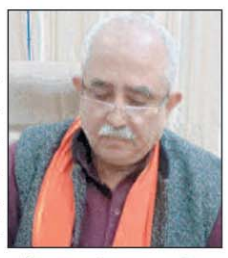

बाबा साहेब के आदर्शो के पथ पर मोदी सरकार अनवरत गतिशील है। जिस सामाजिक न्याय की लड़ाई के लिए बाबा साहेब ने पूरा जीवन समर्पित कर दिया।पडरौना विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर

को कभी उचित सम्मान नहीं दिया दरअसल, आजादी के बाद कांग्रेस ने संविधान के निमार्ता बाबा साहेब अंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया था। केन्द्र में कांग्रेस की सरकारों ने बाबा साहेब अंबेडकर की विरासत को जनता के मानस पटल से मिटाने की पूरी कोशिश की। जबकि मोदी सरकार ने ही बाबा साहेब से जुड़े 5 स्थानों को पंचतीर्थ के रुप में विकसित करने की शुरूआत की। इनमें शामिल हैं, नागपुर में दीक्षा भूमि, लंदन में अंबेडकर मेमोरियल होम, अलीपुर रोड दिल्ली में उनकी महापरिनिर्वाण की जगह, मुंबई की चैत्य भूमि और दिल्ली के अलीपुर रोड जहां उन्होंने अपन आखिरी कुछ वक्त बिताया।सद विधायक ने कहा कि मोर्द सरकार के मंत्रिपरिषद में आज दलितों की भागीदारी दस प्रतिश से अधिक है। देश में पहली बा दलित समाज को इतन प्रतिनिधित्व हासिल हुआ है सम्मेलन को जिला मंत्र विवेकानंद शुक्ल, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि इंजीनियर मनोज सिंह, रमेश मिश्र ने भी सम्बोधित किया। अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष विजय कुमार सोनी और संचालन मोहन प्रसाद खरवार ने किया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, पूर्व मण्डल अध्यक्ष बिपिन बिहारी मिश्र,ऋषिकेश सिंह, गया प्रजापति, सुरेन्द्र गुप्ता, अमरजीत खरवार, छोटू भारती, पहलू प्रसाद,राम आशीष गोंड, मीरा खरवार, अश्विनी गुप्ता, मुकद्दस, दिनेश मद्धेशिया, गिरिजेश उपाध्याय सहित सभी मण्डल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक और बूथ अध्यक्ष उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

कत्ल के मामले में दो गुनाहगारों को उम्रकैद की सजा के साथ ही हुआ दस हजार रुपये का जुमार्ना

एडीजीसीः मणिकर्ण शुक्ल

एडीजीसी- अशोक कुमार शुक्ला

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश हमीरपुर के बिंवार में 5 दिसम्बर 2014 को अभियुक्तों ने पीड़ित की पत्नी से मछली बनाने को कहा था, लेकिन जब उसने मछली बनाने से मना किया तो अभियुक्तों ने उसकी गोली मारकर हत्या करदी थी। जबकि हत्या के इस मामले में बिंवार पुलिस ने कुपरा निवासी मृतिका के पति कम्मू की तहरीर पर छानी खुर्द निवासी राजाबाबू पुत्र स्वामीदीन, जबकि कुपरा निवासी कमल काछी पुत्र स्व० मूलचन्द सहित संजय सिंह पुत्र वंशलाल सिंह निवासी कुपरा थाना जलालपुर के खिलाफ अ०सं० 1268/2014 धाराझ्302/34 आईपीसी के तहत दर्ज किया गया था, वहीं आपरेशन कन्विक्शन के तहत 7 जनवरी 2025 को हमीरपुर की डकैती अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने हिस्ट्रीशीटर राजाबाबू पुत्र स्वामीदीन एचएस नं० 53ए थाना बिंवार, कमल काछी पुत्र मूलचन्द्र, एचएस नं० 164ए थाना जलालपुर को गुनाहगार मानते हुये उम्रकैद की सजा के साथ ही पांच-पांच हजार रुपये का सुनाया जुमार्ना। जबकि मामले की जांच आईओ तत्कालीन बिंवार इंस्पैक्टर एच०डी० सिंह ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, वहीं अभियोजन की तरफ से मामले की दमदार पैरवी करते हुये एडीजीसी मणिकर्ण शुक्ला सहित एडीजीसी अशोक कुमार शुक्ला ने अदालत से दोनों अभियुक्तों को कड़ी सजा देने की मांग की थी, जिसके बाद डकैती अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने दोनों अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाने के साथ ही दोनों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाने काम भी किया।

कत्ल की कोशिश को अंजाम देने के मामले में तीन गुनाहगारों को सात-सात साल की सजा के साथ ही हुआ तीन- तीन हजार का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के बिंवार में 2014 में कत्ल किये जाने की कोशिश को अंजाम देने के मामले में पीड़ित की शिकायत पर मु०अ०सं०-1269/2014- धारा-307 आईपीसी सहित 10/12 डी०ए० एक्ट के तहत देने वाले राजाबाबू पुत्र स्वामीदीन, कमल काछी पुत्र मूलचन्द सहित देवीदीन पुत्र कल्लू यादव को गुनाहगार मानते हुये हमीरपुर की डकैती अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने सात- सात साल की सजा के साथ ही तीन- तीन हजार रुपये का सुनाया जुमार्ना। मामले की जांच एस आई सियाराम ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीटि दाखिल की। जबकि आपरेशन कनविक्शन के तहत अभियोजन की तरफ से जोरदार पैरवी एडीजीसी-- मणिकर्ण शुक्ल ने की।

ओटीएस स्कीम का उठायें फायदा, बकाया पड़े बिजली बिलों का भारी छूट के साथ करें भुगतानः अधिशासी अभियंता विद्युत

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के कुरारा के में अधिशासी अभियंता डी. एन.प्रसाद ने ओटीएस स्कीम को कामयाब बनाने के मद्देनजर अभियान चलाकर 56 बकायेदारों के बिजली कनेक्शन काटे। जबकि 42 उपभोक्ताओं ने मौके पर ओटीएस स्कीम में रजिस्ट्रेशन कराकर फायदा लिया। इस मौके पर अधिशासी अभियंता ने एसे सभी बिजली उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि, सरकार की इस योजना के तहत बकाया बिल का भुगतान कर स्कीम को कामयाब बनायें। अभियान बराबर जारी रहेगा और ज्यादा से ज्यादा लोग इस अभियान का फायदा उठायें, इस मौके पर सीए पवन कुमार, जेई अभिषेक साहू, टीजीटू धर्मेंद्र सहित विद्युत स्टाफ मौजूद रहा ।

शहीद सुधीर यादव का अंतिम संस्कारःकानपुर में गंगा घाट पर चचेरे भाई ने दी मुखाग्नि

कानपुर। पोरबंदर में हेलिकॉप्टर क्रैश में शहीद कैप्टन सुधीर यादव पंचतत्व में विलीन हो गए। बिठूर में गंगा किनारे उनका अंतिम संस्कार किया गया। चाचा के बेटे यानी चचेरे भाई ने मुखाग्नि दी। कानपुर देहात के मैथा स्थित हरकिशनपुर में पैतृक घर शहीद का पार्थिव शरीर पहुंचते ही हर तरफ चीखें गूंजने लगीं। कुछ देर यहां अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर रखा गया। मां, पिता और पत्नी की चीत्कारों के बीच पार्थिव शरीर दरवाजे से उठा तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखों से आंसू छलक उठे। सुधीर यादव अमर रहें... के नारे गूंज उठे। पत्नी बोलीं- सुधीर तुमने ये क्या कर दिया। हम सब तुम्हारे बिना कैसे रह पाएंगे। जाओ, जहां भी रहो, खुश रहना। मां चीखते हुए कहती रही- लल्ला तुम्हें देखकर जिया खुश हो जाता था।

अब कैसे खुश रह पाऊंगी। जिंदगीभर के लिए तुमने सभी को रुला दिया। लल्ला... लौट आओ। हमारी खुशी लौटा दो... भगवान तूने क्या कर दिया। बता दें कि एक दिन पहले मंगलवार को सुधीर के पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान कानपुर शहर के श्यामनगर लाया गया था। यहां पर सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद शाम को पार्थिव शरीर एयरफोर्स स्टेशन में रखवाया गया था। सुबह पार्थिव शरीर कानपुर देहात के मैथा स्थित हरकिशनपुर लाया गया था। शहीद सुधीर के पिता नवाब सिंह ने कहा- हमारे परिवार की दूसरी पीढ़ी का यह बेटा था, जो फौज में अफसर था। हम लोग देश की सेवा के लिए ही बने हैं। सरकार को कुछ ऐसे कदम उठाने चाहिए, जिससे लोग पीछे ना हटें। अब अग्निवीर योजना कर दिया है तो तीन-चार साल के लिए कौन अपने बेटे को फौज में भेजेगा। सरकार को ऐसी सुविधाएं देनी चाहिए कि जो सरहद पर जा रहा है, वह यह सोचे कि शहादत के बाद हमारा परिवार सुरक्षित रहेगा, उसकी पूरी तरह से देखभाल होगी।

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशहूर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना

हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के से मनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 199 में पहली बार ये होटल खोला गया था। या मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्ले स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ह नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

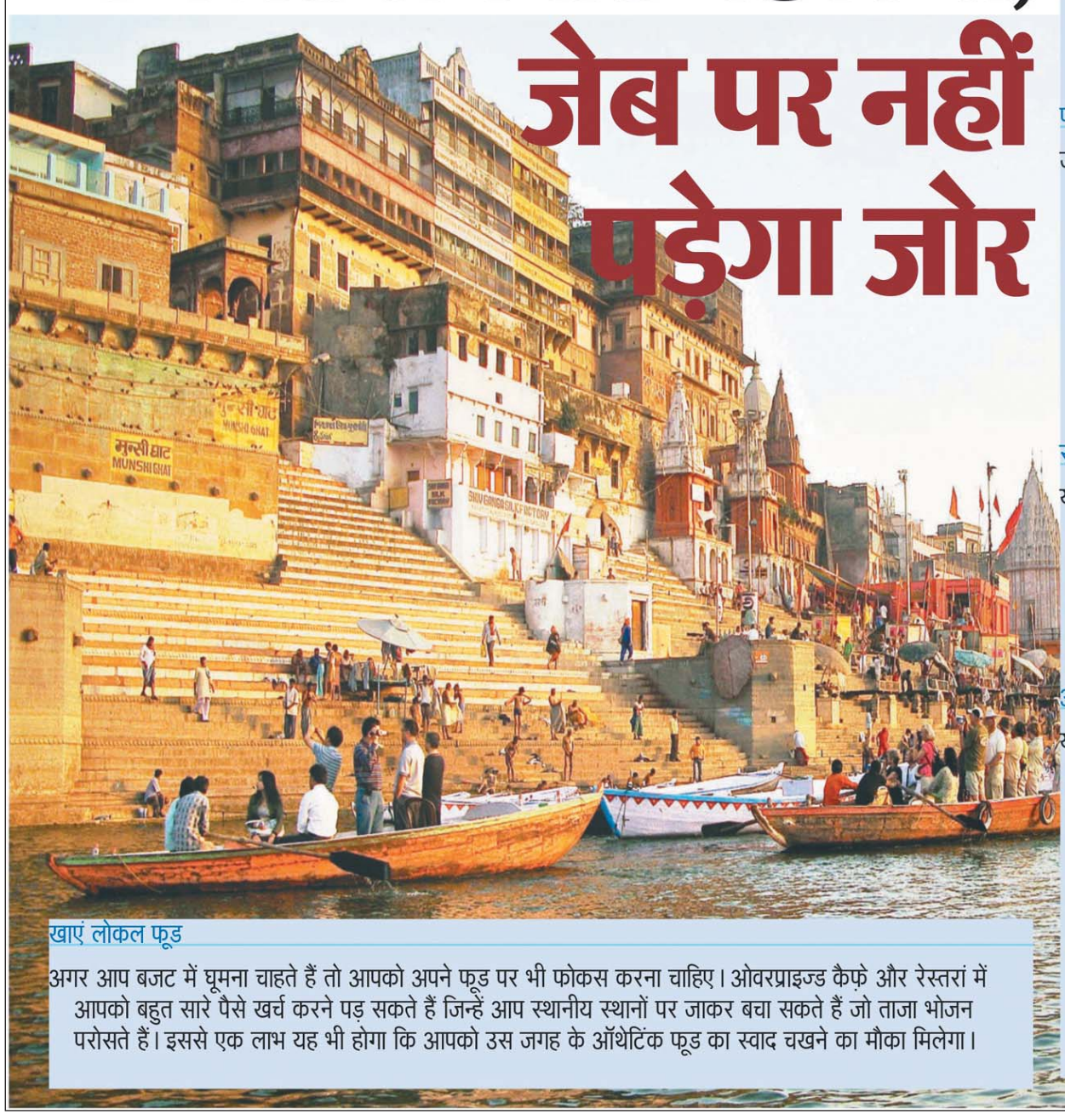

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपका काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेंटिक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

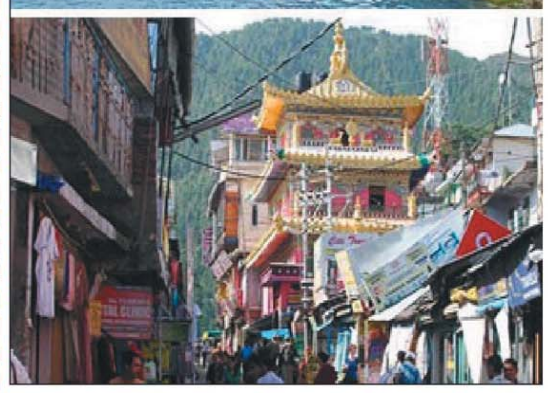

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

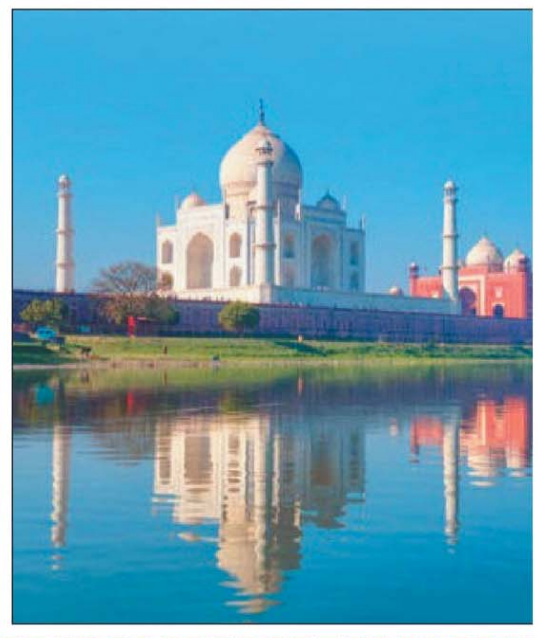

जन औषधि केंद्रों ने नवंबर 2024 तक 1255 करोड़ से ज्यादा की दवाइयां बेची

-पीएमओ ने कहा- इन आउटलेट्स से नागरिकों को 5,020 करोड़ की हुई बचत

नई दिल्ली।

जन औषधि केंद्रों से नवंबर 2024 तक 1255 करोड़ रुपए से ज्यादा की दवाइयों की बिक्री हुई। यह जानकारी पीएमओ द्वारा दी गई। सोशल मीडिया एक्स पर पीएमओ ने कहा कि इन आउटलेट्स के जरिए दवाइयों की खरीद करने से नागरिकों को 5,020 करोड़ रुपए की बचत हुई। जन औषधि केंद्र आम जनता को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराते हैं। इसकी स्थापना प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत की गई थी, जो नवंबर 2008 में शुरू की गई एक जन कल्याणकारी योजना है। इस योजना को फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइस ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) के जरिए क्रियान्वित किया जाता है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने बताया कि नवंबर 2024 तक देशभर में 14,320 जन औषधि केंद्र खोले गए हैं। 2023-24 में पीएमबीआई ने 1,470 करोड़ रुपए की दवाइयों की बिक्री दर्ज की थी, जिससे नागरिकों को 7,350 करोड़ रुपए की बचत हुई थी। पिछले दस सालों में इस परियोजना के तहत करीब 30 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई है। 2024 में पीएमबीजेपी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और असम राइफल्स के साथ कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिससे सीएपीएफ, एनएसजी और एआर (एमएचए) अस्पतालों में जन औषधि दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अलावा मॉरीशस में पहला विदेशी जन औषधि केंद्र खोला गया। मंत्रालय ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने भी चालू वित्त वर्ष में 500 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ फार्मास्युटिकल उद्योग को मजबूत करने के लिए एक योजना लागू की है। इस योजना का उद्देश्य देश में मौजूदा फार्मा क्लस्टरों और एमएसएमई को उनकी उत्पादकता, गुणवत्ता और एमएसएमई क्लस्टरों में सुधार करने के लिए सहायता प्रदान करना है।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में लॉन्च किया जाएगा क्रेटा ईवी

नई दिल्ली ।

हुंडई मोटर्स के बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी क्रेटा ईवी को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में लॉन्च किया जाएगा। हुंडई क्रेटा ईवी में दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। पहला 42 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जो 390 किलोमीटर की रेंज देगा, और दूसरा 51.4 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जिसकी रेंज 473 किलोमीटर तक होगी।

क्रेटा ईवी चार वेरिएंट्स एक्जीक्यूटिव, स्मार्ट, प्रीमियम और एक्सीलेंस में उपलब्ध होगी। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार मात्र 7.9 सेकंड में पकड़ सकती है। हालांकि, इसके इलेक्ट्रिक मोटर के स्पेसिफिकेशंस अभी साझा नहीं किए गए हैं। डिजाइन की बात करें तो क्रेटा ईवी का लुक पेट्रोल और डीजल वर्जन जैसा है, लेकिन इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल का ट्विस्ट दिया गया है। इसमें व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) सपोर्ट, लेवल-2 अडास फीचर्स (जैसे एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और लेन कीप असिस्ट), 360-डिग्री कैमरा और 6 एयरबैग्स दिए गए हैं। हुंडई क्रेटा ईवी में डीसी फास्ट चार्जर है, जो 10-80प्रतिशत चार्जिंग मात्र 58 मिनट में कर सकता है। 11 केडब्ल्यू एसी चार्जर के जरिए यह 4 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो सकती है।

यह इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा कर्व ईवी, महिंद्रा बीई 6, एमजी झेडएस ईवी और आगामी मारुति ई विटारा जैसे मॉडल्स को कड़ी टक्कर देगी। फ्रंट फेसिया क्रेटा एन लाइन से प्रेरित है, जिसमें ब्लैंकड-ऑफ ग्रिल और ग्लॉस ब्लैक क्यूबिकल एलिमेंट्स हैं। चार्जिंग पोर्ट हुंडई के लोगो के नीचे, बीच में स्थित है। इसमें 17-इंच के एयरोडायनामिक अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। हुंडई क्रेटा ईवी में ड्यूल-टोन इंटीरियर, पैनोरमिक सनरूफ, दो डिजिटल डिस्प्ले और लोअर सेंटर कंसोल में नए कंट्रोल्स हैं।

सेबी की फटकार के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 5 फीसदी लुढ़के

सोशल मीडिया पर योजनाओं का खुलासा करने पर चेयरमैन को दी हिदायत

नई दिल्ली।

ओला इलेक्ट्रिक का शेयर आज यानी बुधवार को शुरूआती कारोबार में बीएसई पर 5 फीसदी लुढ़क गया। ईवी कंपनी के शेयरों में यह गिरावट मार्केट रेगुलेटर सेबी की फटकार के बाद आई। मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को फटकार लगाई है। रेगुलेटर ने नियमों के उल्लंघनों पर कंपनी को चेतावनी लेटर भी जारी किया है।

ओला इलेक्ट्रिक की रेगुलेटरी फाईलिंग के मुताबिक कंपनी को मंगलवार को ईमेल के जरिए सेबी ने यह भेजा। यह लेटर इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के एक्सचेंजों को सूचित करने से पहले एक्स पर अपनी योजनाओं का खुलासा करने के चलते मिला है। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इस चेतावनी के कारण कोई वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा।

बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक ने कॉर्पोरेट एक्शन की बजाय सोशल मीडिया एक्स पर अपनी योजनओं का पहले खुलासा कर दिया। लेटर में ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन को इस संबंध में आगे से ऐसा न करने की हिदायत दी है। नियमों के मुताबिक सभी खुलासे पहले स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित करना है और वह 12 घंटों के भीतर। सेबी ने कहा कि इससे उन शर्तों का भी उल्लंघन हुआ कि सभी निवेशकों को समय पर समान रूप से सूचित करना चाहिए। सेबी ने लेटर में कहा कि पहले स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचना प्रसारित करने में विफल रहने और इसके बजाय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी घोषणा करने से आप सभी निवेशकों के लिए जानकारी तक समान और समय पर पहुंच प्रदान करने में विफल रहे हैं।

सेबी के इस एक्शन के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में बुधवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट आई है। कंपनी का शेयर बीएसई पर इंट्रा-डे ट्रेड में 5 फीसदी तक फिसल गया। सुबह 10 बजे यह 3.53 रुपए या 4.46 फीसदी गिरकर 75.63 रुपए प्रति शियर के भाव पर कारोबार कर रहा था। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 9 अगस्त, 2024 को स्टॉक मार्केट में लिस्ट हुआ था। लिस्टिंग के एक हफ्ते के बाद कंपनी के शेयर ऑल टाइम हाई 157.53 रुपए तक पहुंच गए थे। हालांकि, तब से कंपनी के शेयर करीब 20 फीसदी गिर चुके हैं।

2024 में कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत रहा

-फाडा ने कहा-दोपहिया में आपूर्ति, नए मॉडल और ग्रामीण मांग से हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दोपहिया और यात्री वाहनों की मजबूत मांग से 2024 में मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा है कि 2024 में कुल वाहन पंजीकरण 2,61,07,679 इकाई रहा, जबकि 2023 में यह 2,39,28,293 इकाई रहा था। फाडा के अध्यक्ष कहा कि 2024 में भीषण गर्मी, केंद्र और राज्यों में चुनाव और असमान मानसून सहित कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत बना रहा। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन खंड में बेहतर आपूर्ति, नए मॉडल और मजबूत ग्रामीण मांग ने बढ़ोतरी को बढ़ावा दिया, हालांकि वित्तीय बाधाएं और बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रतिस्पर्धा चुनौतियां पेश करती रही हैं। यात्री वाहनों की बिक्री 2024 में 40,73,843 रही, जो 2023 में 38,73,381 इकाई की तुलना में पांच फीसदी ज्यादा है। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11 फीसदी से बढ़कर 2024 में 1,89,12,959 हो गई। 2023 में यह 1,70,72,932 थी। वहीं तिपहिया वाहनों का पंजीयन सालाना 11 फीसदी से बढ़कर 12,21,909 इकाई हो गया जो 2023 में 11,05,942 इकाई रहा था। ट्रैक्टर की बिक्री में सालाना आधार पर तीन फीसदी की वृद्धि देखी गई और यह 8,94,112 इकाई रही, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2024 में 10,04,856 पर स्थिर रही। वहीं दिसंबर में फाडा के मुताबिक मोटर वाहन क्षेत्र की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 12 फीसदी घटकर 17,56,419 इकाई रही। दिसंबर 2023 में 14,54,353 इकाइयों की तुलना में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण 18 फीसदी से घटकर 11,97,742 इकाई रह गया। दिसंबर 2023 में 2,99,351 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री भी दो फीसदी घटकर 2,93,465 इकाई रह गई थी।

मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़ी

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने बताया

मुंबई ।

देश में चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के बीच दोपहिया तथा यात्री वाहनों की मजबूत मांग से 2024 में मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़ी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा, 2024 में कुल वाहन पंजीकरण 2,61,07,679 इकाई रहा, जबकि कैलेंडर वर्ष 2023 में यह 2,39,28,293 इकाई था। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने कहा, वर्ष 2024 में भीषण गर्मी, केंद्र तथा राज्यों में चुनाव और असमान मानसून सहित कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत बना रहा। '' उन्होंने बताया कि कि दोपहिया वाहन खंड में बेहतर आपूर्ति, नए मॉडल तथा मजबूत ग्रामीण मांग ने वृद्धि को बढ़ावा दिया, हालांकि वित्तीय बाधाएं तथा बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रतिस्पर्धा चुनौतियां पेश करती रहीं। यात्री वाहनों की बिक्री 2024 में 40,73,843 इकाई रही, जो 2023 में 38,73,381 इकाई की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 1,89,12,959 इकाई हो गई। 2023 में यह 1,70,72,932 इकाई थी। वहीं तिपहिया वाहनों का पंजीकरण सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 12,21,909 इकाई हो गया जो 2023 में 11,05,942 इकाई था। ट्रैक्टर की बिक्री में सालाना आधार पर तीन प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 8,94,112 इकाई रही, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2024 में 10,04,856 इकाई पर स्थिर रही।

सप्लाई तेज होने से गिर रहे हैं हरी सब्जियों के दाम

नई दिल्ली । ठंड के मौसम में सप्लाई तेज होने से हरी सब्जियों के दाम अब गिरने लगे हैं। लोगों को अब बढ़ी हुई हरी सब्जियों की कीमतों से राहत मिलने लगी है। गोभी, मटर, आलू, मूली और गाजर जैसी हरी सब्जियों की नई खेप और बढ़ी हुई सप्लाई के चलते इनके दाम में गिरावट आई है। गोभी से लेकर हरी मिर्च, मूली, पालक सहित कई मौसमी सब्जियां सस्ती होने से बड़ी राहत मिली है। कारोबारियों का कहना है कि टमाटर, जो एक हफ्ते पहले 40 रुपए प्रति कि ो बिक रहा था, अब 20 रुपए में उपलब्ध है। आलू और अन्य सब्जियों की कीमतों में भी कमी देखी जा रही है और आने ले दिनों में इनके रेट्स में और गिरावट की उम्मीद है। हाल ांकि, आने वाले दिनों में आलू, टमाटर, शिमला मिर्च, मटर लेकर बींस के भी रेट और कम हो सकते हैं। हफ्ते भर पहले 40 रुपए प्रति किग्रा के हिसाब से बिकने वाला टमाटर सोमवार को रिटेल में 20 रुपए प्रति किग्रा के हिसाब से मिला। इसके लावा 100 रुपए में ढाई किग्रा मिलने वाला आलू अब 100 चार किलोग्राम मिल रहा है।

चैटजीपीटी को सब्सक्राइबर बढ़ने से घाटा?

नई दिल्ली । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआईचैटवाट के सब्सक्राइबर तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। उसी तेजी के साथ कंपनी का घाटा भी बढ़ रहा है। कंपनी के सह संस्थापक सैम आलटमैन का कहना है। सब्सक्राइबर बढ़ाने के कारण कंपनी को नुकसान हो रहा है। चैट जीटीपी का सालाना सब्सक्राइबर शुल्क भारत में करीब 17000 रुपए प्रति वर्ष है। भारत में तेजी के साथ सब्सक्राइबर बढ़ रहे हैं। जिसके कारण चैट जीपीटी कंपनी की लागत बढ़ती चली जा रही है। ग्राहकों को प्रीमियम सुविधा देने के लिए ओपन एआई की कंप्यूटिंग लागत पर कंपनी को ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। कंपनी के इस बयान के बाद ऐसा लग रहा है कि कंपनी भारत में अपना शुल्क बढ़ाने की तैयारी कर रही है। भविष्य में सालाना सब्सक्रिप्शन और भी महंगा हो सकता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में बैंकों की लाभप्रदता पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली ।

खराब परिसंपत्तियों में वृद्धि के चलते वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय बैंकों की लाभप्रदता पर असर पड़ सकता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 बैंकों के लिए मुनाफे का चरम साल था, लेकिन अब यह लाभप्रदता टर्निंग पॉइंट पर है और अगले वित्तीय वर्ष में इसमें और कमी की आशंका है। एजेंसी के प्रमुख और निदेशक (वित्तीय संस्थान) करण गुप्ता ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों की लाभप्रदता पर ऋण चूक और बढ़ती ऋण लागत का दबाव रहेगा। उन्होंने कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता पर दबाव मुख्य रूप से बिना गारंटी वाले खुदरा कर्ज जोखिम से उत्पन्न होगा, हालांकि इसका कोई प्रणालीगत प्रभाव नहीं होगा। रेटिंग एजेंसी ने 50,000 रुपये से कम के खुदरा असुरक्षित कर्ज को बैंकों के कुल कर्ज का 0.4 प्रतिशत बताया और कहा कि केवल 3.6 प्रतिशत कर्ज ऐसे हैं जिनकी उधारी दर 11 प्रतिशत से अधिक है। हालांकि, ऋण वृद्धि की गति धीमी होने की संभावना जताई गई है, और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रणालीगत ऋण वृद्धि अनुमान को 15 प्रतिशत से घटाकर 13-13.5 प्रतिशत कर दिया गया है। एजेंसी ने बताया कि बढ़ती कर्ज चूक, पिछली बढ़ोतरी और लेखांकन नीतियों में बदलाव के कारण अगले वित्त वर्ष में बैंकों का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 0.10 प्रतिशत तक घट सकता है। साथ ही, ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर भी कम होने का अनुमान है। गुप्ता ने परिसंपत्ति गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्तिगत ऋण, बिना गारंटी वाले व्यावसायिक ऋण और सूक्ष्म-वित्त पर दृष्टिकोण को स्थिर से घटाकर बिगड़ता हुआ कर दिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इस दबाव को संभालना संभव है और इसका कोई बड़ा व्यवस्थित प्रभाव नहीं होगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों में हुए नुकसान से आयी है। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों से भी निवेशकों ने सतर्कता बरती जिससे भी बाजार नीचे आया। अमेरिकी बाजारों में कमजोरी से भी बाजारों पर दबाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में सेंसेक्स 50.62 अंक तकरीबन 0.06फीसदी नीचे आकर 78,148.49 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में निफ्टी 18.95 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी नीचे आकर 23,688.95 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान देसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों को लेकर निवेशक बाजार से दूर रहे। इन परिणामों की शुरुआत 9 जनवरी को टीसीएस के साथ होगी। अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुआ। इसका प्रभाव भी एशियाई बाजारों के साथ घरेलू बाजार पर भी पड़ा।

दिसंबर में सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में तेजी और नवंबर में नयी नौकरियों में बढ़त के आंकड़े जारी होने के बाद वॉल स्ट्रीट पर गिरावट आई है। इससे तय है कि इफेडरल रिजर्व 2025 में ब्याज दरों में कम बार कटौती करेगा। दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटी दिग्गज टीसीएस और आईटीसी के शेयरों में तेजी ने बाजार को दिन की बड़ी गिरावट से संभाला। इंट्रा-डे ट्रेड में सेंसेक्स 700 से ज्यादा अंक गिर गया था।

डाबर इंडिया और हीरो मोटोकॉर्प समेत अन्य कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणामों के उम्मीद अनुसार नहीं रहने से भी बाजार नीचे आया। निवेशकों को डर है कि तीसरी तिमाही में कॉर्पोरेट परिणाम पिछली (दूसरी) तिमाही से बेहतर होंगे या नहीं। बता दें कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे पिछले चार वर्षों में सबसे खराब थे।

जानकारों के अनुसार कंपनियों की आय में कमी और महंगे वैल्यूएशन को लेकर चिंताएं घरेलू बाजारों पर दबाव डाल रही हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 78,319 अंक पर खुला। खुलने के कुछ ही मिनटों के भीतर इसमें गिरावट आने लगी। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी सकारात्मक शुरुआत के साथ खुला। मगर खुलने के कुछ ही देर में यह गिरावट में चला गया।

वहीं सरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट में बंद हुए। इसका असर एशियाई ाजारों के साथ घरेलू बाजार पर भी पड़ा है। वा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी और नवंबर मे नयी नौकरियों में वृद्धि के आंकड़े जारी होने के बाद वॉल स्ट्रीट पर गिरावट आई है। ये अ कड़ों संकेत देते है कि फेडरल रिजर्व 2025 मे ब्याज दरों में कम कटौती करेगा।

अमेरि ी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में प्रमुख तकनीकी शेयरों की कमजोरी से गिरावट र्ज की गई। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.11 प सिदी गिरा, डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज मे 0.42 फीसदी की गिरावट रही, और नैस्डैक क पोजिट 1.89 फीसदी नीच आया।

वहीं ग दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था।

छोटी और मझोली कंपनियों के प्रमोटरों ने बेचे 1.2 लाख करोड़ के शेयर

आम निवेशकों में दहशत, निवेशकों मे सुरक्षित निकलने की होड़

मुंबई । छोटी एवं मध्यम कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। छोटी और मझोली कंपनियों के प्रमोटर और उनके छोटे निवेशक इन दिनों बिकवाली कर रहे हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में मंदी और बिकवाली का बड़ा दौर देखने को मिल रहा है। प्रमोटरों के शेयर बिकने के बाद छोटे निवेशकों में भगदड़ मच गई है। अब मुनाफे की जगह छोटे निवेशक अपने निवेश को बचाने के चक्कर में शेयर बेचकर बाहर निकलना चाहते हैं। 2023 के दिसंबर माह से सितंबर 2024 के बीच में 384 मिडकैप और स्मॉल कैप कंपनियों के प्रमोटर अपने शेयर बड़े पैमाने पर बेच चुके हैं। डीएसपी म्युचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार विचार स्मॉल कैप और मिड कैप कंपनियों के 4 प्रमोटर मे एक प्रमोटर ने अपने इक्विटी शेयरों की शुद्ध विकवाली की है। बाजार में प्रमोटरों ने अपने 1.2 लाख करोड रुपए के शेयर बेच दिए हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति देखने को मिल रही है।

वीआई ने की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ साझेदारी

नई दिल्ली । अपने नेटवर्क को बेहतर बनाने और ग्राहकों को मजबूत कनेक्टिविटी देने के लिए वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने एरिक्सन, नोकिया और सैमसंग जैसी प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ साझेदारी की है। 2024 में वीआई ने 46,000 नए साइट्स जोड़कर अपने नेटवर्क का बड़ा विस्तार किया और 58,000 लोकेशन्स पर नेटवर्क की क्षमता को मजबूत किया। कंपनी ने अगले तीन सालों में हजारों नए साइट्स लगाने की योजना बनाई है, जिससे यूजर्स को पहले से बेहतर अनुभव मिलेगा। इसके अलावा, इनडोर कवरेज प्लस टेक्नोलॉजी ने घर और ऑफिस में भी कनेक्शन की गुणवत्ता को और बेहतर बना दिया है। ग्राहकों की सुविधा के लिए कंपनी ने स्पैम डिटेक्शन फीचर लॉन्च किया, जिससे अनचाहे कॉल और मैसेज को नियंत्रित किया जा सके। इसके साथ ही, वीआई ने लाइंसगेट प्ले के साथ साझेदारी की है, जिससे ग्राहकों को प्रीमियम ओटीटी कंटेंट का भी लाभ मिलेगा। कंपनी के इन प्रयासों का सकारात्मक असर शेयर बाजार में भी दिखा। वीआई का शेयर 2.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ रुपए 8.07 पर बंद हुआ। कंपनी के सीईओ अक्षय मूंदड़ा ने ग्राहकों का धन्यवाद करते हुए कहा, आपके भरोसे ने हमें हर दिन बेहतर करने की ताकत दी है। 2025 में और भी रोमांचक चीजें आने वाली हैं, इसलिए जुड़े रहें। वीआई के ये प्रयास कंपनी के बाजार में मजबूत स्थिति बनाने और ग्राहकों को उन्नत सेवाएं देने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

अरबपति बिल गेट्स ने परिवहन क्षेत्र में किया 3730 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली।

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने परिवहन क्षेत्र में 3730 करोड़ रुपए यानी 373 मिलियन डॉलर का बड़ा निवेश किया है। गेट्स ने यह कदम ऐसे उठाया है जब यह क्षेत्र चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। उनका मानना है कि 2025 में इस क्षेत्र में शानदार वापसी करेगा। गेट्स ने फेडएक्स और पेसकर कंपनियों में एक-एक मिलियन शेयर खरीदे। फेडएक्स में निवेश की कुल राशि 2730 करोड़ रही, जबकि पेसकर में 1000 करोड़ यानी 100 मिलियन डॉलर का निवेश किया।

पेककर, जो पेटरबिल्ट और केनवॉर्थ जैसे प्रसिद्ध ट्रक ब्रांड्स का निर्माता है, वैश्विक क्लास 8 ट्रक बाजार में 31.1 फीसदी हिस्सेदारी रखता है। ये ट्रक भारी माल ढुलाई के लिए जाने जाते हैं। वहीं फेडएक्स एक प्रमुख लॉजिस्टिक कंपनी है, जो अपने ड्राइव पहल के तहत परिचालन को सुव्यवस्थित करने और लागत में कटौती की योजना पर काम कर रही है। 2024 में एसएंडपी 500 ट्रांसपोटेक्शन इंडेक्स में 0.5 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि एसएंडीपी 500 में 23 फीसदी की बढ़त हुई। इसके बावजूद बिल गेट्स को परिवहन क्षेत्र में आर्थिक सुधार और ब्याज दरों में गिरावट के कारण मांग बढ़ने की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि गेट्स का यह निवेश इस क्षेत्र के दीर्घकालिक लचीलापन पर उनके भरोसे को दर्शाता है। पेसकर और फेडएक्स दोनों कंपनियां परिवहन और लॉजिस्टिक्स की बढ़ती मांग से लाभ उठाने के लिए स्थिति में हैं। बिल गेट्स के पास वर्तमान में 8515 अरब रुपए यानी 103.1 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट में अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचकर निवेश किया। उनकी परोपकारी संस्था बिल एंड मेलिंडा गेस्ट फाउंडेशन का पोर्टफोलियो 3735 अरब रुपए यानी 45 बिलियन डॉलर का है।

मारुति और टोयोटा की इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत में साल 2025 में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में प्रतिस्पर्धा एक नए स्त पर पहुंचने वाली है। मारुति और टोयोटा कंपनी अपनी पहली इले क्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी में हैं, जबकि लगभग 12 अन्य अ टो निर्माता 30 से अधिक नए ईवी मॉडल पेश करेंगे। फिलहाल भ रतीय बाजार में 7 लाख से 2.15 करोड़ रुपये तक की 45 इलेक्ट्रिक कारें उपलब्ध हैं। नई ईवी कारें 500 किमी से अधिक की रेंज दान करने में सक्षम होंगी और इनकी अनुमानित कीमत 19 लाख पये के आसपास होगी। इंटरनेट-कनेक्टेड और प्रीमियम फीचर्स ाली कारों की मांग बढ़ रही है, जो पिछले साल की कुल कार बिक्री का 40 प्रतिशत हिस्सा थी। 2024 में कारों की बिक्री में ईवी की हि सेदारी 2.53 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2023 में 2.32 प्रतिशत ी। 2025 में यह हिस्सेदारी दोगुनी होकर 4.61 प्रतिशत तक पहुंच की उम्मीद है। ईवी के बढ़ते प्रभाव के बीच, सीएनजी वाहनों की बि क्री में 38.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि ईवी बिक्री 14 प्रतिश त बढ़ी। डीजल वाहनों की मांग 7.2 प्रतिशत बढ़ी, लेकिन पेट्रोल वा नों की बिक्री में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई। एक रिपोर्ट के मुत बिक, 2024 में बैटरी की कीमतों में 23 प्रतिशत की कमी आई है औ र 2025 में इसके और 20 प्रतिशत कम होने की संभावना है। इसक मतलब है कि इलेक्ट्रिक कारों की कीमत पेट्रोल कारों के करीब आ सकती है।

सिरफिरे ट्रूडो तो गए, क्या अब भारत- कनाडा संबंध सुधरेंगे

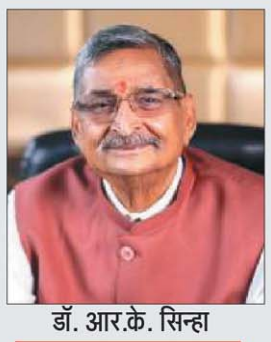

डॉ. आर.के. सिन्हा

उम्मीद है कि कनाडा में ट्रूडो की विदाई के बाद दोनों देशों के रिश्ते फिर से पटरी पर आने लगेंगे। भारत और कनाडा के बीच संबंधों का पुराना इतिहास है। कनाडा ने 1947 में भारत की स्वतंत्रता को मान्यता दी और दोनों देशों ने 1947 में ही आपसी राजनयिक संबंध स्थापित किए।

राजनयिक मयार्दाओं और अंतरराष्ट्रीय मयार्दाओं को ताक पर रखने वाले और खालिस्तानी समर्थक कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सत्ताधारी लिबरल पार्टी के नेता पद और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है या उन्हें ऐसा करने पर मजबूर कर दिया गया । ट्रूडो एक नंबर के गैर- जिम्मेदार प्रधानमंत्री के रूप में याद रखे जाएंगे। वे खुलकर खालिस्तानी तत्वों का समर्थन करने के अलावा भारत के आर्तरिक मामलों में भी लगातार हस्तक्षेप करते रहे।

ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का बिना किसी सबूत के बेशर्मी से आरोप भी लगाया। ट्रूडो के प्रधानमंत्रित्व काल में कनाडा में खालिस्तानी तत्व अति सक्रिय हो गए और खुलकर भारत विरोधी उत्पात मचाया । ये भारत को फिर से खालिस्तान आंदोलन की आग में झोंकना चाहते थे। कनाडा की ओंटारियो विधानसभा ने 2017 में 1984 के सिख विरोधी दंगों को सिख नरसंहार और सिखों का राज्य प्रायोजित कत्लेआम करार देने वाला एक प्रस्ताव भी पारित किया था। ये सब गंभीर आरोप के मामले थे। इस तरह की हरकतों से साफ था कि कनाडा में भारत के शत्रुओं को ट्रूडो सरकार का खुला समर्थन मिला हुआ था। कनाडा में खालिस्तानियों के जड़े जमाने का सबसे पहले सुबूत मिला था कनिष्क विमान हादसे के रूप में। मॉट्रियाल से नई दिल्ली जा रहे एयर इंडिया के विमान कनिष्क को 23 जून 1985 को आयरिश हवाई क्षेत्र में उड़ते समय, 9,400 मीटर कीऊंचाई पर, बम से उड़ा दिया गया था और वह अटलांटिक महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस भयानक हादसे में 329 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक ही थे। ट्रूडो को भारत सरकार ने बार-बार कहा कि वे अपने देश में खालिस्तानियों को कसे। पर मजाल है कि ट्रूडो ने कोई इस संबंध में कोई कदम उठाया हो।

भारत-कनाडा संबंधों ने सितंबर 2023 में गंभीर मोड़ ले लिया था , जब ट्रूडो ने दावा किया था कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास भारतीय सरकार के एजेंटों को निज्जर की हत्या से जोड़ने वाले विश्वसनीय सुबूत हैं। भारत ने उन

दावों को 'बेतुका और राजनीति से प्रेरित' बताया था। भारत मानता है कि निज्जर एक घोर आतंकवादी था । वह पंजाब में 2007 के सिनेमाघर बम विस्फोट और 2009 में सिख नेता रुलदा सिंह की हत्या में शामिल था। भारत के बार-बार अनुरोधों पर भी खालिस्तानियों को प्रत्यर्पित करने में कनाडा की विफलता ने इस धारणा को बढ़ावा दिया है कि कनाडा में भारत विरोधी ताकतों को खाद-पानी मिल रहा है।

जस्टिन ट्रूडो साल 2018 में भारत यात्रा पर आए थे। वे अमृतसर से लेकर आगरा और मुंबई से लेकर अहमदाबाद का दौरा करने के बाद जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले तो मोदी जी ने कायदे से बता दिया था कि 'भारत धर्म के नाम पर कट्टरता तथा अपनी एकता, अखंडता और संप्रभुता के साथ समझौता नहीं करेगा।'

कनाडा में ट्रूडो की सरकार हिन्दुओं के हित सुरक्षित रखने में पूरी तरह से नाकाम रही। वहां पर मंदिरों को लगातार निशाना बनाया जाता रहा। कनाडा में मंदिरों पर हमलों की घटनाओं में आमतौर पर मंदिरों में तोड़फोड़, धार्मिक प्रतीकों को नुकसान पहुंचाना या स्प्रे पेंट करना शामिल होता है। कुछ मामलों में, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री भी लिखी गई है। जाहिर है, कनाडा में हिंदू समुदाय इन हमलों से गंभीर रूप से चिंतित है। वे सरकार से इन हमलों की जांच करने और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की मांग कर रहे हैं। कनाडा सरकार ने इन हमलों की औपचारिक निंदा तो की है और कहा है कि वह धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को बर्दाश्त नहीं करेगी। लेकिन , कोई भी दोषी पकड़े नहीं गए। ये किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि हमलों के पीछे खालिस्तानी शामिल थे।

कहने को कनाडा एक बहुसांस्कृतिक देश है। सरकार सभी धर्मों के लोगों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध बताई जाती है। पर हकीकत में ट्रूडो के काल में वहां की सरकार खुलकर भारत और हिन्दू विरोधी बनकर उभरी।

आपको याद होगा कि ट्रूडो भारत के किसानों के हित में बेवजह बयानबाजी करने लगे थे। जब किसानों ने अपनी मांगों के हक में दिल्ली में डेरा जमाया हुआ था तब ट्रूडो भारतीय किसानों के पक्ष में बोल रहे थे। इस मामले में ट्रूडो को बोलने का हक किसने दिया था। ट्रूडो कह रहे थे कि 'कनाडा दुनिया में कहीं भी किसानों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़ा रहेगा।' क्या कनाडा को हमारे घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने का किसीने अधिकार दिया था? एक बात साफ है कि किसी देश को दूसरे देश के आंतरिक मामलों में तभी बोलना चाहिए जब मानवाधिकारों का हनन हो रहा हो। सभी देशों को मानवाधिकारों की रक्षा करने की जिम्मेदारी है और जब कोई देश ऐसा करने में विफल रहता है, तो अन्य देशों को हस्तक्षेप करने का अधिकार है। अगर बात मानवाधिकारों से हटकर हो तो किसी देश को दूसरे देश के आंतरिक मामलों में कभी भी नहीं बोलना चाहिए। प्रत्येक देश को अपनी सरकार चुनने का अधिकार है और अन्य देशों को इस चुनाव में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

उम्मीद है कि कनाडा में ट्रूडो की विदाई के बाद दोनों देशों के रिश्ते फिर से पटरी पर आने लगेंगे।भारत और कनाडा के बीच संबंधों का पुराना इतिहास है। कनाडा ने 1947 में भारत की स्वतंत्रता को मान्यता दी और दोनों देशों ने 1947 में ही आपसी राजनयिक संबंध स्थापित किए।

दोनों देश राष्ट्रमंडल के सदस्य हैं और साझा मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को साझा करते हैं। भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हुई है, जिसमें ऊर्जा, कृषि, प्रौद्योगिकी और सेवाओं जैसे क्षेत्र शामिल हैं। दोनों देश व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर भी बातचीत कर रहे हैं , ताकि व्यापार और निवेश को और बढ़ावा दिया जा सके। इसके अलावा, कनाडा में भारतीय छात्रों की एक बड़ी संख्या है, और दोनों देशों के बीच शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अनुसंधान में सहयोग बढ़ रहा है। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर सहयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में आपसी तनावपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देना तो दोनों देशों के लिये नुकसानदायक ही होगा ।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

जस्टिन ट्रूड़ो के बाद

कनाड़ा की आंतरिक राजनीति में पिछले कुछ महीनों से जो उथल-पुथल चल रही थी, उससे इस बात के संकेत मिलने लग गए थे कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूड़ो को देर-सबेर अपने पद से हटना पड़ेगा। अंततः उन्हें सोमवार को प्रधानमंत्री और पार्टी के नेता, दोनों पदों से इस्तीफा देना पड़ा। कनाड़ा में आव्रजन का मुद्दा बहुत जटिल है। कनाड़ा में बहुत से लोग मानते हैं कि ट्रूड़ो अपनी सीमाओं को और अधिक खुला बनाने में बहुत आगे बढ़रूगए हैं और उनकी नीति से देश के नागरिकों को बेरोजगारी और महंगाई का सामना करना पड़.रहा है। कनाड़ा में इस साल चुनाव होने वाले हैं। जनमत सर्वेक्षण ट्रूड़ो की लोकप्रियता में गिरावट दर्शा रहे हैं। जाहिर है अपनी पार्टी के भीतर आंतरिक लड़ाई, जनमत सर्वेक्षणों के रुझान में पिछड़ना और अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप की टैरिफ बढ़ाने की धमकियों के बीच प्रधानमंत्री पद पर बने रहना ट्रूड़ो के लिए मुश्किल होता जा रहा था। 2015 के चुनाव में वह भारी जीत के साथसत्ता में आए थे। उस समय उनकी लोकप्रियता आसमान छू रही थी। वह ग्यारह सालों से अपनी लिबरल पार्टी के नेता और नौ सालों से कनाड़ा के प्रधानमंत्री रहे। उनके कार्यकाल में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध काफी खराब और तनावपूर्ण रहे। कनाड़ा में सिख उग्रवादियों को बढ़ावा देने से उनकी स्थितियां और ज्यादा खराब हुई। कनाड़ा पृथकतावादी खालिस्तान आंदोलन का मुख्य केंद्र रहा है। याद रखना चाहिए कि 2020 में भारत में चल रहे किसान आंदोलन को ट्रूड़ो ने समर्थन देते हुए कहा था कि दुनिया में जहां भी मानवाधिकार के हनन की बात होगी, कनाड़ा बोलेगा। यह भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप था। भारत ने इस पर आपत्ति की थी। सितम्बर, 2023 में उन्होंने आरोप लगाया था कि कनाड़ा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय अधिकारियों का हाथ है। लेकिन आज तक वह अपने आरोप के पक्षमें पुख्ता प्रमाण नहीं दे सके हैं। सच तो यह है कि निज्जर आपराधिक गैंगवार के चलते मारा गया और ट्रूड़ो के लिए वह नागरिक स्वतंत्रता का नायक बन गया है। इस बात की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि ट्रूड़ो के सत्ता में हटने के तुरंत बाद भारत और कनाड़ा के द्विपक्षीय संबंध सुधर जाएंगे लेकिन कहा जा सकता है कि इसकी शुरूआत हो गईहै। जनमत सर्वेक्षण बता रहे हैं कि कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिवरे, जो भारत से रिश्ते सुधारने के पक्ष में हैं, के प्रधानमंत्री बनने की ज्यादा उम्मीद है।

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो भगवान से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए।

इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है।

आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दु?ख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए।

ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है।

हिंदी का वैश्वीकरण और इंटरनेट पर बढ़ता प्रभाव

डॉ अनीता कुमारी

विश्व हिंदी केवल भारत की राजभाषा नहीं है, बल्कि यह विश्वभर में करोड़ों लोगों की मातृभाषा है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया गया है, जो इसकी वैश्विक स्थिति को दर्शाता है। हिंदी भाषा आज ना केवल भारत में, बल्कि नेपाल, पाकिस्तान, बांगलादेश, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो, फिजी, सूरीनाम जैसे देशों में भी प्रचलित है। यह तथ्य ही हिंदी के महत्व को प्रमाणित करता है, जो न केवल संस्कृति का वाहक है, बल्कि एक सशक्त माध्यम भी है संवाद और समझ को स्थापित करने का। हिंदी भाषा की समृद्धि उसकी विविधता में निहित है। हिंदी में न केवल भारतीय संस्कृतियों और परंपराओं की झलक मिलती है, बल्कि इसे विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों से भी प्रभावित किया गया है। संस्कृत, अरबी, फारसी, अंग्रेजी जैसे भाषाओं से इसके शब्दों में समृद्धि आई है, जिससे हिंदी में शब्दों की एक अनूठी विविधता बन गई है। उदाहरण के लिए, फिल्म उद्योग में हिंदी का प्रभाव को देखा जा सकता है। बॉलीवुड के फिल्मी गीत, संवाद और कहानियाँ न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय हैं, जो हिंदी के सामर्थ्य को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं।

हिंदी न केवल एक भाषा है, बल्कि यह भारतीय समाज और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी भाषा ने महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं की आवाज को लोगों तक पहुँचाया। हिंदी के माध्यम से राष्ट्र की एकता और सामाजिक साक्षरता का प्रसार हुआ। स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी ने एकता और जागरूकता का माध्यम बनने का कार्य किया। आज भी हिंदी भाषी क्षेत्रों में इसका सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान स्पष्ट रूप से देखा जाता है।

हालाँकि हिंदी की समृद्धि स्पष्ट है, लेकिन उसे आज भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ अंग्रेजी का प्रभुत्व बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर हिंदी को सिर्फ क्षेत्रीय या सांस्कृतिक भाषा के रूप में ही देखा जाता है। कई लोग इसे विकास की दिशा में बाधक मानते हैं। लेकिन, यह जरूरी है कि हम हिंदी को एक समृद्ध और आधुनिक भाषा के रूप में स्वीकार करें और इसके ज्ञान को सशक्त बनाने की दिशा में काम करें।

आज के डिजिटल युग में हिंदी का प्रभाव और भी बढ़ा है। इंटरनेट पर हिंदी के उपयोग में लगातार वृद्धि हो रही है। सोशल मीडिया, ब्लॉग्स, और वेबसाइट्स पर हिंदी में सामग्री बढ़ रही है। उदाहरण स्वरूप, भारतीय सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी अब हिंदी में भी उपलब्ध है, जो लाखों हिंदी भाषी नागरिकों के लिए उपयोगी है।

गूगल, फेसबुक, ट्विटर जैसी कंपनियाँ हिंदी को एक कार्यकुशल भाषा के रूप में मान्यता दे रही हैं, जिससे हिंदी की उपयोगिता और प्रासंगिकता बढ़ी है। इसके अलावा, मोबाइल एप्लिकेशन्स और ई-बुक्स के रूप में भी हिंदी में सामग्री का विस्तार हो रहा है। इससे यह स्पष्ट है कि हिंदी ना केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में एक सशक्त भाषा के रूप में उभर रही है।

विश्व हिंदी दिवस का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह हमें अपनी भाषा की महत्ता और उसकी समृद्ध परंपराओं को याद दिलाता है। हिंदी ना केवल भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, बल्कि यह आज वैश्विक मंच पर भी अपनी पहचान बना चुकी है। हमें चाहिए कि हम अपनी भाषा को सम्मान दें और उसका उपयोग न केवल घरेलू, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी करें। हिंदी की बढ़ती हुई महत्ता को ध्यान में रखते हुए, इसे समृद्ध बनाने के प्रयास निरंतर जारी रखने चाहिए, ताकि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सशक्त और समृद्ध भाषा के रूप में विकसित हो सके।

एचएमपीवी वायरसः नये खतरे से रहना होगा सतर्क

योगश कुमार गोयल

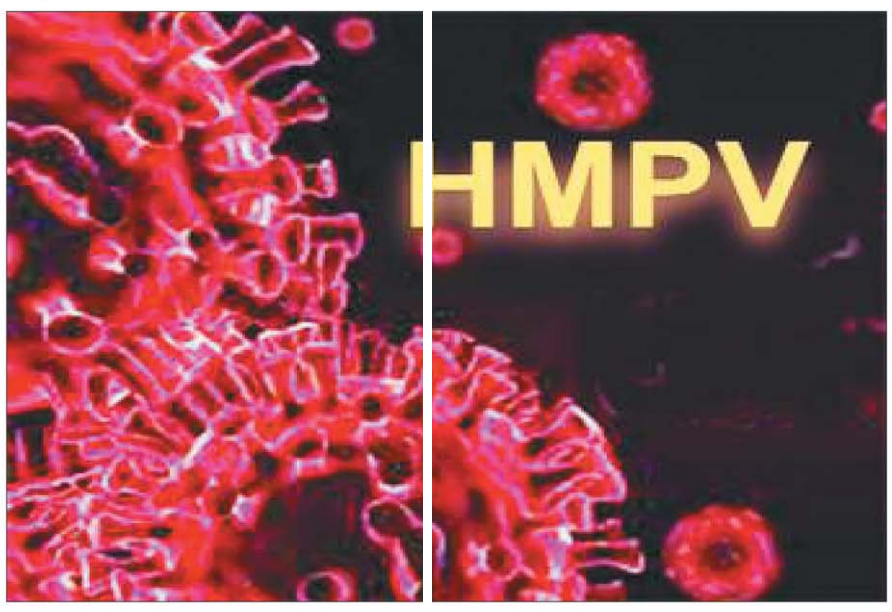

वर्ष 2020 में चीन से शुरू होकर कोरोना ने पूरी दुनिया में जो दहशत मचाई, उसे याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनिया भर में लाखों लोग मारे गए, लाखों परिवार उजड़ गए, अनेक बच्चे अनाथ हो गए।

अभी तक कोरोना का खौफ बरकरार है, और कोरोना की शुरूआत के 5 साल बाद अब चीन से ही एक और ऐसे ही खतरनाक वायरस की दस्तक की खबरें दुनिया के सामने आ रही हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह वायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है।

भारत में कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल में कुछ बच्चों में नये वायरस के मामले मिल चुके हैं, जिसके बाद भारत में सतर्कता बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि यह वायरस बच्चों और बुजुगरे को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में यह संक्रमण निमोनिया में परिवर्तित हो जाता है, और उनमें मौत का जोखिम बढ़ जाता है। हाल के दिनों में कई रिपोटरे में बताया जा चुका है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) नामक वायरस ने इन दिनों चीन में दहशत फैला रखी है।

इस खतरनाक वायरस के कारण बड़ी संख्या में मरीज मर रहे हैं, लेकिन कोविड की ही भांति चीन द्वारा इसे लेकर भी लीपापोती की जा रही है। हालांकि कुछ रिपोटरे में दावा किया जा रहा है कि इस वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है बताया जा रहा है कि उत्तर चीन के प्रांतों में 14 वर्ष से कम उम्र के लोगों में एचएमपीवी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खचाखच भरे अस्पताल और श्मशानों में बेतहाशा भीड़ इस संकट के कोरोना जैसा या उससे भी बदतर होने की पुष्टि कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर ह्यसार्स-सीओवी-2 (कोविड-19)ह्व नामक एक्स हैंडल द्वारा पोस्ट में लिखा गया है कि चीन एचएमपीवी, इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड-19 सहित कई वायरस के मामलों में उछाल का सामना कर रहा है, और वहां के अस्पताल निमोनिया और ह्यव्हाइट लंगह्व के मामलों से खासे परेशान हैं। एचएमपीवी वायरस का प्रकोप भी सबसे पहले चीन में ही शुरू हुआ है। दरअसल, बर्ड फ्लू से लेकर सार्स और कोविड तक सभी महासंहारक वायरल प्रकोपों की उत्पत्ति चीन से ही होती रही है।

चूंकि सभी वायरस चीन में ही पैदा होते रहे हैं, इसलिए ऐसे वायरस हमलों को लेकर दुनिया में चीन को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि कहीं कोविड-19 के बाद खतरनाक होता एचएमपीवी भी चीन की जैविक प्रयोगशालाओं में रची जा रही साजिश तो नहीं है। हालांकि डच शोधकताओं ने 2001 में सबसे पहले सन संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में इस वायरस की खोज की थी और हर साल कई देशों में इसके कुछ मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन चीन में जिस तरह इस वायरस ने आतंक मचाया हुआ है, ऐसे में भारत ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र स्थिति पर नजर रखे हुए है तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल का कहना है कि बताया गया है कि चीन में मेटान्यूमोवायरस वायरस का एक आउटब्रेक है, जो गंभीर है। हालांकि उनका कहना है कि हमें नहीं लगता कि भारत में किसी गंभीर स्थिति की आशंका है।

दिल्ली मेडिकल काउंसिल के चेयरमैन एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण गुप्ता का कहना है कि भारत में इस वायरस के कारण बीमारी बढ़ने की अभी आशंका नहीं है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, एचएमपीवी सभी उम्र के लोगों में अपर और लोअर रेस्पिरेटरी डिजीज का कारण बन सकता है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने-छींकने से निकलने वाले स्रव या नजदीकी संपर्क जैसे हाथ मिलाने से भी यह वायरस फैलता है। एचएमपीवी वायरस न्यूमोवायराइड और मेटान्यूमो वायरस जीनस का हिस्सा है, जो सिंगल-स्ट्रैंडेड नेगेटिव-सेंस आरएनए वायरस है।

चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, इस वायरस का संक्रमणकाल तीन से पांच दिन होता है। इसके संक्रमण से रोग-प्रतिरोधी क्षमता कमजोर होती है। एचएमपीवी कोरोना की ही भांति सन पथ को संक्रमित करता है, हालांकि कोरोना के मुकाबले इसके कारण ऊपरी और निचले, दोनों सन पथ में संक्रमण का खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह कम पहचाना वायरस है, लेकिन दुनिया भर में मौसमी सन बीमारियों में योगदान कर रहा है। एचएमपीवी में कोरोना ही भांति फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। सामान्य लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। इससे बचाव के उपायों में हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोना, खांसते और छींकते समय मुंह और नाक ढंकना, संक्रमितों से दूरी बनाना, स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद लेना, फ्लू के टीके लगवाना इत्यादि शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

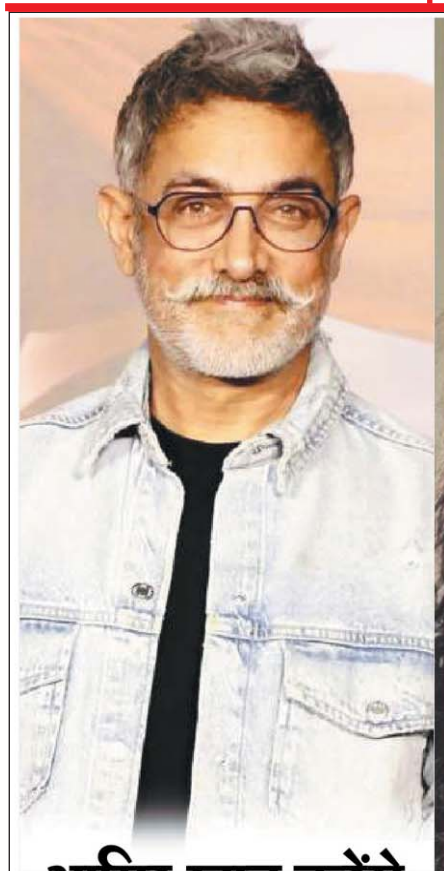

आमिर खान करेंगे फिल्म लवयापा का ट्रेलर लॉन्च

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले दो नए चेहरे जुनैद खान और खुशी कपूर हैं, जिन्होंने पिछले साल ही अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वे अब अपनी आने वाली फिल्म लवयापा के लिए चर्चा में हैं, जिसे 2025 में रिलीज किया जाना है। यह फिल्म अपनी घोषणा और फिल्मांकन शुरू होने के बाद से ही चर्चा में है। पिछले हफ्ते फिल्म का पहला गाना बिना किसी आधिकारिक पोस्टर, टीजर या ट्रेलर के रिलीज किया गया था। अब, निर्माताओं ने पहला ट्रेलर रिलीज करने का फैसला किया है और इसे कोई और नहीं, बल्कि जुनैद के पिता सुपरस्टार आमिर खान लॉन्च करेंगे।

जुनैद खान और खुशी कपूर की आने वाली फिल्म लवयापा का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसके टाइटल ट्रैक को कई बॉलीवुड सितारों ने भी सराहा था। वहीं, सोशल मीडिया पर भी फैंस ने ट्रैक पर प्यार लुटाया था। पहले गाने को मिली तारीफ के बाद अब इस फिल्म से और भी ज्यादा उम्मीदें बढ़ गई हैं। खास बात यह है कि आमिर खान इस हफ्ते इसका ट्रेलर लॉन्च करने वाले हैं।

इस दिन होगा ट्रेलर लॉन्च

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म निर्माता अब ट्रेलर लॉन्च के लिए तैयार हैं और आमिर खान ने इसे रिलीज करने के लिए हामी भर दी है। हालांकि जगह और समय के बारे में और जानकारी अभी घोषित नहीं की गई है। बताया गया है कि लवयापा के टाइटल ट्रैक की सफल रिलीज के बाद ट्रेलर अब लॉन्च के लिए तैयार है। आमिर खान 10 जनवरी, 2025 को इसका अनावरण करेंगे। लॉन्च के बारे में अतिरिक्त जानकारी का खुलासा होना अभी बाकी है।

आमिर ने की खुशी की तारीफ

अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित, इस फिल्म में जुनैद खान, खुशी कपूर और अन्य कलाकार हैं। हाल ही में आमिर खान ने फिल्म में खुशी कपूर के अभिनय की तारीफ की। उन्होंने कहा था कि जब मैंने फिल्म देखी और खुशी को देखा तो मुझे लगा कि मैं श्रीदेवी को देख रहा हूं। उनकी ऊर्जा और मौजूदगी ने मुझे उनकी मां की याद दिला दी। मैं श्रीदेवी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और हमेशा से उनके साथ काम करना चाहता था। वह एक असाधारण कलाकार थीं, जो कैमरा चालू होने पर जीवंत हो उठती थीं। खुशी के अभिनय में भी वही चमक साफ झलकती है।

गोट में काम करने के बाद डिप्रेशन में क्यों चली गई थीं मीनाक्षी? अभिनेत्री ने खोला राज

साल 2024 में मीनाक्षी चौधरी ने छह फिल्मों में काम किया था। नए साल पर वह अब संक्रांतिकी वस्थुन्नम नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता वेंकटेश के साथ नजर आएंगी। इसका निर्देशन अनिल रविपुडी ने किया है।

मीनाक्षी ने खोला राज

हाल ही में एक इंटरव्यू में मीनाक्षी ने अपने जीवन के एक कठिन दौर के बारे में बताया। उन्होंने साझा किया कि पिछले साल विजय की फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की रिलीज के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के लिए कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। इस आलोचना के वह एक हफ्ते तक डिप्रेशन में चली गई थीं।

लकी भास्कर में हुई काम की तारीफ

मीनाक्षी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि लकी भास्कर जैसी तेलुगू ब्लॉकबस्टर की सफलता के बाद उन्हें ढेर सारी सराहना मिली। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि आने वाले समय में सही प्रोजेक्ट्स का चुनाव कितना महत्वपूर्ण है।

जल्द इन फिल्मों में आएंगी नजर

अभी हाल ही में उन्होंने नवीन पॉलीशेट्टी के साथ अनगनगा ओका राजू नाम की फिल्म को साइन की है। फिलहाल, मीनाक्षी अपनी आगामी फिल्म संक्रांतिकी वस्थुन्नम के प्रचार में व्यस्त हैं। यह फिल्म 14 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी।

बेबी जॉन के बाद जी2 में नजर आएंगी वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ फिल्म बेबी जॉन में अभिनय के बाद अब वामिका गब्बी जी2 में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग यूरोप में पूरी हो चुकी है। इस फिल्म में वामिका के साथ अदिवि शेष और इमरान हाशमी नजर आएंगे।

अभिनेत्री वामिका गब्बी, जिन्हें हाल ही में वरुण धवन के साथ एक्शन फिल्म बेबी जॉन में देखा गया था, वह अब विनय कुमार सिरिगिनीदी द्वारा निर्देशित आगामी जासूसी थ्रिलर जी2 में नजर आएंगी। फिल्म जी2 अदिवी द्वारा लिखित और अभिनीत 2018 की हिट जासूसी थ्रिलर गुडाचारी का सीक्वल है। वामिका जासूसी थ्रिलर फ्रैंचाइजी की इस अगली किस्त में इमरान हाशमी और अदिवि शेष के साथ नजर आएंगी।

वामिका गब्बी ने फिल्म जी2 में अपनी उपस्थिति को जताते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में वामिका और अदिवी नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, स्पाई, एक्शन एडवेंचर जी2...अपनी अगली फिल्म की जानकारी शेयर करते हुए मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। मैं अब बेहतरीन को-एक्टर अदिवी सेश के साथ काम करने वाली हूं...इमरान सर से भी होगी सेट पर मुलाकात...

वामिका को प्राइम वीडियो सीरीज जुबली, नेटफ्लिक्स फिल्म खुफिया और सोनीलिव सीरीज चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलंग वैली में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। बहरहाल, वामिका ने वरुण धवन और कीर्ति सुरेश की फिल्म बेबी जॉन की रिलीज के दौरान जमकर सुर्खियां बटोरी थीं।

वामिका के साथ अदिवि शेष का भी होगा अहम रोल

अदिवि शेष और वामिका गब्बी के अलावा इस फिल्म में इमरान हाशमी, मुरली शर्मा, सुप्रिया यार्लागड्डा और मधु शालिनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। एवारू और मेजर जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले अदिवि शेष पहली बार वामिका के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म के अलावा अदिवी के पास एक्शन ड्रामा डकैत भी है। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर नजर आएंगी। यह शेनिल देव की निर्देशन में पहली फिल्म है। यह एक गुस्सैल अपराधी की कहानी है, जो अपनी पूर्व प्रेमिका से बदला लेने का प्लान बनाता है जिसने उसे धोखा दिया था।

फिर कानूनी मुसीबत में फंसी नयनतारा, कॉपीराइट मसले पर चंद्रमुखी के निर्माताओं ने भेजा नोटिस

लेडी सुपरस्टार नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल जब से रिलीज हुई है, अभिनेत्री कानूनी मुसीबत में घिरी हैं। यह डॉक्यूमेंट्री बीते वर्ष नवंबर में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। इसके बाद अभिनेता धनुष ने नयतनतारा को कानूनी नोटिस भेजा। दरअसल, डॉक्यूमेंट्री में धनुष के प्रोडक्शन की फिल्म नानम राउडी धान के कुछ सेकेंड के बीटीएस फुटेज शामिल किए गए। धनुष ने बिना अनुमति फिल्म का कंटेंट इस्तेमाल करने को लेकर अभिनेत्री को कानूनी नोटिस भेजकर 10 करोड़ रुपये की मांग की। नयनतारा ने सार्वजनिक रूप से बयान जारी कर इस पर प्रतिक्रिया दी थी। अब डॉक्यूमेंट्री पर एक नया विवाद सामने आया है।

चंद्रमुखी के निर्माताओं ने की पांच करोड़ रूपये की मांग

धनुष ने नयनतारा उनके पति व निर्देशक विग्नेश शिवन और नेटफ्लिक्स के खिलाफ मुकदमा किया था। अब नयनतारा की सुपरहिट फिल्म चंद्रमुखी के निर्माताओं ने भी अभिनेत्री व नेटफ्लिक्स को नोटिस भेजा है। आरोप है कि नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री में चंद्रमुखी की क्लिप का इस्तेमाल किया गया है। निर्माताओं ने नयनतारा और नेटफ्लिक्स को कानूनी नोटिस भेजकर फिल्म के कंटेंट के बगैर अनुमित इस्तेमाल के लिए पांच करोड़ रुपये की मांग की है।

नयनतारा की प्रतिक्रिया का इंतजार

अपनी डॉक्यूमेंट्री की रिलीज के बाद नयनतारा के सामने लगातार कानूनी चुनौतियां आ रही हैं। धनुष के कानूनी नोटिस भेजने के बाद नयनतारा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुलासा किया था कि धनुष ने कथित कॉपीराइट उल्लंघन के लिए 10 करोड़ रुपए की मांग की। अब चंद्रमुखी के मेकर्स ने जब नोटिस भेजा है तो अभिनेत्री के फैंस और इंडस्ट्री को इंतजार है कि इस मसले पर नयनतारा कब चुप्पी तोड़ती हैं।

साउथ से बॉलीवुड तक नयनतारा का जलवा

नयनतारा साउथ की चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने मलयालम, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखाया है। शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया और छा गईं। नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री की बात करें तो यह 18 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। नयनतारा के निजी जीवन की बात करें तो साल 2022 में उन्होंने विग्नेश शिवन से शादी रचाई। कपल के जुड़वा बच्चे- यूइर और उलगम हैं।

जैकी श्रॉफ ने अलग-अलग किरदार निभाने के बारे में खुलकर की बात

भारतीय सिनेमा के सबसे मशहूर और सम्मानित अभिनेताओं में से एक जैकी श्रॉफ ने दशकों तक एक शानदार करियर बनाया है। अपनी पूरी फ़िल्मोग्राफी में, दिग्गज स्टार ने कभी भी अलग-अलग किरदार निभाने और अपने हुनर को समृद्ध बनाने से परहेज़ नहीं किया। चाहे मुख्य युवा, दोस्त, गुस्सैल युवक या ग्रे रोल निभाना हो, जैकी श्रॉफ ने खुद को एक बहुमुखी पावरहाउस कलाकार के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में, बेबी जॉन अभिनेता ने विभिन्न किरदार निभाने के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे वह फिल्म निर्माताओं को अपने किरदारों के इर्द-गिर्द एक छवि बनाने देते हैं। इस बारे में बात करते हुए जैकी श्रॉफ ने कहा, मैं एक खुली किताब हूं और काम करता रहता हूं। मैं एक अभिनेता हूं; मैं नए किरदारों की खोज करता रहता हूं, चाहे वह बेबी जॉन हो या कोई और फिल्म। मैं खुद को निर्देशक की दृष्टि और कैमरामैन और तकनीशियनों की क्षमता पर छोड़ देता हूं।

अपनी सहजता और जीवंत व्यक्तित्व के लिए जाने जाने वाले जैकी श्रॉफ ने सिंघम अगेन और बेबी जॉन में ग्रे किरदारों के अपने चित्रण से दर्शकों को चौंका दिया। अभिनेता ने न केवल खतरनाक खलनायकों की भूमिकाएँ बहुत सहजता से निभाईं, बल्कि यादगार किरदार भी निभाए। अपनी प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति प्रभावशाली संवादों और दर्शकों को रोमांच के रोलरकोस्टर पर ले जाने की क्षमता से जैकी श्रॉफ ने अपने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। लेकिन, दिग्गज अभिनेता के लिए यह सब कुछ नहीं है! जैकी श्रॉफ अपनी आगामी कॉमिक कैपर हाउसफुल 5 के साथ लोगों को गुदगुदाने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अक्षय कुमार, नाना पाटेकर, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और अन्य के साथ एक हास्य भूमिका में नज़र आएंगे।

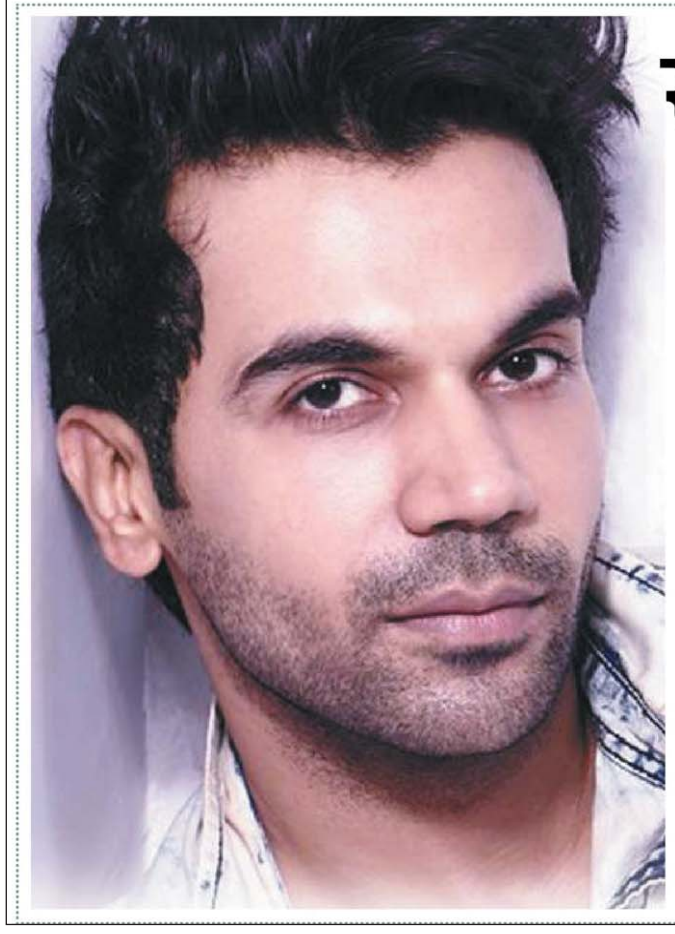

राजकुमार ने कंगना रनौत को बताया सबसे बड़ी स्टार

कंगना रनौत बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं जो अपनी बात बेबाकी से रखती हैं और कभी भी अपनी बात कहने से नहीं कतराती हैं। कभी-कभी यह बात उनके बॉलीवुड के साथियों को पसंद नहीं आती। राजकुमार राव ने नेहा धूपिया के साथ अपने पुराने इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने बॉलीवुड की सबसे बड़ी स्टार कंगना के साथ काम किया है।

जब राजकुमार ने कंगना को बताया था स्टार

एक इंटरव्यू के दौरान जब नेहा धूपिया ने राजकुमार से पूछा कि उन्होंने किस सबसे बड़ी स्टार के साथ काम किया है, तो बिना किसी देरी के राजकुमार ने कंगना का नाम लिया। नेहा ने सहमति में हंसते हुए इसे एक अच्छा जवाब बताया और अपनी सोने की उंगूठिया उन्हें देने लगीं। इस पर राजकुमार बोले- मुझे इसकी जरूरत नहीं है। नेहा और राजकुमार के बीच यह बातचीत सोशल मीडिया पर फिर से सामने आई है, जब इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज हुआ है। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री कंगना रनौत ने क्वीन और जजमेंटल है क्या जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

कंगना-राजकुमार की आने वाली फिल्म

कंगना रनौत जल्द ही इमरजेंसी में नजर आएंगी और आज ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इस ट्रेलर में 1975 के उथल-पुथल भरे दिनों की राजनीतिक बिसात को दिखाया गया है। इस फिल्म में कंगना इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपदे, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी के अलावा कई अभिनेता नजर आएंगे। राजकुमार राव की बात करें तो हैं आखिरी बार विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था। इस कॉमेडी फिल्म में राजकुमार के साथ तृप्ति डिमरी नजर आई थीं। इससे पहले राजकुमार स्त्री 2 में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही। इस फिल्म में राजकुमार के साथ श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना नजर आए थे।

कन्नप्पा में मां पार्वती के रूप में नजर आईं काजल अग्रवाल

फिल्म कन्नप्पा से साउथ अभिनेत्री काजल का लुक जारी हुआ है। फिल्म के इस पोस्टर में काजल माता पार्वती के रूप में नजर आ रही हैं।

काजल ने अपने लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और लिखा, ड्रीम रोल, जिसकी जरूरत थी, 2025 की ऐसी शुरुआत से खुश हूं.. कन्नप्पा, हर हर महादेव, मां पार्वती। मां पार्वती के रूप में काजल बेहद सौम्य और शांत मुद्रा में दिखाई दे रही है। कन्नप्पा इस साल 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। तेलुगु में शूट की गई कन्नप्पा को तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी में डब किया जाएगा।

मंधाना की कप्तानी में आज आयरलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

राजकोट (एजेंसी)। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में जीत के इरादे से उतरेगी। हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज में जीत से टीम उत्साहित है और उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। मंधाना ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों ही प्रारूपों में सबसे अधिक रन बनाए। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में भी बेहतर बल्लेबाजी करना रहेगा।

इस सीरीज में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम देकर मंधाना को कप्तानी दी गयी है। हरमनप्रीत के अलावा तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को भी आराम दिया गया है। ऐसे में इस सीरीज में हरलीन देयोल, प्रतीका रावल को शामिल किया गया है। टीम में रन बनाने की जिम्मेदारी मंधाना के अलावा जेमिमा रौड्रिग्स पर भी रहेगी।

गेंदबाजी में रेणुका के नहीं होने से अब नई गेंदबाज टिटास साधू और साइमा ठाकोर को शामिल किया गया है। एकदिवसीय में तीन और टी20 में 13 विकेट ले चुकी साधू इस बार भी बेहतर करना चाहेंगी। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रफ्तार और स्विंग से प्रभावित किया है। वहीं साइमा ने अब तक आठ एकदिवसीय में सात विकेट लिए हैं। इसके अलावा आफ स्पिनर और उपकप्तान दीप्ति शर्मा की भूमिका भी अहम होगी जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 31 रन देकर छह विकेट लिये। उनका साथ देने के लिये प्रिया मिश्रा और तनुजा कंवर होंगी।

ऑलराउंडर राघवी बिष्ट और सयाली सतघारे को भी टीम में शामिल किया गया है। वह इस अवसर का लाभ उठाना चाहेंगी। वहीं दूसरी ओर गैरी लुईस की कप्तानी वाली आयरलैंड भी अपनी ओर से पूरी तकता लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो आयरलैंड टीम ने अब तक 12 एकदिवसीय में एक भी बार भारत को नहीं हराया है। ऐसे में इस सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

टीम

भारत ः स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, उमा छेत्री, रिचा घोष, तेजल हसंबिस, राघवी बिष्ट, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधू, साइमा ठाकोर, सयाली सतघारे।

आयरलैंड ः गैबी लुईस (कप्तान), एवा केनिंग, क्रिस्टिना रीली, अलाना डालजेल, लौरा डेलानी, जॉर्जिना डेंपसे, सारा फोर्ब्स, अर्लेने केली, जोआना लोगरान, एमी मागिरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडेरगास्ट, उना रेमंड होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका दौरे के लिए घोषित की टीम, स्मिथ करेंगे कप्तानी

–कोनोली पहली बार शामिल, मैकस्वीनी की भी वापसी

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने श्रीलंका के खिलाफ इसी माह 29 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को दी गयी है क्योंकि टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस अभी निजी कारणों से टीम से बाहर हैं। इसके साथ ही वह उनके टखने में भी चोट है। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अंडर-19 क्रिकेट टीम के उपकप्तान कूपर कोनोली को भी जगह मिली है। इसके अलावा युवा खिलाड़ी नाथन मैकस्वीनी की भी वापसी हुई है। मैकस्वीनी को भारत के खिलाफ सीरीज में विफल होने के कारण अंतिम टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। स्पिनर मैट कुहनेमैन और टॉड मर्फी को भी टीम में जगह मिली है। जोश हेजलवुड और मिशेल मार्श को फिट नहीं होने के कारण टीम में जगह नहीं मिली है।,

वहीं ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, स्पिनर एडम जाम्पा और पीटर हैंड्सकॉम्ब जैसे खिलाड़ियों को दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों के रूप में गया था पर टीम में शामिल नहीं किया गया है। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि श्रीलंका में लाल गेंद से खेलने का अनुभव खिलाड़ियों के लिए काफी अच्छा रहेगा। बेली ने कहा, श्रीलंका दौरा चुनौतीपूर्ण रहेगा क्योंकि यहां खिलाड़ियों को अलग-अलग हालातों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही कहा कहा, हम उन टीम के सदस्यों के लिए भी उत्साहित हैं, जो अपने टेस्ट करियर की शुरुआत में हैं और उपमहाद्वीप के हालातों में बेहतर प्रदर्शन कर अपने खेल को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे।

इस सीरीजी का पहला मैच गाले में 29 जनवरी से जबकि दूसरा 6 फरवरी से इसी मैदान में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोन्स्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

विराट आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष 25 में भी जगह नहीं बना पाये, 27वें स्थान पर खिसके

केपटाउन (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने खराब फार्म के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में शीर्ष 25 खिलाड़ियों में भी जगह नहीं बना पाये हैं और 27वें स्थान पर खिसक गये हैं। विराट कुछ समय पहले तक टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष चार खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में आने के दो साल के अंदर ही कोहली शीर्ष 10 बल्लेबाजी में पहुंच गए थे। 12 साल तक वह शीर्ष 25 में रहे पर अब उससे भी बाहर हो गये हैं जो उनके लिए करारा झटका है। 12 साल बाद उन्हें क्रिकेट प्रशंसका शीर्ष 25 से बाहर होते देख रहे हैं। अब वह 614 रेटिंग के साथ 27वें स्थान पर हैं। कोहली ने अगस्त 2018 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रेटिंग 937 हासिल की, जो टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी भी भारतीय क्रिकेटर की सबसे अधिक रेटिंग है। उन्होंने अंतिम बार फरवरी 2020 में आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपनो शीर्ष स्थान गंवा दिया था। कोहली ने इसके बाद सला 2023 में जोरदार वापसी करते हुए 32 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 21.83 की औसत से 655 रन बनाए पर इसके बाद टेस्ट में वह अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में असफल होने से भी उनकी रैंकिंग गिरी हैं। ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में वह केवल 190 रन बना पाए थे। इस कारण वह आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप 25 से बाहर हो गए हैं। उन्होंने आखिरी बार 2011 में अपने टेस्ट डेब्यू के ठीक एक साल बाद 2012 में आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 25 में जगह पाई थी। वह सिडनी में पांचवें टेस्ट में सिर्फ 17 और 6 रन बनाए, जिससे उनकी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एक और गिरावट आई। सिडनी टेस्ट के बाद कोहली 3 स्थान नीचे खिसक गए और अब आईसीसी की ताजा रैंकिंग में उनकी रेटिंग 614 हो गई है। वहीं भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल 847 रेटिंग अंक के साथ ही चौथे स्थान पर आये हैं जबकि 739 रेटिंग अंक के साथ ही ऋषभ पंत नौवे नंबर पर हैं।

मैं इस बात से निराश हूं कि यह सब कैसे समाप्त हुआ: गुप्टिल ने संन्यास के बाद दी पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद न्यूजीलैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल को लगता है कि उनके पास राष्ट्रीय टीम में योगदान देने के लिए और भी बहुत कुछ था और उन्होंने 'इस बात से थोड़ी निराशा व्यक्त की कि यह सब कैसे समाप्त हुआ।' 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 2022 के अंत में कहीं और खेलने के अवसरों की तलाश के लिए अपना अनुबंध वापस कर दिया। उन्होंने बुधवार को आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की।

गुप्टिल ने ब्लैक कैप्स के लिए 367 मैच (198 वनडे, 122 टी20आई, 47 टेस्ट) खेले, जिसमें तीनों प्रारूपों में 23 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाए। उन्होंने अपने 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर (2009 से 2022) को न्यूजीलैंड के प्रमुख टी20आई रन-स्कोरर के रूप में 122 टी20आई मैचों में 3,531 रन बनाकर समाप्त किया और उनके 7,346 वनडे रनों ने उन्हें रॉस टेलर और स्टीफन फ्लेमिंग के बाद वनडे सूची में तीसरे स्थान पर रखा।

गुप्टिल के हवाले से कहा गया, 'मुझे लगता है कि यह वही है जो है और इसके इर्द-गिर्द जो निर्णय लिए गए हैं। जाहिर है कि मैं और अधिक खेलना पसंद करता, मुझे लगता है कि मेरे पास न्यूजीलैंड क्रिकेट और ब्लैक कैप्स को देने के लिए बहुत कुछ था। लेकिन यह वही है जो है। मैं इस बात से थोड़ा निराश हूं कि यह सब कैसे समाप्त हुआ, लेकिन मुझे आगे बढ़ना है।'

गुप्टिल 2009 में अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर छा गए जब वे ईडन पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू पर शतक बनाने वाले पहले न्यूजीलैंड के खिलाड़ी बने। इसके अलावा वे ढ्ष्टष्ट क्रिकेट विश्व कप 2015 में वनडे दोहरा शतक बनाने वाले पहले न्यूजीलैंड के खिलाड़ी थे, उन्होंने वेलिंगटन स्टेडियम में वेस्टइंडीज पर क्वार्टर फाइनल में जीत के लिए नाबाद 237 रन बनाए थे।

गुप्टिल ने दो टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी बनाए जो 2012 में ईस्ट लंदन के बफेलो पार्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 69 गेंदों पर नाबाद 101 रन और छह साल बाद ऑकलैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 गेंदों पर 105 रन थे। गुप्टिल ने न्यूजीलैंड के लिए 47 टेस्ट मैच खेले जिसमें उन्होंने 17 अर्धशतक और तीन शतक बनाए जिसमें 2010 में सेडन पार्क में बांग्लादेश के खिलाफ 189 रन, 2011 में बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर जिम्बाब्वे के खिलाफ 109 रन और 2015 में डुनेडिन में श्रीलंका के खिलाफ 156 रन शामिल हैं।

उनका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर बांग्लादेश के खिलाफ 189 रन है जो नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए आया था, लेकिन गुप्टिल ने पारी की शुरुआत करने की चुनौती को प्राथमिकता दी, जिसे उन्होंने अपनी सर्वश्रेष्ठ भूमिका के रूप में देखा। उन्होंने कहा, 'मेरे पास पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का मौका था, लेकिन मैं फिर से शीर्ष पर जाना चाहता था। मुझे कोई पछतावा नहीं है, मैंने इसे अच्छे से आजमाया। मुझे ऐसा करने में बहुत मजा आया। मेरे लिए सबसे गर्व के क्षणों में से एक ब्लैक कैप हासिल करना था, और यह मेरे घर पर गर्व से है।'

मैदान में उनके कौशल को विश्व स्तरीय माना जाता था और उन्होंने लगातार ब्लैककैप के लिए मानक स्थापित किए, जिसके परिणामस्वरूप कई शानदार कैच, बच व और रन आउट हुए। उन्होंने 2019 विश्व कप सेमी फाइनल में रनआउट करके भारत के दिग्गज एमएस धोनी के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत किया। गुप्टिल व मान में सुपर स्मैश में ऑकलैंड एसेस के लिए नेतृत्व क रहे हैं और टी20 फ्रैंचाइजी क्रिकेट में अपना खेल जार रखेंगे।

अभिषेक बच्चन ने यूरोपियन टी20 लीग में किया निवेश

मुम्बई। अभिनेता अभिषेक बच्चन ने यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (इटीपीएल) में निवेश किया है और वह इस टीम के सह–मालिक बने हैं। इस लीग की शुरुआत इसी साल जुलाई में होगी और यह आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्डों के संयुक्त सहयोग से आयोजित की जाएगी। अभिषेक ने सहमालिक बनने पर खुशी जताते हुए कहा, क्रिकेट केवल एक खेल नहीं है, यह सीमाओं से परे एकता और जुड़ाव का प्रतीक है। यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग क्रिकेट की बढ़ती वैश्विक अपील को प्रदर्शित करने के लिए एक आदर्श मंच है। 2028 ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने के साथ, इसकी लोकप्रियता आने वाले समय में और भी बढ़ने वाली है। मैं इस शानदार साझेदारी को लेकर बेहद उत्साहित हूं और इसके सफल आयोजन में अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। अभिषेक ने आगे आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्ड्स और आईसीसी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनका अथक परिश्रम इस लीग को एक अभूतपूर्व सफलता बनाने में मदद करेगा।

बुमराह आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, करियर की सर्वश्रेष्ठ 908 रेटिंग हासिल की

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। बुमराह ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 908 रेटिंग हासिल करते हुए अपना शीर्ष स्थान बनाये रखा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से पहले 907 अंक लेकर बुमराह सबसे अधिक रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारतीय बने थे। वहीं अंतिम टेस्ट की पहली पारी में दो विकेट हासिल करने के साथ ही बुमराह की रेटिंग में एक अंक का सुधार आया। वह पीठ में ऐंठन के कारण दूसरी पारी में नहीं खेल पाये। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ ही संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह शीर्ष 10 में आने वाले बुमराह के बाद दूसरे भारतीय हैं। जडेजा को ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ संयुक्त रूप से नौवां स्थान मिला है। बोलैंड सिडनी में शानदार प्रदर्शन के बल पर 29 पायदान के सुधार के साथ ही शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं। सिडनी में बोलैंड ने 10 विकेट लिए। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की भी रैंकिंग बेहतर हुई है, वह अंतिम टेस्ट में 5 विकेट की बदौलत दूसरे नंबर पर पहुंचने में सफल हुए जबकि दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा एक पायदान के लाभ से तीसरे स्थान पर पहुंचे जबकि चोटिल जोश हेजलवुड दो पायदान के नुकसान से चौथे स्थान पर फिसल गये हैं। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग के साथ ही नौवें नंबर पर पहुंच गये जबकि यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर रहे।

जडेजा का अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त होने की ओर : रिपोर्ट

–चैंपियंस ट्रॉफी में भी जगह मिलने की संभावना नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का क्रिकेट करियर समाप्त होने की ओर है। एक समय जहां जडेजा आपनी अक्रामक बल्लेबाजी, कसी हुई फिल्डिंग और बेहतरीन गेंदबाजी के कारण टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते थे। वहीं अब ये बात नहीं रही और उनका प्रदर्शन भी नीचे आने लगा है।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से प्रभावित नहीं कर पाये। ऐसे में जडेजा को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह शायद ही मिले। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन अब एकदिवसीय विश्व कप 2027 की तैयारियों में लगे हैं। ऐसे में उसी अनुसार टीम भी बनाएंगे। इसकी शुरुआत चैंपियंस ट्रॉफी से ही होने की संभावना है। सफेद और लाल गेंद दोनो ही प्रारुपों में ही जडेजा का प्रदर्शन जिस प्रकार नीचे जा रहा है उससे भी टीम प्रबंधन उनके विकल्प देखना चाहेगा। इसके अलावा उनकी उम्र भी 35 तक पहुंच गयी है। वहीं गंभीर हर प्रारुप में कोर टीम बनाना चाहते हैं जो लंबे समय तक खेल सके। अभी तक उन्होंने लंबे प्रारूपों के साथ बहुत अधिक बदलाव नहीं किया है पर एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक मजबूत टीम बनाने में वह लगे हैं। ऐसे में वह उनकी जगह किसी नये खिलाड़ी को अवसर देना चाहेंगे। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर जैसे नाम है। पिछले साल जुलाई में टी20 विश्व कप जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा करने के बाद जडेजा को श्रीलंका में एकदिवसीचय सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। ऐसे में अब टेस्ट क्रिकेट में भी टीम प्रबंधन उनसे आगे बढ़ कसता है।

दूसरी ओर अक्षर पटेल भी जडेजा के लिए एक बड़ी चुनौती है। उन्हें जडेजा के विकल्प के रूप में तैयार किया गया है। वाशिंगटन सुंदर का स्पिनर ऑलराउंडर के रूप में उभरना भी एक बड़ी सकारात्मक बात है। इसके कुलदीप यादव की फिटनेस पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम को उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

प्रणय मलेशिया ओपन के दूसरे दौर में हारे, चीन के लि शि फेंग ने दी मात

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को यहां मलेशिया सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीन के लि शि फेंग से हारकर बाहर हो गए। भारत के 32 साल के खिलाड़ी को एक घंटे 22 मिनट तक चले मैच में सातवें वरीय लि से 8–21, 21–15, 21–23 से हार मिली। इससे पहले त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को राउंड 16 मैच में चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान से 21–15, 19–21, 19–21 से पराजय झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 44 मिनट में चीन की चेंग जिंग और झांग चि की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13–21, 20–22 से शिकस्त मिली।

शेफाली निश्चित तौर पर टीम की योजना में शामिल है: मंधाना

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल खराब प्रदर्शन के कारण बाहर की गईं सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा निश्चित रूप से टीम की योजना में बनी हुई हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिए जाने के कारण मंधाना आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी इस श्रृंखला के लिए हरमनप्रीत के साथ तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को भी आराम दिया गया है।

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाली शेफाली को दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। मंधाना ने आयरलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'हरमनप्रीत को आराम दिया गया है। शेफाली पिछली दो या तीन एकदिवसीय श्रृंखलाओं में टीम का हिस्सा नहीं है। उनकी गैरमौजूदगी में प्रतिका (रावल) ने पिछली श्रृंखला में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। शेफाली ने इस दौरान घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये है और वह निश्चित रूप राष्ट्रीय टीम की योजना में शामिल है।'

मंधाना ने कहा, 'मैं खुश हूं कि उसने घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये।' मंधाना ने अपने पास उपलब्ध संसाधनों के साथ टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, 'हमें एक टीम के रूप में हमारे पास जो नहीं है उसके बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। हम सकारात्मक मानसिकता रखना चाहते हैं कि हमारे पास वास्तव में एक संतुलित टीम है। जिन खिलाड़ियों को टीम में मौका मिला है वह वास्तव में अच्छा कर रही हैं।'

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था लेकिन टीम ने घरेलू सरजमी पर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और एकदिवसीय श्रृंखला में क्रमशः 2-1 और 3-0 से जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन ने टीम के हौसले बुलंद है। मंधाना ने कहा, 'वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला से निश्चित रूप से हमरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा। हमारे बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया था। उम्मीद है कि हम उस लय को जारी रखेंगे।'

भारतीय कप्तान ने कहा कि हरमनप्रीत और रेणुका की गैरमौजूदगी से युवा खिलाडियों के पास अपनी प्रतिभा को लोहा मनवाने की चुनौती होगी। मंधाना ने कहा, 'दोनों को विश्राम मिला है इसलिए यह युवा खिलाड़ियों के लिए अच्छा मौका होगा। मुझे यकीन है कि जिस किसी को भी मौका मिलेगा, वे इसे दोनों हाथों से लपकने की कोशिश करेंगे।'

चैंपियंस ट्रॉफी में शुभमन की जगह यशस्वी को मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चयनकर्ताओं बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शामिल कर सकते हैं। यशस्वी को इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने का अवसर मिल सकता है। यशस्वी इसलिए भी चयन समिति की पहली पसंद है क्योंकि शुभमन गिल का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की हार को भुलाकर आगे बढ़ना चाहेंगे और इसके लिए उन्हें एक अच्छे जोड़ीदारी की जरुरत होगी। टेस्ट में भले ही रोहित पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर एक एकदिवसीय में जमकर रन बना सकते हैं। वहीं यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान पारी की शुरुआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं एकदिवसीय विश्वकप में रोहित के जोड़ीदारर रहे शुभमन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। वह इस दौरान एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। दूसरी ओर यशस्वी ने उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाए थे। यशस्वी ने 5 मैच की 10 पारियों में 1 शतक और 2 अर्धशतक की सहायता से 391 रन बनाये थे। यशस्वी ने अब तक कोई एकदिवसीय नहीं खेला है, ऐसे में वह इस टूर्नामेंट से 50 ओवरों के प्रारुप में डेब्यू कर सकते हैं।

खो-खो विश्व कप के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 13 जनवरी से शुरू होने वाले खो-खो विश्व कप के उद्घाटन सत्र में प्रतीक वायकर भारतीय पुरुष टीम जबकि प्रियंका इंगले महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टूर्नामेंट 13 से 19 जनवरी तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। भारतीय पुरुष टीम शुरुआती दिन (13 जनवरी) नेपाल से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम 14 जनवरी को दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी।

इस दौरान मुन्नी जून महिला टीम के लिए मुख्य कोच के रूप में काम करेंगी, जबकि अश्विनी कुमार पुरुष टीम के सलाहकार होंगे। भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खो-खो विश्व कप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा के साथ बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। मित्तल ने टीमों की जर्सी में एक विशेष बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि पुरुष और महिला दोनों टीमें की जर्सी पर 'भारत' लिखा होगा। खेलों में भारतीय टीम की जर्सी पर आमतौर पर 'इंडिया' लिखा होता है।

मित्तल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हमारी टीम को 'भारत की टीम' के नाम से जाना जाएगा। जर्सी पर 'भारत' प्रमुखता से अंकित होगा।' इस मौके पर महिला वर्ग की विजेता को दी जाने वाली ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया। खो-खो विश्व कप की सीओओ (मुख्य संचालन अधिकारी) गीता सुधन ने कहा, 'हरी ट्रॉफी उन महिलाओं को सम्मानित करेगी जो अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगी।' टूर्नामेंट से पहले जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक तैयारी शिविर का आयोजन हुआ था जिसमें पूरे भारत से 60 पुरुष और इतने ही महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय टीमों में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा की।

संक्षिप्त समाचार

लेबनानी प्रधानमंत्री ने अमेरिका से कहा, संघर्ष विराम समझौते का लगातार उल्लंघन कर रहा इजरायल

बेरूत , एजेंसी। लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने आरोप लगाया है कि इजरायल संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर रहा है और उसे ये तुरंत बंद करना चाहिए। मिकाती ने सोमवार को अमेरिकी दूत अमोस होचस्टीन के साथ बैठक के दौरान संघर्ष विराम उल्लंघन, दक्षिणी शहरों पर चल रहे हमलों, घरों और सुविधाओं के व्यवस्थित विनाश और लेबनानी हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का जिक्र करते हुए इसे तुरंत रोकने की मांग दोहराई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया, उन्होंने समझौते द्वारा निर्धारित 60 दिनों की समाप्ति से पहले इजरायली वापसी को पूरा करने के लिए एक स्पष्ट समय सारिणी निर्धारित करने का भी आह्वान किया। होचस्टीन ने मिकाती और लेबनानी सदन के अध्यक्ष नबीह बेरी के साथ हुई बैठकों के बाद कहा कि इजरायली वापसी तब तक जारी रहेगी जब तक कि सभी इजरायली सेना लेबनानी क्षेत्र को नहीं छोड़ देती। होचस्टीन ने एक टेलीविजन बयान में कहा, इजराइली रक्षा बलों ने आज पश्चिमी क्षेत्र के अधिकांश भाग नकौरा से अपनी वापसी शुरू कर दी है और ब्लू लाइन के दक्षिण में इजरायल में वापस आ गए हैं। ये वापसी तब तक जारी रहेगी जब तक कि सभी इजरायली सेनाएं लेबनान से पूरी तरह से बाहर नहीं निकल जातीं और लेबनानी सेना दक्षिण और ब्लू लाइन में तैनात होती रहती है। होचस्टीन ने कहा कि युद्ध विराम की निगरानी करने वाली समिति अगले 20 दिनों तक लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के सहयोग से इजरायल की वापसी और लेबनानी सेना की तैनाती पर काम करना जारी रखेगी। होचस्टीन ने कहा, मुझे अगले कुछ दिनों में काफी प्रगति देखने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा, कार्यान्वयन उतनी जल्दी नहीं दिख रहा है, जितनी कुछ लोग चाहते थे। लेकिन आज नकौरा में मैंने जो सुना, उससे मुझे उम्मीद है कि हम सही रास्ते पर हैं। बता दें कि अमेरिका और फ्रांस द्वारा मध्यस्थता किया गया युद्ध विराम 27 नवंबर 2024 को प्रभावी हुआ था, जिसका उद्देश्य इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच लगभग 14 महीने से चल रहे संघर्ष को समाप्त करना है।

दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम आबादी वाले मुल्क की ब्रिक्स में एंट्री, बना 11वां देश

साओ पाउलो , एजेंसी। दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के औपचारिक समूह ब्रिक्स का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्व में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया की ब्रिक्स समूह में एंट्री हो गई है। इसी के साथ इंडोनेशिया ब्रिक्स का हिस्सा बनने वाला 11वां देश बन गया है। समूह के मौजूदा अध्यक्ष ब्राजील ने मंगलवार को ऐलान किया कि इंडोनेशिया ब्रिक्स समूह का पूर्ण सदस्य बन गया है। ब्राजील ने कहा कि 2023 में जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन में ब्लॉक के सदस्यों ने इंडोनेशिया की उम्मीदवारी का समर्थन किया था। इसके बाद इंडोनेशिया को समूह में शामिल करने का फैसला लिया गया है। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में इंडोनेशिया के ब्रिक्स में शामिल होने का स्वागत किया। इसमें कहा गया कि इंडोनेशिया और अन्य ब्रिक्स सदस्य वैश्विक शासन संस्थाओं में सुधार का समर्थन करते हैं। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ब्राजील सरकार ब्रिक्स में इंडोनेशिया के प्रवेश का स्वागत करती है। दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और आबादी वाले देश के रूप में इंडोनेशिया अन्य ब्रिक्स सदस्यों के साथ ग्लोबल संस्थानों में सुधार का समर्थन करता है। गौरतलब है कि ब्राजील, रूस, भारत और चीन ने साल 2009 में ब्रिक्स का गठन किया था। साल 2010 में दक्षिण अफ्रीका को ब्रिक्स समूह में जोड़ा गया था। पिछले साल 2024 में समूह का विस्तार ईरान, मिस्र, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब को शामिल करने के लिए किया गया था।

यूएस में बर्ड फ्लू से पहली मौत; एच5एन1 वायरस के मानव संक्रमण का था पहला गंभीर केस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां बर्ड फ्लू से पहली बार एक इंसान की मौत हुई है। लुइसियाना स्वास्थ्य विभाग के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बर्ड फ्लू से मारा गए व्यक्ति 65 साल से अधिक उम्र का था और उसे पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं। बता दें कि अमेरिका में अब तक बर्ड फ्लू के कुल 66 मानव मामले सामने आए हैं और इनका संबंध दस राज्यों में हुआ है, जिनमें लुइसियाना भी शामिल है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि यह मौत अत्यधिक संक्रामक एवियन इन्फ्लूएंजा (एचपीएआई) या एच5एन1 वायरस के कारण हुई है, जिसे व्यक्ति ने अपने गैर-वाणिज्यिक पिछवाड़े के झुंड और जंगली पक्षियों से संपर्क में आकर पकड़ा था। लुइसियाना में यह पहला मामला है, जिसको लेकर विभाग ने कहा कि किसी अन्य एच5एन1 मामले या मानव से मानव में संक्रमण के कोई सबूत नहीं मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग ने रोगी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि अब आगे इस मामले में कोई और जानकारी नहीं दी जाएगी।

मरियम ने यूएई शेख जायद से मिलाया हाथ, पाकिस्तान में छिड़ गया विवाद

– इमरान समर्थक बता रहे गलत, नवाज समर्थक मान रहे प्रोटोकॉल का हिस्सा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में महिला मंत्री को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यहां मरियम नवाज की यूएई राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद के साथ मुलाकात ने बहस छेड़ दी है। मंगलवार को यूएई के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति अपनी निजी यात्रा पर पाकिस्तान आए। रहीम यार खान के एयरपोर्ट पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और मरियम नवाज ने गर्मजोशी से उनका इस्तकबाल किया। इस दौरान मरियम नवाज ने शेख मोहम्मद बिन जायद से हाथ मिलाया।

सोशल मीडिया पर वायरल इस तस्वीर ने पाकिस्तान में धार्मिक और सांस्कृतिक बहस छेड़ दी है। आलोचक इस तरह से हाथ मिलाने को शरीयत के खिलाफ बता रहे हैं और मरियम नवाज की आलोचना कर रहे हैं। दूसरी ओर उनके समर्थक इसे आधुनिक प्रोटोकॉल का हिस्सा मानकर जायज ठहरा रहे हैं।

इस्लामी कानून के मुताबिक महिला को महरम यानी परिवार के करीबी पुरुष के अलावा अन्य किसी पुरुष के साथ शारीरिक संपर्क से बचना चाहिए। इस संदर्भ में मरियम नवाज का किसी गैर-महरम से हाथ मिलाना कई कट्टरपंथियों को आपत्तिजनक लगा। पूर्व पीएम इमरान खान के समर्थकों ने इस मामले को लेकर मरियम पर निशाना साधा, जबकि मरियम के समर्थकों ने इमरान के पिछले कार्यकाल की तस्वीरें साझा कर, उन्हें भी कटघरे में खड़ा कर दिया।

पाकिस्तानी यूट्यूबर मंसूर अली खान ने कहा कि मरियम नवाज ने गैर-महरम से हाथ मिलाकर गलत किया है, तो इमरान खान के भी कई अंतरराष्ट्रीय महिला नेताओं से हाथ मिलाने को गलत माना जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस मुद्दे को तूल देने की आलोचना करते हुए कहा कि हाथ मिलाने को लेकर विवाद पैदा करना अनावश्यक है।

वहीं, कुछ लोगों ने मरियम नवाज पर पिछली जांच में शरीयत का हवाला देकर शामिल न होने के कारण उनका दोहरा चेहरा उजागर किया है। मरियम नवाज और यूएई राष्ट्रपति की मुलाकात ने पाकिस्तान में धर्म, राजनीति और आधुनिक प्रोटोकॉल पर एक अहम बहस छेड़ दी है। यह विवाद इस बात का प्रतीक है कि कैसे छोटे मुद्दों को राजनीतिक हथियार बना दिया जाता है। इसको लेकर अभी मरियम नवाज की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

जेक सुलिवन और अजीत डोभाल की मुलाकात पर व्हाइट हाउस का बयान, कहा- दोनों देशों को मिलकर काम करने की जरूरत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों देशों को पहले से ज्यादा विश्वसनीय और लचीला आधार बनाने के लिए अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। दोनों देशों ने तकनीकी और रक्षा आपूर्ति श्रृंखला को एकीकृत करने के लिए कदम उठाए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि बैठक के दौरान सुलिवन और डोभाल ने तकनीक के संयुक्त उत्पादन और विकास के प्रयास के महत्व को लेकर चर्चा की। यह हमें दुनिया के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और लागत-प्रतिस्पर्धी तकनीकी समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत अंतरिक्ष से लेकर सेमी कंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, उन्नत दूरसंचार और स्वच्छ ऊर्जा को लेकर साझेदारी के साथ काम कर रहे हैं। इसके परिणाम भी सामने आए हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक हमारी साझेदारी ने हिंद-प्रशांत और यूरोप के समान विचारधारा वाले देशों के साथ बहुपक्षीय कार्य को भी बढ़ावा दिया है। इसमें बायो-5 बायोफार्मास्युटिकल सप्लाई चेन कंसोर्टियम, यूएस-इंडिया-आरओके टेक्नोलॉजी त्रिपक्षीय और क्वाड के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ चल रहे सहयोग शामिल हैं। बैठक में सुलिवन और डोभाल ने तकनीकी संरक्षण को मजबूत करने के अपने साझा संकल्प को लेकर प्रतिबद्धता जताई। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के प्रयासों पर चर्चा की। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों देशों के सुरक्षा सलाहकारों ने द्विपक्षीय रणनीतिक व्यापार, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग में दीर्घकालिक बाधाओं को दूर करने की प्रगति की सराहना की। दोनों ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकारों, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच उन्होंने जो सेतु बनाए हैं, वे कायम रहेंगे और तकनीकी उद्यम के हर आयाम में उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करेंगे। दोनों एनएसए नियमित रूप से व्यापक द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक एजेंडे पर गहन चर्चा के माध्यम से उच्च स्तरीय वार्ता में शामिल रहे हैं।

उत्तर कोरिया की गीदड़भभकी; तानाशाह किम जोंग ने नई हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली को लेकर दी यह चेतावनी

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता तानाशाह किम जोंग उन हमेशा से ही अपने गीदड़भभकी के लिए सुर्खियों में रहे है। जहां एक बार फिर उन्होंने नई हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यह मिसाइल प्रणाली प्रशांत क्षेत्र में देश के प्रतिद्वंद्वियों को रोकने में मदद करेगी। किम ने समाचार एजेंसी केसीएनए से कहा कि यह मिसाइल प्रणाली किसी भी प्रतिद्वंदी को मज़बूती से रोकने में सक्षम है जो हमारे देश की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। बता दें कि यह परीक्षण तब हुआ जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन दक्षिण कोरिया का दौरा कर रहे थे, जो उत्तर कोरिया का प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। किम ने बताया कि इस मिसाइल ने 1,500 किलोमीटर (930 मील) की दूरी तय की और पानी में गिरने से पहले ध्वनि की गति से 12 गुना ज्यादा तेजी से यात्रा की। किम ने इसे आत्मरक्षा का एक कदम बताया न कि आक्रामक कार्रवाई। उन्होंने कहा कि इस मिसाइल प्रणाली का प्रदर्शन दुनिया से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह किसी भी सघन रक्षात्मक अवरोध को तोड़ते हुए प्रतिद्वंद्वी पर गंभीर हमला कर

ट्रंप की हमास को चेतावनी: नर्क के सारे दरवाजे खोल देंगे, अगर मेरी शपथ से पहले बंधकों को रिहा नहीं किया गया

– चुनाव से पहले शांति की बात करने वाले ट्रंप के बदले तेवर

टोरंटो । अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मार-ए-लागो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हमास को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि 20 जनवरी को उनकी शपथ ग्रहण से पहले अमेरिकी बंधकों को रिहा नहीं किया गया, तो मिडिल ईस्ट में नर्क के सारे दरवाजे खोल दिए जाएंगे। चुनाव से पहले शांति और कूटनीति की बात करने वाले ट्रंप ने अपने तेवर बदलते हुए हमास को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा, मैं बातचीत की प्रक्रिया में बाधा नहीं डालना चाहता, लेकिन यदि बंधकों को जल्द रिहा नहीं किया गया, तो मिडिल ईस्ट में ऐसी स्थिति पैदा होगी जिसे हमास कभी भूल नहीं पाएगा। हालांकि, ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनकी कार्रवाई का स्वरूप क्या होगा। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने 100 से ज्यादा लोगों को बंधक ब ाया था, जिनमें कुछ अमेरिकी नागरिक भी शा ल हैं। ट्रंप ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में केवल हमास पर ही नहीं, बल्कि कई अन्य अंतरराष्ट्र य मुद्दों पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने क ा को कनाडा और मेक्सिको पर प्रतिबंध ल ाने पर विचार किया जा रहा है। पनामा नहर को लेकर बातचीत चल रही है, लेकिन सैन्य हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया। ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की संभावनाओं से इनकार करते हुए, डेनमार्क पर टैरिफ लगाने की बात कही। गल्फ ऑफ मैक्सिको का नाम बदलकर गल्फ ऑफ अमेरिका करने का सुझाव दिया। उन्होंने इसे एकदम सटीक और खूबसूरत नाम बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आगामी प्रशासन की नीतियों के संकेत देते हुए स्पष्ट किया कि उनका रुख अमेरिकी हितों की रक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने का रहेगा। उनकी बयानबाजी से साफ है कि वह कूटनीति के साथ-साथ शक्ति प्रदर्शन की रणनीति अपनाने की तैयारी में हैं।

हमास को सख्त संदेश

ट्रंप ने हमास के बंधक संकट को लेकर कहा कि उनकी प्राथमिकता अमेरिकियों को सुरक्षित रिहाई दिलाना है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अगर मेरी शपथ से पहले बंधकों को छोड़ा नहीं गया, तो हमास को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप की इस चेतावनी से न केवल मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ सकता है बल्कि उनकी नीतियों से अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय भूमिका पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

टूडो के इस्तीफे के बाद अगले पीएम की दौड़ में दो भारतवंशी भी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद नए दावेदारों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पीएम पद की रेस में कनाडा मूल के नेताओं के साथ ही दो भारतवंशी भी शामिल हैं। इन भारतवंशी सांसदों में पहला नाम ट्रूडो मंत्रिमंडल में शामिल पूर्व रक्षा मंत्री और मौजूदा परिवहन और आंतरिक व्यापार मंत्री अनीता आनंद का है। जबकि दूसरा नाम भारतवंशी लिबरल पार्टी के सांसद जॉर्ज चहल का है। आइए जानते हैं कौन हैं भारतवंशी सांसद।

भारतवंशी अनीता आनंद का नाम चर्चा में : कनाडा में पीएम पद की रेस में भारतवंशी सांसद अनीता आनंद का भी चर्चा में है। अनीता आनंद ट्रूडो मंत्रिमंडल में शामिल हैं। वह कनाडा की रक्षा मंत्री रह चुकी हैं। साथ ही मौजूदा समय में परिवहन और आंतरिक व्यापार मंत्री हैं। अनीता का जन्म 1967 में नोवा स्कोटिया में भारतीय माता-पिता के घर हुआ था, जो दोनों चिकित्सा पेशेवर थे। उनकी मां सरोज पंजाब से और पिता एस.वी. आनंद तमिलनाडु से थे। अनीता टोरंटो विश्वविद्यालय में कानून की प्रोफेसर रह चुकी हैं। उन्होंने टोरंटो के पास ओकविले से 2019 में सांसद का चुनाव लड़ा और जीत गईं। इसके बाद उनको सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री के रूप में चुना गया था। कोविड महामारी के दौरान उन्होंने टीके खरीदने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने यूक्रेन की भी मदद की। साथ ही अनीता ने व्यापक शोध के साथ एयर इंडिया जांच आयोग की सहायता की। आयोग ने 23 जून 1985 को एयर इंडिया कनिष्क उड़ान 182 की बमबारी की जांच की, जिसमें सभी 329 लोग मारे गए थे। ये मामला खालिस्तानियों से जुड़ा था।

जॉर्ज चहल भी पीएम पद की रेस में : कनाडा पीएम पद की रेस में दूसरे भारतवंशी के तौर पर लिबरल सांसद जॉर्ज चहल का नाम भी शामिल है। हालांकि कई सांसदों ने उनको अंतरिम नेता नियुक्त करने की सिफारिश की है। अगर चहल को अंतरिम नेता चुना जाता है, तो वे पीएम की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। क्योंकि कनाडा के नियमों के मुताबिक अंतरिम नेता प्रधानमंत्री पद का चुनाव नहीं लड़ सकते। जॉर्ज चहल ने पिछले सप्ताह कॉकस सहयोगियों को पीएम पद के लिए अनुरोध के साथ एक पत्र लिखा था। चहल ने ट्रूडो से पीएम पद छोड़ने और पार्टी से चुनाव कराने की मांग की थी। पेशे से वकील चहल ने कैलगरी सिटी काउंसलर के रूप में विभिन्न समितियों में काम किया है। चहल प्राकृतिक संसाधनों पर स्थायी समिति के अध्यक्ष और सिख कॉकस के अध्यक्ष भी हैं।

मस्क के आरोपों पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोले-लोग झूठ फैला रहे: पाकिस्तानी ग्रूमिंग रेप मामले पर सफाई दी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इलॉन मस्क के सरकार पर किए गए हमलों का जवाब दिया है। स्टार्मर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मस्क का नाम लिए बिना कहा कि जो लोग झूठ और गलत सूचनाओं को फैला रहे हैं, उन्हें पीड़ितों में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्हें सिर्फ खुद में दिलचस्पी है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि वे 2008 से 2013 के बीच प्रॉसिक्यूशन सर्विस के डायरेक्टर थे तभी ग्रूमिंग गैंग के खिलाफ पहला मामला दर्ज किया गया था। स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने जिस भी मामले को हाथ में लिया, वह अदालत तक पहुंचा और उसमें पर्याप्त कार्रवाई हुई। हाल ही में इलॉन मस्क ने लेबर पार्टी की सरकार पर चाइल्ड ग्रूमिंग गैंग्स मामले में ब्रिटिश पीएम के साथ-साथ लेबर सरकार को घेरा था। उन्होंने कहा कि स्टार्मर जांच कर रही समिति के अध्यक्ष थे लेकिन फिर भी उन्होंने आरोपियों के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी नहीं थी। मस्क ने कहा कि अब पीएम के रूप में भी स्टार्मर पर्दा डाल रहे हैं। उन्होंने ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स से भी स्टार्मर को बर्खास्त करने की अपील की। इस बीच सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मस्क ने स्टार्मर को जेल भेजने की भी मांग की। खुद ही पीड़िताएं सामने आईं, पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग का खुलासा किया साल 2022 में कुछ पीड़िताएं खुद सामने आईं और अपने साथ हुए अत्याचारों के बारे में दुनिया को बताया। इसमें बताया गया कि पाकिस्तानी मूल के लोगों के एक गिरोह ने नाबालिग लड़कियों को ड्रग्स, पैसे अथवा ब्रेन वॉश करके फंसाया और उनका दुष्कर्म किया। इसके बाद देश प्रो. एलेक्स जे की कमेटी का गठन किया गया। कमेटी ने पाया कि 1997 से 2013 के बीच 1400 से ज्यादा लड़कियों का यौन शोषण किया गया। आरोपियों में सबसे ज्यादा पाकिस्तानी मूल के लोग थे। ज्यादातर लड़कियों को एक संगठित गैंग ने बहला-फुसलाकर शिकार बनाया और उनकी तस्करी कर दी गई थी। सबसे पहला मामला रॉदरहैम शहर का था। इसके बाद जांच करने पर उत्तरी इंग्लैंड के कई शहरों में इसी तरह के और भी मामले सामने आए। कमेटी की रिपोर्ट में दोषी पाकिस्तानी लोगों पर कार्रवाई की सिफारिश की गई। अपराध की इन घटनाओं को रॉदरहैम स्कैंडल नाम दिया गया। बाद में इसे पाकिस्तानी ग्रूमिंग रेप गैंग भी कहा गया। यानी पाकिस्तानी युवा इन्हें साजिश के तहत फंसाते हैं। कुछ मामलों में लड़कियों की ट्रैफिकिंग भी यूरोपीय देशों को होती थी। लेबर पार्टी ने खुद जांच कराने से इनकार किया यह मामला अक्टूबर में उस वक्त सुर्खियों में आया था जब लेबर सरकार में मंत्री जेस फिलिप्स ने इंग्लैंड के ओल्डम काउंसिल के उस आग्रह को ठुकरा दिया था जिसमें सरकार से बच्चों के कथित तौर पर ऐतिहासिक रूप से हो रहे यौन शोषण की जांच कराने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा था कि काउंसिल को ही यह काम अपने हाथ में लेना चाहिए। इससे ब्रिटिश सियासत गरमा गई।

अमेरिकी सांसद सुहास सुब्रमण्यन ने गीता पर हाथ रखकर शपथ ली

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अमेरिकियों के लिए बीता शुक्रवार का दिन काफी ऐतिहासिक रहा था। दरअसल, छह भारतवंशी नेताओं ने अमेरिकी संसद के सदस्य के रूप में शपथ ली था। यह पहला मौका है, जब अमेरिकी संसद के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव यानी निचली सदन में एक साथ छह भारतीय-अमेरिकियों ने शपथ ग्रहण की। इस दौरान सांसद सुहास सुब्रमण्यम ने भगवद् गीता पर हाथ रखकर शपथ ली। जबकि सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने एक कार्यक्रम के दौरान भगवद् गीता का एक अंश पढ़ा।

इन लोगों ने मारी बाजी : सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार अमेरिकी सदन में पहुंचे हैं। डॉ. अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के सातवें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे सीनियर भारतीय अमेरिकी सांसद हैं।

सुहास सुब्रमण्यम ने भगवद् गीता पर शपथ ली : अमेरिका के पूर्वी तट पर बसे राज्यों से अमेरिकी संसद में पहुंचने वाले पहले भारतवंशी सांसद सुहास सुब्रमण्यम ने भगवद गीता की शपथ ली। इसी के साथ वह हिंदू ग्रंथ पर ऐसा करने वाले संभवतः एकमात्र सांसद बन गए। उनकी मां, जो डलास हवाईअड्डे के माध्यम से अमेरिका आई थीं, ने उन्हें गीता की शपथ लेते हुए देखा। गौरतलब है, 43 साल की तुलसी गब्बार्ड अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की पहली हिंदू अमेरिकी सदस्य थीं। उन्होंने पहली बार तीन जनवरी, 2013 में गीता पर शपथ ली थी। वह हवाई के दूसरे संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करती थीं। गब्बार्ड, जो

किशोरावस्था में हिंदू धर्म अपना वाली पहली व्यक्ति थीं, अब राष्ट्रीय खुफिया नदेशक के पद के लिए नामांकित हैं। शपथ लेने के बाद सुहास सुब्रमण्यम ने कहा, मेरे माता पिता ने मुझे वर्जीनिया से पहले भारतीय अमेरिकी और दक्षिण एशियाई सांसद के रूप में शपथ लेते हुए देखा। अगर आप मेरी मां से भारत से डलास एयरपोर्ट पर उतरते समय कहते कि उनका बेटा भविष्य में वर्जीनिया का प्रतिनिधित्व करेगा, तो वह शायद विश्वास नहीं करतीं, लेकिन मेरी कहानी वही आशा है जो अमेरिका रखता है। मुझे गर्व है कि मैं पहला हूं, लेकिन आखिरी नहीं हूं, क्योंकि मैं वर्जीनिया के 10वें जिले का प्रतिनिधित्व करता हूं। सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने द्विदलीय अंतरधार्मिक प्रार्थना सभा के दौरान भगवद् गीता का एक अंश पढ़ा। यह सेवा 119वीं सदन के पहले दिन की शुरुआत में आयोजित की गई थी। राजा कृष्णमूर्ती के कार्यालय द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, वह इस सेवा में बोलने वाले अकेले हिंदू प्रतिनिधि थे। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले, हिंदू अमेरिकियों को हमारे देश की राजधानी में प्रार्थना सेवाओं में शामिल नहीं किया जाता था। मैं आभारी हूं कि अब हमारे पास भी एक जगह है और मैं हिंदू धर्म के सुंदर आशीर्वादों को अपने सहयोगियों के साथ बांटने में भूमिका निभा सकता हूं, चाहे वे रिपब्लिकन हों या डेमोक्रेट। हम सबने मिलकर शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की, जिससे हम अपने देश की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं।

सांसद कृष्णमूर्ति 2017 से इलिनॉयस के 8वें जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को 119वीं सदन का हिस्सा बनने के लिए शपथ ली। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, हमारी समुदायों की सेवा करना एक जीवनभर का सम्मान है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी को 10 साल की सजा

अलवर। राजस्थान में अलवर के पॉस्को न्यायालय संख्या एक ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई है। दिसंबर 2022 में यह मामला दर्ज हुआ था। दो साल के भीतर न्यायालय ने मामले में आरोपी को सजा सुनाई है। सरकारी अधिवक्ता विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि पॉस्को न्यायालय संख्या एक के न्यायाधीश जोगेंद्र अग्रवाल ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पटौदी निवासी यतीन नाम के युवक को 10 साल की सजा सुनाई है। दिसंबर 2022 को बर्डोद निवासी एक पीड़िता ने मामला दर्ज कराया गया कि सोशल मीडिया पर उसकी मुलाकात गुरुग्राम के पटौदी के रहने वाले यतीन नाम के लड़के से हुई थी। इसके बाद 6 माह तक उन लोगों के बीच चैटिंग की मदद से बातचीत हुई। दोनों एक दूसरे से प्यार भरी बातें करने लगे। इतना ही नहीं दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें खाई। एक दिन यतीन उससे मिलने के लिए बहरोड़ आया। यहां खाना खिलाने के बहाने से अपने साथ एक होटल में ले गया और वहां कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता जब अपने घर पहुंची, तब पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों के साथ पीड़िता थाने पहुंची। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाकर उसके बयान दर्ज किए। उसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में चार्जशीट पेश की।

रेलवे स्टेशन पर महिला के बाल काटकर भागने वाला पकड़ाया, वजह ऐसी कि सभी हैरान

मुंबई । सपनों की दुनिया कही जाने वाली मुंबई में सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने दादर रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री के बाल काटने के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी दिनेश गायकवाड़ (35) निजी कंपनी में काम करता है। घटना के बाद उसे मुंबई सेंट्रल स्टेशन से पकड़ा। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने महिला को इसलिए निशाना बनाया क्योंकि उसे उसके लंबे बाल पसंद नहीं थे। महिला दादर स्टेशन की पश्चिमी लाइन पर जा रही थी तभी उसने महिला के साथ यह वारदात की। इसके बाद महिला ने युवक का पीछा करने की कोशिश की लेकिन वह यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर भाग गया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इससे पहले भी दादर में एक अंजान शख्स ने लड़की के बाल काटे थे। बता दें कि कुछ समय पहले इस तरह से चोटी कटवा चर्चित हुआ था। जम्मू में भी चोटी कटवा का आतंक रह था। कुछ समय के लिए इसके चलते डर का माहौल बन गया था. दरअसल वहां कोई शख्स चोरी चुपके महिलाओं की चोटी काट रहा था जिससे महिलाएं अपने बालों को लेकर परेशान थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी तेजी से वायरल हुआ था जिसमें एक लड़का महिलाओं का बाल काटता देखा गया।

श्रीलंकाई नौसेना ने फिर 10 मछुआरों को किया गिरफ्तार, नाव भी की जब्त

-गिरफ्तारियों को लेकर तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन, रिहा करने की मांग

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने गुरुवार तड़के तमिलनाडु के कराईकल से 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर नाव भी जब्त कर ली है, और उन्हें पूछताछ और जांच के लिए कांकेसंथुराई शिविर ले गई है। यह घटना तमिलनाडु के मछुआरा समुदाय के लिए चिंता बन गई है, क्योंकि श्रीलंकाई नौसेना ने 16 जून 2024 से अब तक 425 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर 58 मशीनीकृत नौकाओं को जब्त कर चुकी है। इन गिरफ्तारियों को लेकर तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। मछुआरे और उनके परिवार सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने श्रीलंका सरकार के साथ चर्चा की थी और मछुआरों की गिरफ्तारियों और नावों की जब्ती रोकने की अपील की थी। इसके बावजूद गिरफ्तारियां की जा रही हैं, जिससे मछुआरा समुदाय भय में जी रहा है। तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने केंद्रीय विदेश मंत्री को पत्र लिखकर श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार भारतीय मछुआरों और उनकी नौकाओं की रिहाई की मांग की है। उन्होंने इस स्थिति को मछुआरों के लिए जीवन के लिए खतरनाक बताया और कहा कि इन घटनाओं से मछुआरा समुदाय में असुरक्षा का माहौल पनप रहा है। उन्होंने केंद्रीय विदेश मंत्री से ठोस कूटनीतिक प्रयासों की अपील की ताकि सभी मछुआरों और उनकी नौकाओं रिहाई हो सके।

आयुष्मान कार्ड बनने के बाद भी नहीं मिला इलाज, कैंसर पीड़ित ने दे दी जान

बेंगलुरू। कैंसर ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही लोगों की नींद हराम हो जाती है और जो मरीजा होता है उसकी तकलीफ बस वह ही समझ सकता है। 72 साल के राजेश (बदला हुआ नाम), जो राज्य सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारी थे, उन्हें गैस्ट्रिक कैंसर का पता चला, लेकिन बीमारी से लड़ने के साथ इलाज के खर्च का बोझ और सरकारी योजनाओं की विफलता ने उन्हें निराश कर दिया जिससे परेशान होकर उन्होंने 25 दिसंबर को मौत को गले लगा लिया। राजेश ने आयुष्मान योजना के तहत वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य आश्वासन योजना के तहत पंजीकरण कराया था। उन्हें सालाना 5 लाख रुपये का कवर मिलना था, जो उनके इलाज का खर्च उठाने के लिए पर्याप्त था लेकिन जब वह इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे, तो उन्हें यह जानकर गहरा धक्का लगा कि यह योजना अभी तक कर्नाटक राज्य में लागू नहीं की गई है। अस्पताल प्रशासन ने उनके इलाज पर 50 फीसदी की छूट देने की पेशकश की थी, लेकिन योजना का लाभ न मिलने से राजेश मानसिक रूप से टूट गए। परिवार के मुताबिक राजेश को चिंता थी कि इलाज का पूरा खर्च उनके परिवार पर भारी बोझ डालेगा। इस चिंता ने उन्हें आत्महत्या जैसा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। राजेश के परिवार का यह अनुभव अकेला नहीं है। ललिताम्बा बी वी, जो बेंगलुरु नवनिर्माण पार्टी की अभियान प्रमुख हैं, उन्होंने भी अपने 87 साल के पिता के इलाज में इस योजना का उपयोग करने में आने वाली समस्याओं का जिक्र किया है।

इंडिया गठबंधन की दम पर भाजपा से पंजा लड़ाने वालों ने कांग्रेस को दे दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा से भिड़ने के लिए तमाम विपक्षी दलों ने एक इंडिया महागठबंधन का गठन किया था। इसमें शामिल दलों का दावा था कि एनडीए से मुकाबले के लिए हमें एकजुट होना पड़ेगा। तभी हम लोकतंत्र और संविधान की रक्षा कर पाएंगे। ये तमाम वादे और दावे उस वक्त धरे रहे गए जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नेतृत्व पर सवाल उठा दिए। फिर क्या था एक के बाद एक कई दलों ने हाथ झटका और इंडिया गठबंधन को ठेंगा दिखा दिया।

सबसे पहले बंगाल की सीएम और टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती दी। फिर एक-एक कर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, एनसीपी नेता शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने ममता बनर्जी के नेतृत्व करने के प्रस्ताव पर सहमति जता दी। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को ममता बनर्जी की तरह अपना दुश्मन ही मान लिया है। अब तो लालू यादव के पुत्र और बिहार में महागठबंधन के सीएम फेस तेजस्वी यादव ने इंडिया ब्लॉक को सिर्फ लोकसभा चुनाव तक के लिए की गई व्यवस्था बता कर इसके खात्मे की ही मुनादी कर दी है। इंडिया ब्लॉक में बिखराव का बीजारोपण सबसे पहले ममता बनर्जी ने किया था। देश भर में विपक्षी पार्टियों ने इंडिया ब्लॉक के बैनर तले उम्मीदवार उतारे, लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस और वाम दलों को भाजपा की तरह ही दुश्मन बता कर दूरी बना ली। टीएमसी, कांग्रेस और वाम दलों ने अलग-अलग उम्मीदवार उतारे। ममता ने यह साबित भी कर दिया कि बंगाल में भाजपा से टक्कर लेने के लिए वे अकेले ही काफी हैं। टीएमसी संसदीय चुनाव में 22 सीटें जीत कर लोकसभा में चौथी बड़ी पार्टी बन गई। इंडिया ब्लाक में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बाद टीएमसी तीसरी बड़ी पार्टी है।

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने 18 जनवरी को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है। उसी दिन राहुल गांधी भी पटना आ रहे हैं। वे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। शायद तेजस्वी को कांग्रेस के इरादे की जानकारी मिल गई है कि सीटों पर वह अड़ सकती है। कांग्रेस को अपनी छवि भी दुरुस्त करनी है कि वह आरजेडी की पिछलग्गू नहीं है। यह सच भी है कि आरजेडी के सहारे कांग्रेस बिहार में 1990 के बाद से ही रही है। राहुल गांधी सीटों को लेकर मुंह न फाड़ें, इसलिए तेजस्वी ने अपने बयान से उनकी बोलती बंद करने की कोशिश की है।

देश में 2019 से ही भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने का प्रयास होता रहा है। पहली बार 2019 में आंध्र प्रदेश के सीएम और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) नेता चंद्रबाबू नायडू ने भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की पहल की थी। तब वे एनडीए से बाहर थे। दूसरी बार 2021 में बंगाल फतह करने के बाद ममता बनर्जी ने प्रयास किया। निराशा हाथ लगने पर दोनों ने मौन धारण कर लिया था। तीसरा प्रयास महागठबंधन में रहते बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने किया। उन्हें सफलता जरूर मिली, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले ही उन्होंने अपनी राह अलग कर ली। उन्होंने फिर से भाजपा के साथ जाना पसंद किया। बची कसर जनता ने पूरी कर दी, जब विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' बहुमत से दूर रह गया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को भाव नहीं दिया। हरियाणा में तालमेल को लेकर कांग्रेस के रुख से आहत आप ने बिना किसी से तालमेल किए सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। बिहार में भी आरजेडी पिछली बार की तरह कांग्रेस को तवज्जो देने के मूड में नहीं है। 2020 में आरजेडी से 70 सीटें कांग्रेस ने ले ली थीं, लेकिन जीतीं सिर्फ 19 सीटें। तेजस्वी यादव और लालू यादव को अब तक इस बात का मलाल है कि कांग्रेस को उतनी सीटें नहीं मिली होतीं तो तेजस्वी ही शायद सीएम होते।

प्रशांत किशोर आईसीयू में भर्ती, मुख्य सचिव को पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

पटना। जन सुराज पार्टी ने दावा किया कि उसके संस्थापक प्रशांत किशोर का स्वास्थ्य खतरनाक रूप से बिगड़ा है। प्रशांत किशोर फिलहाल एक अस्पताल के आईसीयू में आमरण अनशन पर हैं। पीके ने पेपर लीक के आरोपों को लेकर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित परीक्षा रद्द करने की मांग

कर रहे सिविल सेवा अभ्यर्थियों के साथ एकजुटता दिखाकर 2 जनवरी को अनशन शुरू किया था। उन्हें डिहाइड्रेशन की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा को ज्ञापन सौंपने के बाद जेएसपी अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि डॉक्टरों का मानना है कि अगर किशोर ने सामान्य भोजन लेना शुरू नहीं किया, तब परिणाम गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ज्ञापन में उन पांच मांगों को सूचीबद्ध किया गया जिनके लिए किशोर ने आमरण अनशन शुरु किया था। जेएसपी द्वारा की गई मांगों में 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार के आरोपों की उच्च स्तरीय जांच और पिछले 10 वर्षों में हुई प्रश्न पत्र लीक जैसी अनियमितताओं पर श्वेत पत्र जारी करना शामिल है। पार्टी ने 18-35 आयु वर्ग के बेरोजगार लोगों के लिए सहायता और सरकारी नौकरियों में राज्य के युवाओं का दो-तिहाई प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने वाली एक अधिवास नीति की भी मांग की।

भारत और यूके के बीच संसदीय आदान-प्रदान बढ़ाने का आह्वान स्पीकर ओम बिरला ने किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत और यूके के बीच संसदीय सहयोग को मजबूत करने का आह्वान करते हुए दोनों देशों के बीच संसदीय ज्ञान और अनुभवों के अधिकाधिक आदान-प्रदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के युवा और महिला सांसदों को नियमित रूप से परस्पर संवाद करना चाहिए। बिरला ने लंदन में यूके की संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर लिंडसे हॉयल के साथ अपनी बैठक के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

बिरला ने कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंध ही दोनों देशों के घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों का आधार हैं। लोगों के बीच आपसी सौहार्द से दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत और बहुआयामी हुए हैं। इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत और यूके के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए हैं, अध्यक्ष बिरला ने इस बात पर खुशी जताई कि इससे दोनों देशों के लोगों को लाभ हुआ है।

बिरला ने इस बात पर जोर दिया है कि भारत के निर्वाचन आयोग का स्वतंत्र, निष्पक्ष, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का उत्कृष्ट रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है जिसमें लगभग एक अरब मतदाता हैं। इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत में संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, बिरला ने कहा कि भारत का संविधान देश में परिवर्तनकारी सामाजिक-आर्थिक बदलाव का सूत्रधार रहा है। संसदीय लोकतंत्र के रूप में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बिरला ने स्पष्ट रूप से कहा कि विविधताओं के बावजूद, भारत संसदीय संवाद और चर्चा के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में सफल रहा है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का बड़ा आरोप: दिग्विजय ने अपना पूरा जीवन मुझे और मेरे दिवंगत पिता को बदनाम करने में लगाया

ग्वालियर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह उनके पिता दिवंगत माधवराव सिंधिया पर अक्सर निशाना साधते थे और अब वे उनके साथ भी ऐसा ही कर रहे हैं।

चार दिवसीय दौरे पर ग्वालियर पहुंचे सिंधिया ने कहा कि उन्होंने दिग्विजय के प्रति हमेशा सम्मान दिखाया है। सिंधिया कभी कांग्रेस में दिग्विजय के सहयोगी थे। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य सिंह ने मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में एक घोटाले का खुलासा होने के बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया पर सवाल उठाए थे।

पिछले माह की शुरुआत में परिवहन विभाग के एक पूर्व कांस्टेबल के पास से बेहिसाब संपत्ति बरामद हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री की आलोचनात्मक टिप्पणियों के बारे में सिंधिया ने कहा, क्या यह कोई नई बात है? उन्होंने कहा, ''दिग्विजय ने अपना पूरा जीवन मेरे पूज्य पिता और मुझ पर निशाना साधने में बिताया है। मैंने कभी उन पर निशाना नहीं साधा। मैं जब भी उनसे मिलता हूं, आज भी उनका अभिवादन करता हूं।'' सिंधिया ने कहा, कोई भी अपनी विचारधारा के अनुसार अपनी सीमाएं तय कर सकता है। मेरी विचारधारा लोगों की सेवा करना है और यही मेरे जीवन का लक्ष्य है। पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा पर लोकायुक्त के छापे के बाद पूर्व सीएम सिंह ने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा था, इसमें मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार की जांच उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश से कराने की मांग की गई थी। उन्होंने पत्र में आरोप लगाया था कि कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ पर सिंधिया के करीबी माने जाने वाले एक नेता को परिवहन मंत्री बनाने का दबाव था। दिल्ली में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के बारे में सिंधिया ने कहा कि भाजपा पिछले साल हुए हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों की तरह विजयी होगी।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में उतार-चढ़ाव होने के बावजूद सेना के बीच रिश्ते मजबूत

- अब बांग्लादेश की सेनाओं के अधिकारियों के लिए भारत एक प्रमुख ट्रेनिंग भूमि बना

नई दिल्ली । बांग्लादेश और भारत के रक्षा क्षेत्र में घनिष्ट सहयो दर्ज किया गया है, जो दोनों देशों के सेना अधिकारियों के बीच कई प्रमुख सामरिक और व्यापारिक एक्सचेंज प्रोग्राम के माध्यम से विकसित हो रहे हैं। यह सौभाग्यपूर्ण है कि अब बांग्लादेश की स नाओं के अधिकारियों के लिए भारत एक प्रमुख ट्रेनिंग भूमि बन गया है। साथ ही भारतीय सेना के अधिकारी भी बांग्लादेश में विभिन्न सेक्टरों में दोस्ताना तालमेल के माध्यम से भाग ले रहे हैं। इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण अद्यतन यह है कि भारतीय सेना के तीन अधिकारी हाल ही में बांग्लादेश कोर्स करने के लिए रवाना हुए हैं, जबकि चार अधिकारी बांग्लादेश के मिलिट्री इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में कंप्यूटर ट्रेनिंग देने के लिए वहां पहुंचे हैं। यह सहमति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो दोनों देशों के सेनाओं के बीच समर्पित साथ को और भी मजबूत बनाए रखेगा। इस ट्रेनिंग का खर्चा अब भारत ही वहन करेगा जिससे इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए एक सकारात्मक कदम उठाया गया है। इस साथीय समझौते के माध्यम से यह सुनिश्चित होगा कि भारत-बांग्लादेश के रक्षा क्षेत्र में सहयोग और समर्पण का नेटवर्क और भी सुदृढ़ हो और भारतीय और बांग्लादेशी सेनाओं के बीच मित्रता और समर्थन की बढ़ती धारा को बढ़ावा देगा। इस अनुभव साझा करने और एक-दूसरे से सीखने के माध्यम से, दोनों देशों के सुरक्षा को और भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल की बढ़ी मुश्किलें, पुलिस ने यूएपीए लगाया

-पंजाब के यूट्यूबर गुरप्रीत सिंह की हत्या से जुड़ा है मामला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने एक हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में जेल से लोकसभा चुनाव जीतने वाले खालिस्तानी अलगाववादी अमृतपाल सिंह के खिलाफ आतंकवाद के आरोप लगाए हैं। खडूर साहिब से सांसद और खालिस्तान समर्थक संगठन वारिस पंजाब दे का नेता अमृतपाल सिंह दिवंगत अभिनेता दीप सिद्धू के करीबी सहयोगी गुरप्रीत सिंह की हत्या का आरोपी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अक्टूबर 2024 की हत्या में अमृतपाल की भूमिका के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन मामले में यूएपीए लागू करने की पुष्टि की है। यूट्यूबर गुरप्रीत सिंह, जो वारिस पंजाब दे के गठन में भी शामिल थे, उनकी 9 अक्टूबर, 2024 को दोपहिया वाहन पर गुरुद्वारे से घर लौटते समय हरिनो गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

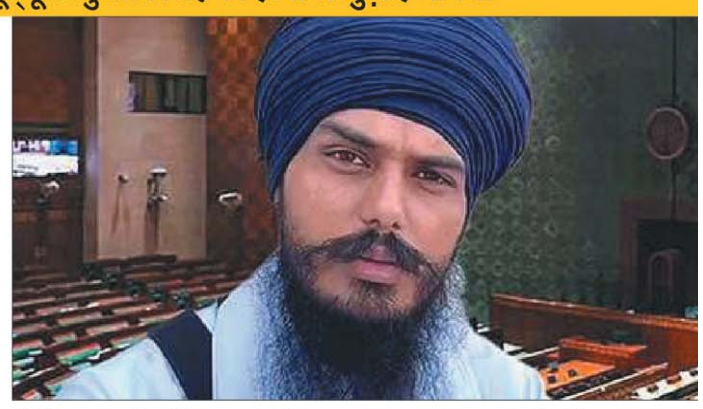

गुरप्रीत सिंह की हत्या में एक दर्जन लोगों पर आरोप लगे थे और पुलिस ने अब तक कई गिरफ्तारियां की हैं, जिनमें दो शूटर, तीन व्यक्ति जिन्होंने टोह लेने में मदद की और एक साथी जिसने अपराध को आसानी से अंजाम देने में मदद की। गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्ध न्यायिक हिरासत में हैं। एक गैंगस्टर अर्श दल्ला को छोड़कर जिसके बारे में कहा जाता है कि वह विदेश में रह रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक पंजाब पुलिस द्वारा गठित एसआईटी ने जांच के दौरान पर्याप्त सबूत जुटाने के बाद अमृतपाल सिंह और अर्श दल्ला को नामित किया है। पुलिस ने यह भी संकेत दिए हैं कि जांच के दौरान दर्ज किए गए बयानों के आधार पर सबूत गुरप्रीत सिंह की हत्या की साजिश रचने में अमृतपाल सिंह की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं।

फरीदकोट की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने गिरफ्तारियों की पुष्टि की और कहा कि अब मामले में यूएपीए लागू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि यह मामला पिछले साल अक्टूबर का है। शूटरों समेत सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हैंडलर अर्श दल्ला को छोड़कर जो विदेश में है। सांसद अमृतपाल सिंह जो वर्तमान में एनएसए के तहत पटियाला की नाभा जेल में बंद हैं उसके बढ़ती कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अमृतपाल ने 5 जुलाई, 2025 को लोकसभा सांसद के रूप में शपथ ली।

संकट में फडणवीस सरकार, दिल्ली पहुंचे अजित पवार ने शाह के सामने रखी अपनी बात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद से ही सियासी विवाद थमा नहीं है। ऐसे ही आपसी अनबन के चलते राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार गृह मंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे हैं। यह दौरा अहम माना जा रहा है क्योंकि धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ रही है। बीड जिले में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले ने तूल पकड़ लिया है और इससे महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आया हुआ है।

महाराष्ट्र पुलिस ने हत्या मामले से जुड़े जबरन वसूली मामले में वाल्मिक कराड को गिरफ्तार किया है। कराड मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी हैं। खुद मुंडे ने भी इस बात को स्वीकार किया है। बीजेपी विधायक सुरेश धस लगातार मुंडे का जिक्र कर रहे हैं। ऐसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की चुप्पी चर्चा का विषय है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार चुप क्यों हैं? जहां ये सवाल राजनीतिक गलियारे में हर कोई पूछ रहा है वहीं एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

मंत्री धनजंय मुंडे के इस्तीफे के लिए सभी पार्टी नेताओं का दबाव बढ़ रहा है ताकि संतोष दशमुख की हत्या की जांच निष्पक्ष रूप से हो सके। इतना ही नहीं, कुछ दिन पहले सभी पार्टी के नेताओं ने राज्यपाल से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने धनंजय मुंडे के इस्तीफे की भी मांग की। इसके बाद धनंजय मुंडे ने आनन-फानन में अजित पवार से मुलाकात की। इस्तीफे का दबाव बढ़ने के बाद धनंजय मुंडे ने मंत्रालय के हॉल में अजित पवार से मुलाकात की थी। इसके बाद चर्चा है कि अजित पवार अमित शाह से मिलने के लिए दिल्ली रवाना हो गए हैं। अजित पवार की अमित शाह से करीब 15 मिनट तक चर्चा हुई। प्रारंभिक जानकारी है कि यह बैठक दिल्ली विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में हुई है। दूसरी वजह ये है कि सुनेत्रा पवार को मिले सरकारी बंगले का निरीक्षण करने वह दिल्ली पहुंचे थे। धनंजय मुंडे के इस्तीफे पर भी चर्चा होने की संभावना है। अजित पवार के साथ प्रफुल्ल पटेल भी मौजूद थे।

टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव से हिमालय क्षेत्र में होती भूकंपीय गतिविधि

* नेपाल और तिब्बत में आए भूकंप ने बड़े पैमाने पर मचाई तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बत में मंगलवार को 7.1 तीव्रता के भूकंप के साथ नौ बार धरती हिली। इस भूकंप में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। एक घंटे में आए इन नौ भूकंपों ने तिब्बत में बड़े पैमाने पर विनाश किया और नेपाल, भारत, भूटान और चीन के कुछ हिस्सों में लोगों को दहशत में डाल दिया। भू-वैज्ञानिकों के मुताबिक सबसे शक्तिशाली भूकंप का केंद्र नेपाल-तिब्बत सीमा के पास था।

एक रिपोर्ट में कहा कि भूकंप के केंद्र के पास स्थित डिंगरी काउंटी में कई इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं। मीडिया के मुताबिक पिछले पाच सालों में तिब्बत के दूसरे सबसे बड़े शहर शिगात्से के पास 3.0 या उससे अधिक तीव्रता वाले 29 भूकंप आए। भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव से बने हिमालय क्षेत्र में ऐसी भूकंपीय गतिविधि होती रहती हैं।

नेपाल दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक है, जहां भारतीय टेक्टोनिक प्लेट प्रति वर्ष लगभग 5 सेमी की दर से उत्तर की ओर यूरेशियन प्लेट को धकेलती है। यह हलचल न केवल हिमालय के पहाड़ों को ऊपर उठाती है, बल्कि पृथ्वी की सतह के नीचे तनाव भी पैदा करती है। जब तनाव चट्टानों की ताकत से ज्यादा होता है, तो यह भूकंप का रूप ले लेता है। यही कारण है कि नेपाल और उसके आस-पास के हिमालयी क्षेत्र में अक्सर भूकंपीय गतिविधि होती रहती है। नेपाल की जमीन की ऊपरी परत अस्थिर चट्टानों से बनी है, जो भूकंप के प्रभावों को बढ़ाती है, जिससे यह और भी कमज़ोर हो जाती है।

मंगलवार को शुरुआती 7.1 तीव्रता का भूकंप सुबह 6:35 बजे ज़िज़ांग में आया इसके बाद 4.7 और 4.9 तीव्रता के दो झटके आए। भूकंपों का प्रभाव तिब्बत से कहीं आगे तक फैला। दिल्ली-एनसीआर, पटना और असम तथा पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेपाल में भूकंप ने काठमांडू में दहशत फैला दी। जहां लोग घरों के गिरने के डर से बाहर निकल आए। लगातार भूकंप आने के बावजूद, हिमालयी क्षेत्र अक्सर आपदा की तैयारियों से जूझता रहता है। मुख्य चुनौतियों में खराब तरीके से लागू किए गए बिल्डिंग कोड, पूर्व चेतावनी प्रणाली की कमी और भूकंप सुरक्षा के बारे में अपर्याप्त सार्वजनिक जागरूकता शामिल है।